दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
झांसी ■ गुरुवार 10 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -18 ■ अंक-270 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सत्ता सुधार के इंदौर संस्करण का लोकार्पण आज

समंदर में निकल जाएगी दुश्मन की हेकड़ी

- भारतीय नौसेना को मिलेंगे 26 मरीन राफेल
- फ्रांस से 64 हजार करोड़ की डील मंजूर
- चीन से निपटने हिंद महासागर में तैनाती
- चीन-पाक के फाइटर जेट से बेहतर मरीन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने फ्रांस से 26 मरीन राफेल फाइटर जेट की खरीदी को मंजूरी दे दी है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी ने बुधवार को डील पर मुहर लगाई। भारत को 64 हजार करोड़ रुपए में 26 मरीन फाइटर मिलने हैं। इसके बाद फ्रांस 22 सिंगल-सीटर और 4 ट्विन-सीटर जेट भारतीय नौसेना को सौंपेगा। इन्हें हिंद महासागर में चीन से मुकाबले के लिए आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। दोनों देशों के बीच 26 राफेल मरीन जेट की खरीद को लेकर कई महीनों से बातचीत चल रही थी। भारत नौसेना के लिए राफेल मरीन की डील उसी बेस प्राइज में करना चाहता था, जो 2016 में वायुसेना के लिए 36 विमान खरीदते समय रखी थी। डील की जानकारी सबसे पहले पीएम मोदी की 2023 की फ्रांस यात्रा के दौरान सामने आई थी।

36 विमान खरीद चुका भारत

रक्षा मंत्रालय ने लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी किया था, जिसे फ्रांस ने दिसंबर 2023 में स्वीकार किया। इससे पहले सितंबर 2016 में 59 हजार करोड़ रुपए की डील में भारत वायुसेना के लिए फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीद चुका है।

यूपी में बढ़ा महंगाई भत्ता

राज्य कर्मचारियों और पेंशन धारकों का सरकार ने बढ़ाया दो फीसदी महंगाई भत्ता

- मुख्यमंत्री ने कहा- कर्मचारियों के हितों का संरक्षण हमारी प्राथमिकता
- योगी ने दी सौगातः प्रदेश में एक जनवरी से लागू होंगी बढ़ी दरें
- राज्य सरकार के निर्णय से 16 लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे
- सरकार के खजाने पर मई में 193 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार पड़ेगा

मई के वेतन में होगा नगद भुगतान

महंगाई भत्ते का भुगतान एक अप्रैल 2025 से नियमित वेतन के साथ नगद किया जाएगा। एक जनवरी से 31 मार्च के बीच की देय धनराशि अधिकारियों व कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। इस राशि पर आयकर व सरचार्ज की कटौती की जाएगी। ये धनराशि भविष्यनिधि खाते में एक अप्रैल 2026 तक जमा रहेगी। इसे इस तारीख से पहले नहीं निकाला जा सकेगा। जो कार्मिक भविष्य निधि खाते के सदस्य नहीं हैं, उनके पब्लिक प्राविडेंट फंड (पीपीएफ) या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) में इस धनराशि को जमा कराया जाएगा।

टियर -1 पेंशन खाते में जमा की जाएगी

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से आच्छादित अधिकारियों व कर्मचारियों को एक जनवरी से 31 मार्च तक देय महंगाई भत्ते की राशि का 10 प्रतिशत उनके टियर -1 पेंशन खाते में जमा किया जाएगा। राज्य सरकार या नियोक्ता द्वारा इस धनराशि के 14 प्रतिशत के बराबर अंशदान टियर-1 पेंशन खाते में जमा किया जाएगा। बची हुई 90 प्रतिशत धनराशि संबंधित कार्मिक के पब्लिक प्राविडेन्ट फंड या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा कराई जाएगी।

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

योगी सरकार ने राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में दो फीसदी की वृद्धि कर दी है। वर्तमान में 53 फीसदी की दर से दिए जा रहे महंगाई भत्ते को 55 फीसदी करने का शासनादेश बुधवार को जारी हो गया। एक जनवरी 2025 से प्रभावी इस निर्णय से लगभग 16 लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे। कर्मचारियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य कर्मचारियों के हितों का संरक्षण हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। राज्य सरकार के खजाने पर एरियर के भुगतान पर मई में 193 करोड़ का अतिरिक्त भार पड़ेगा। पुरानी पेंशन स्कीम के दायरे में आने वाले कार्मिकों के जीपीएफ में 129 करोड़ जमा होगा। इसके बाद जून 2025 से हर महीने 107 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा। भारत सरकार ने सातवें पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में वेतन पाने वाले कार्मिकों को एक जनवरी 2025 से मूल वेतन का 55 फीसदी दर से महंगाई भत्ता देने का एलान किया था। प्रदेश सरकार भी राज्य कर्मचारियों को भारत सरकार द्वारा तय महंगाई भत्ते की दर का भुगतान उसी तारीख से करती है, जिस तारीख से केंद्र सरकार करती है। इस निर्णय से राज्य कर्मचारी, सहायता प्राप्त शिक्षण व प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित व पूर्णकालिक कर्मचारी, कार्यप्रभारित कर्मचारी और यूजीसी वेतनमान के दायरे में आने वाले कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर सात उड़ानें हुईं लेट

- यात्रियों ने किया हंगामा, छह घंटे देरी से भरी उड़ान
- नई दिल्ली में रनवे पर ट्रैफिक अधिक होने का दिखा असर

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

अमौसी एयरपोर्ट पर मंगलवार की रात से लेकर बुधवार सुबह तक सात विमान देरी के शिकार हुए। इसको लेकर नाराज यात्रियों ने हंगामा किया। विमानों की लेटलतीफी दिल्ली एयरपोर्ट के रनवे पर ट्रैफिक अधिक होने के चलते रही। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-2704 बीती रात में छह घंटे देरी की शिकार हुई। इसे रात 11:20 बजे उड़ान भरना था। यह विमान इसलिए लेट हुआ क्योंकि दिल्ली से लखनऊ आने वाली 6ई-2703 देरी से पहुंची, जिसके चलते वापसी में यही फ्लाइट 6 ई-2704 लेट हुई। विमान काफी देर तक टैक्सी वे में खड़ा रहा। यात्रियों ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जताई, जिस पर इंडिगो एयरलाइन प्रशासन ने कहा कि 'एयर ट्रैफिक अधिक होने से यह दिक्कत है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाले यात्रियों ने हंगामा किया। इसी क्रम में लखनऊ से बंगलूरू जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6354 को करीब दो घंटे लेट रही। इसे शाम 7:35 बजे रवाना होना था, जो रात सवा नौ बजे रवाना हो सकी। यात्रियों की शिकायत है कि उन्हें विमान तक ले जाने वाली बस में ही काफी देर तक बिठाए रखा गया। इसी तरह दिल्ली से लखनऊ आने वाली फ्लाइट आईएक्स 1119, मुम्बई से लखनऊ आने वाली व दम्माम से अमौसी एयरपोर्ट आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई-097 भी लेट रही।

26/11 मुंबई हमलों का गुनहगार

आतंकी तहव्वुर राणा पर शिकंजा

- अमेरिका से आज तड़के लाया जाएगा भारत
- डेढ़ दशक के बाद अब पीड़ित परिवारों को मिलेगा न्याय
- एनआईए अपनी कस्टडी में रखेगी
- मुंबई हमले में रोल- हेडली को मुंबई में ऑफिस खोलने में मदद
- पाकिस्तान का नापाक साजिश होगी उजागर,वापसी से खुलेंगे राज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

2008 मुंबई आतंकी हमलों के दोषी तहव्वुर राणा को आज अमेरिका से भारत लाया जाएगा। एनआईए और रॉव की एक जॉइंट टीम तहव्वुर को लेकर स्पेशल फ्लाइट में रवाना हो चुकी है। गुरुवार को तड़के भारत पहुंचने की संभावना है। एनआईए अगले कुछ हफ्तों तक उसे अपनी कस्टडी में रखेगी। राणा के प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की याचिका अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी। तहव्वुर ने भारत आने से बचने के लिए याचिका दायर की थी। उसने अपनी याचिका में खुद को पार्किंसन बीमारी से पीड़ित बताते हुए कहा था कि अगर भारत डिपोर्ट किया गया तो उसे प्रताड़ित किया जा सकता है। राणा को 2009 में एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को अमेरिका में लश्कर-ए-तैयबा का समर्थन करने के लिए दोषी ठहराया गया था। हमले में 175 लोग मारे गए थे, जिनमें 9 हमलावर भी शामिल थे, और 300 लोग घायल हुए थे।

भारत के 5 अहम कदम

- 2011 में भारत की एनआईए ने राणा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की।
- भारत ने 4 दिसंबर 2019 को पहली बार डिप्लोमैटिक चैनल्स से राणा के प्रत्यर्पण की मांग की।
- 10 जून 2020 को राणा की अस्थायी गिरफ्तारी की मांग की।
- फरवरी 2021 में भारत ने आधिकारिक तौर पर प्रत्यर्पण की मांग करते हुए अमेरिकी न्या विभाग को नोट भेजा।
- 22 जून 2021 को अमेरिका की संघीय अदालत में राणा के प्रत्यर्पण को लेकर सुनवाई के दौरान भारत ने सबूत पेश किए।

सिर्फ कसाब को मिली सजा

अब तक 26/11 हमलों के आरोपियों में सिर्फ अजमल कसाब को भारत में सजा मिली थी। कसाब एकमात्र जिंदा पकड़ा गया आतंकी था, जिसे 2012 में फांसी दी गई थी।

महिलाओं को छोड़ दें अकेला उन पर मत लगाओ रोक...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश में महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की। शीर्ष अदालत ने कहा कि महिलाओं के संबंध में लोगों की मानसिकता बदलनी होगी। कोर्ट ने कहा कि महिलाओं को अकेला छोड़ दें और उन्हें आगे बढ़ने दें। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने लड़कियों और महिलाओं के लिए देश को सुरक्षित और बेहतर स्थान बनाने का आह्वान किया। पीठ ने कहा कि हम बस यही अनुरोध करते हैं कि महिलाओं को अकेला छोड़ दिया जाए। हमें उनके इर्द-गिर्द हेलीकॉप्टर नहीं चाहिए, उन पर निगरानी नहीं रखनी चाहिए, उन पर रोक नहीं लगानी चाहिए। उन्हें बढ़ने दें, यही इस देश की महिलाएं चाहती हैं। पीठ ने कहा कि हमने वास्तविक जीवन में ऐसे मामले देखे हैं, जिनमें खुले में शौच के लिए जाने वाली महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न किया जाता है। गांव में स्वच्छ भारत अभियान के कारण कुछ विकास हुआ है, लेकिन अभी भी कई जगहों पर शौचालय और बाथरूम नहीं हैं। जिन महिलाओं को शौच के लिए जाना होता है, उन्हें शाम तक इंतजार करना पड़ता है। क्योंकि वे दिन में खुले में नहीं जा सकतीं। हमने ऐसे मामले देखे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- बदलनी होगी मानसिकता

मैं संजय हूं! पर महाभारत वाला नहीं, जिनके पास दिव्य दृष्टि थी

मुंबई। आरबीआई ने रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। पहले ये 6.25 फीसदी थी। आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। वहीं आपकी ईएमआई भी घटेगी। नए वित्त वर्ष में आरबीआई की पहली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग के फैसलों की जानकारी आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को सुबह दी। संजय मल्होत्रा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ से शुरू हुए ग्लोबल ट्रेड वॉर को लेकर चिंता जाहिर की। इस दौरान उन्होंने ट्रंप टैरिफ के भारत पर होने वाले प्रभावों और इसके चलते रेपो रेट में कटौती के सवाल पर कहा कि मैं संजय हूं, लेकिन महाभारत वाला नहीं हूं कि इतनी दूर की बात देख सकूं। मेरे पास उनके जैसी दिव्य दृष्टि नहीं है, लेकिन हम अपने देश में विकास और महंगाई को संयुक्त रूप से प्रबंधित करने का प्रयास करेंगे।

ट्रंप टैरिफ से जुड़े सवाल पर आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले

ब्रीफ न्यूज

सीएम यादव एवं केन्द्रीय मंत्री गडकरी आज देंगे सड़कों और फ्लाई ओवर की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी गुरुवार को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिये धार जिले के खेड़ा (बदनावर) में सड़कों और फ्लाई ओवर की सौगातें देंगे। गडकरी उज्जैन-बदनावर खंड पर नवनिर्मित 4 लेन सड़क का लोकार्पण करेंगे। साथ ही उज्जैन-गरोठ के खेड़ा खजुरिया से सुहागड़ी तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, उज्जैन-गरोठ के सुहागड़ी से बर्डिया अमरा तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, जीरापुर-सुसनेर-मध्यप्रदेश एवं राजस्थान बॉर्डर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क और बाकानेर घाट पर पेव्ड शोल्डर के साथ अतिरिक्त 3 लेन सड़क का भी लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में संदलपुर-नसरुल्लागंज खंड पर 4-लेन सड़क, चंदेरी-पिछोर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क, इंदौर-गुजरात खंड पर 7 फ्लाई ओवर एवं अंडरपास, शाजापुर, कनासिया एवं एमआईडीसी इंडस्ट्रीयल एरिया में 3 फ्लाई ओवर, अंडरपास तथा रसलपुर जंक्शन पर फ्लाई ओवर के कार्यों का शिलान्यास किया जायेगा।

केन्द्रीय मंत्री शाह 13 को करेंगे सहकारिता सम्मेलन में शिरकत

भोपाल। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह 13 अप्रैल को भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल होंगे। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री सहकारिता विभाग की समीक्षा भी करेंगे। सहकारिता मंत्री ने इस परिप्रेक्ष्य में सम्मेलन की रूपरेखा तय की। मंत्री ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर विभागीय नवाचार संबंधी प्रदर्शनी लगाई जाए। उन्होंने बैठक के लिए बोर्ड रूम सहित हॉल और अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा।

भगवान महावीर ने समाज को सत्य, अहिंसा का मार्ग दिखाया

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भगवान महावीर की जयंती के अवसर पर कहा कि भगवान महावीर ने समाज को सत्य, अहिंसा व त्याग का मार्ग दिखाया है इनके विचार और आदर्श आज भी हमें प्रेरित करते है उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने कहा था कि हमें दूसरे के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा हम अपने साथ चाहते हैं, उन्होंने समाज को जियो और जीने दो का मूलमंत्र दिया है। देवड़ा ने भगवान महावीर जयंती की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी।

अंत्योदय के विचार को लेकर गरीब का कल्याण कर रही भाजपा

कार्यकर्ताओं के परिश्रम से भाजपा बनी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को सक्रिय सदस्य सम्मेलन को संबोधित कर 'गांव-बस्ती चलो अभियान' के तहत पन्ना में लाभार्थियों से संपर्क कर चौपाल चर्चा की। शर्मा ने चंदला एवं पन्ना विधानसभा में सक्रिय सदस्य सम्मेलनों को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ के कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्हीं के परिश्रम से हमने सदस्यता अभियान में आशा से अधिक सदस्य बनाए। हमने हर बूथ पर 200 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन कार्यकर्ताओं ने अपने परिश्रम से 250-300 सदस्य बनाए। इन्हीं कार्यकर्ताओं के दम पर मध्यप्रदेश में हमारी प्रचंड बहुमत की सरकार बनी है। निस्वार्थ भाव से काम करने वाले इन्हीं कार्यकर्ताओं की मेहनत से आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। यही कार्यकर्ता भाजपा के ब्रांड एंबेसेडर हैं, पार्टी के चेहरे हैं। यही कार्यकर्ता जनता के बीच भाजपा की छवि बनाते हैं और जनहित की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं के कंधों पर है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की स्थापना 1980 में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हुई। देश की आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने संविधान में जम्मू-कश्मीर के लिए धारा 370 का प्रावधान कर दिया। नेहरू मंत्रिमंडल में उस समय उद्योग मंत्री रहे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि एक देश में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान नहीं चलेंगे। उन्होंने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया और 1951 में पं. दीनदयाल उपाध्याय के साथ जनसंघ की स्थापना की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के जमाने में देश भ्रष्टाचार के दलदल में डूबा था। कांग्रेस के ही एक प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि हम दिल्ली से एक रुपया भेजते हैं, लेकिन हितग्राही तक सिर्फ 15 पैसे पहुंचते हैं, 85 पैसे दलाल और बिचौलिए खा जाते हैं। इस भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए पीएम मोदी ने पद संभालते ही करीब 55 करोड़ जनधन खाते खोले। सारी योजनाओं का पैसा इन्हीं खातों में आता है। शर्मा ने भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से घर-घर जाकर संपर्क किया।

सक्रिय सदस्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा-

कुक्षी में बनेगा बाइपास बिछेगा सड़कों का जाल

- प्रदेश सरकार एक लाख सरकारी भर्तियों का चला रही अभियान
- उद्योगों की स्थापना से भी हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा
- कांग्रेस ने कभी भी माताओं-बहनों की भलाई की चिंता नहीं की
- स्व-सहायता समूह से बहनों के जीवन में नए सूर्य का हुआ उदय
- सभी पात्र लाड़ली बहनों को 1250 रुपए की राशि मिलती रहेगी
- स्व-सहायता समूहों से महिलाओं का हो रहा हैं आर्थिक सशक्तिकरण

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भाजपा के स्थापना दिवस के तहत धार जिले के कुक्षी विधानसभा के सक्रिय सदस्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश में करीब 50 वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने कभी भी माताओं-बहनों की भलाई की चिंता नहीं की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार लाड़ली बहनों का ध्यान रख रही और उनके आर्थिक सशक्तिकरण और उत्थान के लिए लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना जैसी कई योजनाएं चला रही है।

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने एक लाख पदों की भर्ती का अभियान चला रही है। प्रदेश सरकार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने 25 गाय से अधिक गाय पालने वाले दुग्ध उत्पादक गौपालकों को 25 प्रतिशत अनुदान देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कुक्षी में पश्चिमी बाइपास रोड बनाने के साथ पांच सड़कों की सौगात भी दी। सम्मेलन को केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने भी संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर का बड़ी माला से स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग-34 के उन्नयन से बेहतर होगी कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 के उन्नयन की स्वीकृति और अन्य विकास कार्यों की बहुमूल्य सौगात प्रदान करने पर केंद्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार माना। उन्होंने कहा है कि राज्य में विकास की गति को और अधिक बढ़ाने के लिए रोड और हाईवे का विशाल नेटवर्क आकार ले रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन से क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना मध्यप्रदेश की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के साथ समृद्धि के नए द्वार खोलेगी। सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-34 के शाहगढ़-बक्सवाहा-नरसिंहगढ़-दमोह से 63.50 किमी लंबाई के खंड को पेव्ड शोल्डर के साथ 2-लेन में अपग्रेड करने के लिए 531.84 करोड़ रुपए की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में वर्ष 1977 में सरदार सरोवर बांध की शुरुआत की थी। इस अधूरी परियोजना को पूरा करने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। कांग्रेस के 55 साल के शासनकाल में गेहूं का समर्थन मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल था। आज मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार 2600 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर किसानों से गेहूं खरीद रही है।

भारत में देवता से ज्यादा मां-देवियों की पूजा की जाती है। दुनिया में भारत की पहचान भारत माता के रूप में है। विपक्ष को कभी बहनों की याद नहीं आई, भाजपा सरकार मध्यप्रदेश की करीब सवा करोड़ लाड़ली बहनों के बैंक खाते में प्रति माह 1250 रुपये भेज रही है। कांगेस सरकारों ने कभी भी बहन-बेटियों के हित में योजनाएं नहीं बनाई। भाजपा सरकार ने बहनों को प्रापर्टी खरीदने पर दो प्रतिशत की छूट देने के साथ नगरीय निकाय व स्थानीय निकाय में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया है।

उद्योगों के जरिए हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा, क्षेत्र में सड़कों का बिछेगा जाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार एक लाख पदों पर भर्ती का अभियान चला रही है। इसके साथ ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) के तहत 30 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए हैं। यह निवेश प्रस्ताव अब धरातल पर उतरने जा रहे हैं। उद्योगों की स्थापना से भी हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश सरकार करीब चार लाख सरकारी कर्मचारियों को पदोन्नति का रास्ता निकाल लिया है। भाजपा सरकार लगातार गरीबों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कुक्षी पश्चिमी बाईपास रोड के साथ गुरूपद पंप से बाइपास चौराहे तक वॉकिंग रोड, कापसीपुरा पुल, देशवालिया से खंडवा रोड, लिंगवा से दो किलोमीटर सड़क और निंबोल से कांकड़ तक सड़क निर्माण की घोषणा की।

लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से किया सशक्त

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की बहनों को निकाय चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। साथ ही 2029 तक लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रयास भी किये जा रहे हैं। जमीन या मकान की रजिस्ट्री महिला के नाम पर करने पर पंजीयन शुल्क में छूट दी जा रही है। लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। महिला स्व-सहायता समूह की बहनों ने हर क्षेत्र में बेहतर कार्य कर अपना सामर्थ्य दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देशभर की महिलाएं सशक्त हो रही हैं। आज जनजातीय वर्ग की महिला देश की राष्ट्रपति हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हजारों सालों से देवियों की पूजा होती रही है। नवरात्रि में 9 दिन देवी की आराधना की जाती है। दुनिया में भारत ही एकमात्र देश है, जो राष्ट्र को माता मानता है। राज्य सरकार हर माह लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रुपए डालकर रक्षाबंधन मना रही है। सभी पात्र लाड़ली बहनों को 1250 रुपए की राशि मिलती रहेगी। अगर बहनों के हाथों में पैसे आएंगे तो परिवार में कुछ बचत होगी। सरकार बहन-बेटियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण महिलाओं की भूमिका को सराहा

मांडू में आजीविका मिशन के प्रशिक्षण का किया अवलोकन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मांडू प्रवास के दौरान दीनदयाल अंत्योदय योजना शहरी आजीविका मिशन के तहत स्थानीय महिलाओं को दिए जा रहे बाग प्रिंट प्रशिक्षण को देखा। उन्होंने कला के संरक्षण में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका को सराहा और प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाओं को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माण्डू के प्रसिद्ध चतुर्भुज श्रीराम मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीराम की प्रतिमा के भी दर्शन किए। उन्होंने मंदिर के महाराज एवं अन्य संतों से भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि इस मंदिर में दर्शन का अवसर मिला। यहां भगवान श्रीराम की अद्भुत, अद्वितीय और ऐतिहासिक मूर्ति है। भगवान श्रीराम चतुर्भुज रूप में है। इसमें श्रीराम के साथ विष्णु भगवान की झलक भी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश विरासत से विकास की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में पर्यटन केन्द्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मांडू पहुँचने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वागत किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, पूर्व मंत्री राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव, विधायक कालूसिंह ठाकुर, विधायक नीना वर्मा सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री को मांडू की पहचान प्रसिद्ध ऐतिहासिक खुरासानी इमली भेंट की गई।

नौ संकल्प नई ऊर्जा का बनेंगे स्त्रोत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम मोदी द्वारा दिए गए नौ संकल्पों से निश्चित ही नई ऊर्जा के स्त्रोत बनेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से नौ संकल्पों के पालन का आहवान किया है। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में नवकार महामंत्र दिवस पर समारोह का शुभारंभ करते हुए नवकार मंत्र के महत्व को रेखांकित किया और मंत्र को एकीकृत ऊर्जा का प्रवाह बताया। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र नई पीढ़ी के लिए ज्ञान और दिशा के स्त्रोत के रूप में कार्य कर सकता है। जल संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता का मिशन, वोकल फॉर लोकल, देश दर्शन, नैचुरल फार्मिंग को अपनाना, हेल्दी लाइफ स्टाइल को अपनाना, योग और खेल को जीवन में लाना और गरीबों की सहायता का संकल्प ये है नौ संकल्प।

'मुक्ति की उड़ान' का विमोचन

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने अपने राजनीतिक जीवन एवं विभागीय उपलब्धियों पर आधारित पत्रिका 'मुक्ति की उड़ान' का विमोचन किया।

360 मटेरियल रिकवरी फेसिलिटीज से सूखे कचरे का हो रहा प्र-संस्करण-

भोपाल। प्रदेश में नगरीय निकायों में कचरा संग्रहण, परिवहन एवं प्र-संस्करण सुविधाओं के विकास के लिए नगरीय निकायों को अनुदान दिया जा रहा है। इसके साथ ही केन्द्र सरकार ने प्रदेश के सभी शहरों को कचरा मुक्त बनाने के लिए 5 हजार 914 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। प्रदेश के 405 नगरीय निकायों में कम्पोस्टिंग इकाइयों के माध्यम से गीले कचरे का और 360 मटेरियल रिकवरी फेसिलिटीज के माध्यम से सूखे कचरे का प्र-संस्करण किया जा रहा है। इंदौर में गोबरधन बॉयो सीएनजी प्लांट इकाई के माध्यम से 500 टन प्रतिदिन क्षमता का अत्याधुनिक प्लांट संचालित किया जा रहा है। इंदौर के प्लांट से वेस्ट-टू-वेल्थ तथा सर्कुलर इकॉनामी की परिकल्पना साकार हुई है। इंदौर के प्लांट से सीएनजी के अलावा प्रतिदिन 100 टन उच्च गुणवत्ता की खाद भी तैयार की जा रही है। इसका उपयोग इंदौर शहर के आस-पास स्थानीय खेतों में किया जा रहा है।

भारत के महानिर्माण में प्रत्येक नागरिक, संस्था और संगठन की भूमिका अहम

एमईएस बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की मीट-2025 में हुए शामिल उपमुख्यमंत्री शुक्ल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बुधवार को भारत शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र के रूप में वैश्विक क्षितिज पर उभर रहा है। यह भारत का महानिर्माण काल है, जिसमें प्रत्येक नागरिक, संस्था और संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शुक्ल सफल रिट्रीट भोपाल में एमईएस बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ऑल इंडिया काउंसिल मीट-2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने एसोसिएशन के सभी प्रतिनिधियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं एवं श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों प्रतिनिधियों को सम्मानित किया

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत को आशा और संभावनाओं की दृष्टि से देख रही है। भारत वह राष्ट्र है जो विश्व में शांति स्थापित करने की सामर्थ्य रखता है। आज का भारत अपने निर्णय अंतर्राष्ट्रीय दबाव में नहीं, बल्कि वैश्विक हित में लेता है। हमारी सेनाएं पूरी मजबूती के साथ खड़ी हैं। अब वह समय नहीं जब हम ज़मीन पर विजय के बाद टेबल पर हार जायें, अब हम दुश्मन को घर में घुसकर जवाब देते हैं। शुक्ल ने कहा कि भारतीय सेना के साथ जुड़कर कार्य करना गौरव और राष्ट्रसेवा का अवसर है। एमईएस बिल्डर्स एसोसिएशन के सदस्य सैन्य आवश्यकताओं की पूर्ति में उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। सैन्य क्षेत्र में उत्पादों की गुणवत्ता, अनुशासन और प्रतिबद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और एसोसिएशन इन सभी मानकों पर खरा उतर रहा है। एमईएस बिल्डर्स एसोसिएशन के सदस्य भारतीय सेना के साथ कदम से कदम मिलाकर भारत माता की सेवा कर रहे हैं, यह अत्यंत गर्व की बात है।

बयानबाजी — एक लाख से अधिक कर्मचारी बिना पदोन्नति के रिटायर हो गए

पदोन्नति को अपनी उपलब्धि बताकर वाहवाही लूट रही सरकार: पटवारी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के लिए आठ साल बाद पदोन्नति का रास्ता साफ होने की खबर को भाजपा अपनी उपलब्धि बताकर वाहवाही लूटने की कोशिश में जुटी है, लेकिन यह न तो कोई उपलब्धि है और न ही सरकार की संवेदनशीलता का परिचायक, बल्कि यह उसकी कर्मचारी विरोधी नीतियों और लंबे समय तक चली आ रही उपेक्षा का नतीजा है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि यह सरकार कर्मचारियों के हक को कुचलने की दोषी है और अब सस्ती लोकप्रियता के लिए नाटक कर रही है।

पटवारी ने कहा कि 2016 से 2025 तक का समय मध्यप्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के लिए एक काला अध्याय रहा है। इस दौरान एक लाख से अधिक कर्मचारी बिना पदोन्नति के रिटायर हो गए। उनकी मेहनत, उनका समर्पण और उनके परिवारों की उम्मीदों को भाजपा सरकार ने कुचल दिया। इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव की है। छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा में भी अपने कर्मचारियों की पदोन्नति जारी रखी, लेकिन मध्यप्रदेश में भाजपा ने जानबूझकर कर्मचारियों को उनके अधिकारों से वंचित किया।

पटवारी ने कहा कि 2018 में जब कांग्रेस की सरकार बनी, तो तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कर्मचारियों की इस पीड़ा को समझा और पदोन्नति के लिए तुरंत कदम उठाया लेकिन भाजपा ने अपनी सत्ता की भूख में इस उम्मीद को कुचल दिया। विधायकों की खरीद-फरोख्त कर कांग्रेस की जनता द्वारा चुनी गई सरकार को गिरा दिया गया। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान

कोर्ट की अवमानना और तानाशाही रवैया

पटवारी ने भाजपा सरकार की तानाशाही पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने तीन बार कर्मचारियों की पदोन्नति के पक्ष में फैसला सुनाया, लेकिन भाजपा सरकार ने हर बार इन आदेशों को नजरअंदाज किया। यह न्यायपालिका की खुली अवमानना थी। कोर्ट ने सिर्फ आरक्षण पर रोक लगाई थी, न कि पूरी पदोन्नति प्रक्रिया पर। कर्मचारी संगठनों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किए, अपनी आवाज उठाई, लेकिन उन्हें सिर्फ झूठे वादे और आश्वासनों का लॉलीपॉप थमाया गया। यह सरकार का तानाशाही रवैया नहीं तो और क्या है?

कर्मचारियों के साथ अन्याय

पटवारी ने सरकार के मौजूदा रवैये को ढोंग करार देते हुए कहा कि अब जब सरकार को लग रहा है कि उसकी छवि दांव पर है और जनता का गुस्सा बढ़ रहा है, तो अचानक कर्मचारियों की याद आई है। यह कोई संवेदनशीलता नहीं, बल्कि सियासी नाटक है। जो कर्मचारी पिछले आठ साल में बिना पदोन्नति के रिटायर हुए, जो इस इंतजार में दुनिया छोड़ गए, उनके परिवारों का दर्द कौन समझेगा? अब चार लाख कर्मचारियों को लाभ देने की बात कहकर यह दिखावा किया जा रहा है कि सरकार उनके साथ है, लेकिन सच यह है कि यह उस गलती को सुधारने की मजबूरी है, जो पहले नहीं करनी चाहिए थी।

हैप्पी सीडर नरवाई प्रबंधन की हाई टेक विधि : कृषि मंत्री

सत्ता सुधार ■ भोपाल

किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि नरवाई जलाने से खेतों की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचता है। नरवाई जलाने के नुकसान को रोकने के लिए कृषि विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हैप्पी सीडर द्वारा फसल काटकर सीधे बोनी की जाती है। नरवाई से मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होता है। नरवाई मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ जोड़ती है, जिससे मिट्टी की संरचना, जल धारण क्षमता और उर्वरा शक्ति बढ़ती है। इसके साथ ही नरवाई मिट्टी की सतह को ढंककर रखती है, जिससे वाष्पीकरण कम होता है और मिट्टी में नमी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि नरवाई खरपतवारों के अंकुरण और विकास को दबाने में भी मदद करती है। यह मिट्टी को बहने और कटने से बचाती है और धीरे-धीरे विघटित होकर मिट्टी में पोषक तत्वों को वापस लाती है। नरवाई मल्च के रूप में कार्य करती है, जो शून्य जुताई जैसी टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए अनुकूल वातावरण बनाती है।

ब्रीफ न्यूज

ध्वनि नियंत्रण की मर्यादा टूटी तो झाँसी पुलिस ने बजा दी कार्यवाही की नगड़ियाँ, धार्मिक स्थलों से उतारे गए माइक

झांसी। ध्वनि नियंत्रण की मर्यादा टूटी तो झाँसी पुलिस ने बजा दी कार्यवाही की नगड़ियाँ, धार्मिक स्थलों से उतारे गए माइक, और बाकी से कहा गया कि अब भक्ति होगी, पर मर्यादा में। आपको बता दे शासन के निर्देशों के अनुपालन में झाँसी पुलिस ने ध्वनि नियंत्रण को लेकर बड़ा कदम उठाया। धार्मिक स्थलों से माइक हटवाए गए और अन्य स्थलों को मानक स्तर पर ध्वनि बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने यह भी कहा की कानून से ऊपर कोई नहीं, आस्था का सम्मान तभी तक हैं जब तक नियमों की मर्यादा न टूटे। शहर में यह कार्रवाई संयम और सख़्ती दोनों के साथ हुई। प्रशासन की इस पहल को 'साइलेंट ऑपरेशन' का नाम दिया जा रहा है, जो अब प्रदेश के लिए मिसाल बन सकता है।

विधायी समाधिकार समिति का उद्देश्य संवैधानिक नियमों का अनुपालन कराना: मा. सभापति

झांसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विधायी समाधिकार समिति÷ के मा0 सभापति डॉ0 मानसिंह यादव के सभापतित्व में समीक्षा बैठक कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। जनपद आगमन पर ÷विधायी समाधिकार समिति÷ के मा0 सभापति डॉ0 मानसिंह यादव का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सम्मान किया गया। बैठक में सर्वप्रथम जिलाधिकारी झांसी द्वारा मा0 सभापति, विधायी समाधिकार समिति, उत्तर प्रदेश विधान परिषद डॉ0 मानसिंह यादव एवं मा0 सदस्य, विधान परिषद झांसी श्रीमती रमा निरंजन का स्वागत किया गया, साथ ही माननीय अतिथिगणों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायी समाधिकार समिति के उप सचिव श्री संजय कुमार अग्रहरि सहित समीक्षा अधिकारी श्री विवेक सिंह, प्रतिवेदक श्री अभय सिंह एवं अपर निजी सचिव श्री अंकुर रावत भी मौजूद रहे। मा0 सभापति डॉ0 मानसिंह यादव ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि विधायी समाधिकार समिति का उद्देश्य संवैधानिक नियमों का अनुपालन कराना हैं।

कानपुर राजमार्ग पर रोड रोलर से टकराई बस, होमगार्ड सहित आधा दर्जन गंभीर घायल

सत्ता सुधार ■ झांसी

कानपुर राजमार्ग बरल बाई पास पर आज तड़के सड़क पर खड़े रोड रोलर से प्राइवेट स्लीपर बस टकरा गई। जिससे बस आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। साथ ही साथ ही ड्यूटी जा रहे बस में सवार होमगार्ड सहित आधा दर्जन सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची टोल प्लाजा की एंबुलेंस से पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज ओर पास में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां सभी का इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक बुधवार की सुबह कानपुर से झांसी आ रही प्राइवेट सवारियों से भरी बस जैसे ही मोठ क्षेत्र क्रॉस करते हुए सेमरी टोल प्लाजा से चिरगांव की ओर निकली तभी चिरगांव के पास सड़क पर खड़े एक रोड रोलर से बस टकरा गई। बस के टकराते हुए बस आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार आधा दर्जन सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलों में चिरगांव के कारगुवा निवासी एक होमगार्ड जवान भी बताया जा रहा है। जिसके पैर में गंभीर चोट आई है। चिरगांव थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि इस घटना में बस में सवार होमगार्ड सहित तीन लोग ज्यादा गंभीर बताए जा रहे है। सभी का इलाज कराया जा रहा है। वही घायलों के नमा होमगार्ड जवान चिरगांव के कारगुवा निवासी अलख प्रकाश राजपूत, मध्यप्रदेश के जिला शिवपुरी पिछोर निवासी किशन लोधी, रामकुमार लोधी बताया गया है। चिरगांव थाना प्रभारी निरीक्षक ने सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाए और सवारियों को जलपान की व्यवस्था करवाई इसी में सुल्तानपुरा पूर्व ग्राम प्रधान रामजी राजपूत भी वहां पर पहुंचे और लोगों को सहायता एस सी शराफत बेग ने पानी की व्यवस्था सभी सवारियों को राहत पहुंचाई गई।

फोन नेटवर्क ना आने से ग्रामीण परेशान, ऑन लाइन सेवा से हो रहे वंचित

नेटवर्क की समस्या के कारण ग्रामीणों के टेक्निकल काम रुके...

सत्ता सुधार ■ चिरगांव/झाँसी

ग्राम चेलरा में फोन के नेटवर्क नहीं आते हैं जिसके कारण लगभग 3 हज़ार की आबादी वाला क्षेत्र ग्राम चेलरा मैं ग्रामीण परेशान हो रहे हैं और उनको टेक्निकल जो भी काम होते हैं वह रुक जाते हैं नेटवर्क की समस्या लगभग 1 साल से चल रही है विगत दिनों जियो नेटवर्क के टावर में आग लग जाने के कारण टावर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था और जब से लेकर आज तक गांव में जियो नेटवर्क की समस्या बनी हुई है अगर कोई व्यक्ति अपने फोन से ऑनलाइन काम करना चाहे तो वह नहीं कर सकता नेटवर्क कभी-कभी एक ही कुत्ता नहीं आते या फिर एक दिन में सिर्फ दो ही बार आते हैं इसके कारण कई सारी समस्याएं चित्र में उत्पन्न हो रही है वही ग्राम प्रधान से जब इस समस्या के बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि यह 3 हज़ार की आबादी वाला क्षेत्र है यहां पर कुछ दिनों पहले जियो नेटवर्क के टावर में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई थी ग्रामीणों की शिकायत करने पर कंपनी के तरफ से टावर को ठीक करने के लिए कर्मचारी भी कई बार आगे जा चुके हैं लेकिन समस्या जिसकी जस की तस बनी हुई है जिसके कारण आज तक यहां पर नेटवर्क नहीं आता सरकारी नौकरी वाले लोग जिनकी हाजिरी ऑनलाइन लगती है वह भी अपनी हाजिरी ऑनलाइन नहीं लगवा पाते इसके कारण उन्हें समय से वेतन भी प्राप्त नहीं हो पा रहा चेलरा गांव में बने आयुष्मान आरोग्य केंद्र पर पहुंचे तो केंद्र पर तैनात सी एच ओ निखत जहां ने भी अपनी यही समस्या बताई और कहा कि यहां पर नेटवर्क की वजह से काफी सारी समस्या आ रही है ऑनलाइन हाजरी भी नहीं लग पाती जिसके कारण वेतन भी समय से नहीं मिल पाता सी एच ओ निखत जहां ने कई बार टावर की कंपनियों में समस्या को दूर करने के लिए शिकायत भी की है कंपनी के द्वारा कर्मचारी कई बार जियो नेटवर्क टावर को ठीक भी करके चले गए लेकिन तब भी टावर की समस्या का समाधान नहीं हो सका।

बुन्देलखण्ड के पत्रकारिता जगत के भीष्म पितामह पं.श्रवण कुमार द्विवेदी नहीं रहे

पत्रकारों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

सत्ता सुधार ■ गुरसरांय/झांसी

बुन्देलखण्ड और उत्तर प्रदेश में पत्रकारिता के क्षेत्र से लेकर साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में महा योगदान देने वाले और उत्तर प्रदेश ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित श्रवण कुमार द्विवेदी 8 अप्रैल मंगलवार को देहावशंन होने पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की एक बैठक वरिष्ठ पत्रकार कुंवर रामकुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुंवर रामकुमार सिंह ने कहा वह हम सब के मार्गदर्शक के साथ साथ बुन्देलखण्ड जैसे पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा की ज्योति जलाने वाले और 24 घंटे दबे कुचले लोगों की सेवा व लेखनी के माध्यम से उनकी आवाज उठाकर न्याय दिलाने की दिशा में लोकतंत्र के चौथे मजबूत स्तम्भ थे उनके निधन से पत्रकारिता जगत से लेकर साहित्य के क्षेत्र में जो कमी आई हैं वह अपूर्णीय हैं इसको लेकर कस्बा का क्षेत्र के पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा को शांति व शोक संतृप्त परिवार को धैर्य व शक्ति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की गई। वही दूसरी ओर गरौठा के वरिष्ठ पत्रकार अनिल शर्मा की माताजी रामकुमारी का 76 वर्ष की उम्र में निधन होने पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर फूल सिंह परिहार, अशोक सेन, अखिलेश तिवारी, संदीप श्रीवास्तव, सोम मिश्रा, आयुष त्रिपाठी, हरिशचन्द्र नायक, आशुतोष गोस्वामी, कौशल किशोर, सुनील चौहान, सुनील जैन डीकु, कुलदीप यादव, शौकीन खान, संजू परिहार, सार्थक नायक, आदि लोग मौजूद रहे।

नीमा के 59 स्थापना दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रम की श्रृंखला में द्वितीय दिवस चिकित्सा संगोष्ठी का आयोजन

सत्ता सुधार ■ झांसी

59 वा नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा)झांसी का स्थापना दिवस के द्वितीय दिवस में चिकित्सा संगोष्ठी का आयोजन डॉ विजय मंगलम तिवारी जी के अध्यक्षता में आज के स्पीकर- डॉ सतीश अग्रवाल(डीएम -ऑर्थो- झांसी) द्वारा ओस्टियोआर्थराइटिस(गठिया) एवं जोड़ों का प्रत्यारोपण किस स्थिति में और कब करना चाहिए उसके बारे में संक्षिप्त और बहुत ही सरल शब्दों में व्याख्यान दिया जिस चिकित्सा संगोष्ठी में नीमा झांसी के निम्न चिकित्सक डॉ प्रतिभा भार्गव डॉ जिनेंद्र जैन डॉ कुबेरनाथ मिश्रा डॉ महेंद्र शर्मा डॉ एस डी पाठक डॉ हरिमोहन मित्तल डॉ एन के जैन डॉ राजेंद्र सिंघल डॉ आनंद खरे डॉ राम यश सचान डॉ सुंदरलाल वर्मा डॉ बी के मोदी डॉ अनिल सोनी डॉ जगदीश कोटिया डॉ के एम अग्रवाल डॉ दीपक सिंह डॉ सतीश कोटिया डॉ अनिल नीखरा डॉ देवेंद्र कुशवाहा डॉ अतुल खरे डॉ धर्मेंद्र डॉ आरती श्रीवास्तव डॉ संध्या कुशवाहा डॉ चंद्रिका डॉ नेहा दुबे डॉ के पी सिंह डॉ दिलीप नगरिया डॉ शैलेंद्र बाषणैय डॉ नकुल गुप्ता डॉ राजेंद्र अहिरवार डॉ खलक सिंह राजपूत डॉ अमित बरसिया डॉ मुकेश गुप्ता डॉ रविंद्र तिवारी डॉ अमर देव डॉ वीरेंद्र यादव डॉ अभिषेक जैन डॉ सचिन जैन डॉ राजेश सोनी डॉ एम एल पटेल डॉ राजेश चौरसिया डॉ मनोज सोनी डॉ सौरभ तिवारी डॉ गौरव बाजपेई डॉ सुल्तान डॉ रजत गुप्ता डॉ नरेंद्र शाक्य डॉ एस के गुप्ता डॉ रोहित साहू डॉ प्रशांत दुबे डॉ मोहित तिवारी डॉ देवेश सोनी डॉ संतोष वोहिया डॉ धीरेंद्र राय डॉ देवेंद्र देलवार डॉ मंगल रैकवार डॉ दीपेंद्र सिंह चौहान डॉ नितीश अग्रवाल डॉ राहुल कुमार डॉ कपिल शर्मा डॉ सौरभ द्विवेदी डॉ आकाशदीप साहू डॉ अभिजीत बिरथरे डॉ राहुल सविता आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन डॉ देवेश रावत ने किया तथा कार्यक्रम का आभार संयुक्त रूप से डॉ शशांक कोटिया एवं अरुण झा ने किया।

झाँसी मण्डल द्वारा नगर क्षेत्र के जूनियर हाइस्कूल कोंछभांवर का औचक निरीक्षण किया गया

झांसी। सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) झाँसी मण्डल, झाँसी प्रेम प्रकाश मौर्य द्वारा नगर क्षेत्र के जूनियर हाइस्कूल कोंछभांवर का औचक निरीक्षण किया गया। विद्यालय में प्रधानाध्यापिका मालती देवी उपस्थित पायी गयी एवं पंजीकृत 45 बच्चों के सापेक्ष 24 बच्चे उपस्थित पाये गए। इसी प्रकार ब्लॉक–बड़ागाँव के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया जिसमे कन्या प्राथमिक विद्यालय, बड़ागाँव में प्रधानाध्यापिका प्रेमा साहू एवं समस्त शिक्षिकाये उपस्थित पायी गयी। पंजीकृत 109 बच्चों के सापेक्ष 67 बच्चे उपस्थित पाये गए। इसके पश्चयात प्राथमिक विद्यालय बड़ागाँव में प्रधानाध्यापिका हेमलता सिंह एवं समस्त शिक्षिकाये उपस्थित पायी गयी। पंजीकृत 81 बच्चों के सापेक्ष 68 बच्चे उपस्थित पाये गए। कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ागाँव में निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापिका किरण मिश्रा एवं समस्त शिक्षिकाये उपस्थित पायी गयी। पंजीकृत 101 बच्चों के सापेक्ष 65 बच्चे उपस्थित पाये गए। विद्यालय में स्मार्ट क्लास की छत जर्जर पाई गई तथा छत में सीलन पाई गई। जिसके सम्बन्ध में खंड शिक्षा अधिकारी बड़ागाँव उपेन्द्र कुमार को दूरभाष के माध्यम से यथास्थिति से अवगत कराते हुये भौतिक निरीक्षण एवं आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गए।

गुरसरांय माता मंदिर तालाब का विस्तारीकरण और सुंदरीकरण का आखिर क्यों रोका जा रहा है काम

सत्ता सुधार ■ गुरसरांय/झांसी

ऐतिहासिक तालाब माता मन्दिर गुरसरांय के विस्तारीकरण से लेकर सुंदरीकरण का काम आखिर सालों से कच्छप गति से कभी चलता तो कभी पूरी तरह से बंद हो जाता और लगातार दो बार तालाब के सुंदरीकरण और गहरीकरण के नाम पर शिलान्यास हो जाना कहीं ना कहीं यह योजना धरातल पर तारीख पर तारीख देकर टलती नजर आ रही है और इस काम की समय सीमा निकल जाने के बाद भी यह काम पूरा नहीं हो सका जिसके चलते गुरसरांय नगर की जनता के सामने गुरसरांय में जल संकट बढ़ जाने का भय बढ़ रहा है इस काम में लगभग 3 करोड़ रूपया उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आवंटन कर दिया गया है। इस संबंध में एक करोड़ 14 लाख रुपया की लागत से खुदाई तालाब की और तालाब के बांध पर जाली एम0एस0 500 मीटर और पांच ब्रंच सीमेंटेड के अलावा एक बड़ा गेट, दो छोटे गेट निर्माण होने थे यह काम कई महीनों पहले पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन क्यों नहीं किया गया और काम की समय सीमा क्यों निकल गई के बारे में जिम्मेदार विभाग से लेकर जिला प्रशासन व शासन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। उधर आज 8 अप्रैल को इस काम को कर रहे ठेकेदार और उनके साइड इंजीनियर रोहित कुमार मिश्रा ने बताया की आज मुझे इस काम को करने से कुछ प्रभावशाली लोगों ने रोका है यहां तक की मुझे पुलिस ने भी थाने में कई घंटों जबरन बैठाकर काम रोकने की धमकी दी गई है।

बुराईयों से जीवन में कभी समझौता नहीं करना चाहिए: राधामोहनदास

झांसी। नोटक्षीर बनगुवां बरूआसागर स्थित गिरवरधारी जू महाराज के 25 वें पावन प्राकट्य महा महोत्सव एवं श्री हनुमंत महायज्ञ के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के पंचम दिवस का प्रसंग सुनाते हुए कथा व्यास बुंदेलखण्ड धर्माचार्य राधामोहन दास महाराज ने कहा कि सिर्फ बुराईयों के रहते ही मनुष्य राक्षस नहीं बनता बल्कि अच्छाईयों के साथ साथ हर जगह सफलता का अहंकार भी मानव को दानव बना देता है। हिरण्यकश्यप एवं नृरसिंह अवतार का प्रसंग सुनाते उन्होंने कहा कि बुराईयों से जीवन में कभी समझौता नहीं करना चाहिए क्योंकि बुराईयां हमें पतन की ओर ले जाती हैं।यही कारण है कि सतोगुणी लोग ऊपर उठाते हैं और तमोगुणी व्यक्ति रसातल की ओर चला जाता है। वे कहते हैं कि जिसकी दृष्टि ठीक है उसकी सृष्टि भी सुंदर होती है। इससे पूर्व उन्होंने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का विस्तार से वर्णन करते हुए पूतना के उद्धार का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि पूतना भले ही भगवान को मारना चाहती थी पर उसने प्रभु को दूध पिलाया इसलिए प्रभु ने पूतना को मां की गति प्रदान कर अपने धाम भेजा दिया। प्रातःकालीन बेला में यज्ञाचार्य रामलखन उपाध्याय एवं पं.अनिल तिवारी ने विधि विधान से वेदिका पूजन कराया तदुपरांत यजमानों ने यज्ञ में आहुतियां दी। प्रारंभ में पारीछित श्रीमती विभा मृदुल तिवारी, ममता अजय अग्रवाल, दीर्घा विजय चौधरी, फूलवती बृजमोहन साहू, रज़नी मारुति दीक्षित एवं गिरवरधारी जू मंदिर के पुजारी मदनमोहन दास एवं राधाबल्लभ महाराज श्रीधाम वृंदावन ने महाराजश्री का माल्यार्पण कर श्रीमद भागवत पुराण की आरती उतारी।अंत में व्यवस्थापक परमानंद दास ने सभी का आभार व्यक्त किया।रात्रि में श्रीधाम वृंदावन धाम से पधारे श्रीहितआदर्श कृष्णकला भक्तमाल भक्तमाल चरित्र रामलीला मंडल के कलाकारों ने स्वामी देवेंद्र वशिष्ठ के निर्देशन में बालिवध, सीताहरण एवं लंकादहन की लीला का मनमोहक मंचन किया।

रनयारा में बच्चों को किये निशुल्क स्कूली बैग वितरित - बैग पाकर खिले बच्चों के चेहरे

सत्ता सुधार ■ टहरौली

झाँसी तहसील क्षेत्र ग्राम रनयारा झला में नीति कृष्णा फाउंडेशन के संचालक पीतांबरा पटेल द्वारा पत्नी नीति एवं बेटे कृष्णा के बलिदान का 11 वां स्मृति दिवस बच्चों को निशुल्क स्कूली स्कूल बैग व मिठाई वितरण कर मनाया गया। इस मौके पर फाउंडेशन संचालक पीतांबर पटेल ने शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि परिवार, गांव एवं देश का सर्वांगीण विकास करने के लिए शिक्षा का होना बहुत जरूरी है इसके बिना व्यक्ति का निर्माण अधूरा है इसलिए हम सभी बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना जरूरी है, उन्होंने कंपोजिट विद्यालय रनयारा के 70 तथा प्राथमिक विद्यालय झला के 30 छात्र छात्राओं को बैग वितरण कर परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने की बात कही। इस दौरान बार संघ अध्यक्ष अशोक पटेल, प्रधानाध्यापक रघुराज सिंह घोष, कैलाश सोनी, कैलाश गुप्ता, शशि महाराज, राकेश समाधिया, राजू पटैरिया, ठेकेदार बुद्धसिंह पटेल, प्रधान गाता अवध बिहारी, बबलू पटेल सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

शानवी इवेंट्स मिस्टर, मिस एंड मिसेज राइजिंग स्टार प्रतियोगिता का करेगी आयोजन

स्थित इबीजा दा लग्जरी नाइट क्लब में 4 मई को आयोजित किया जायेगा

सत्ता सुधार ■ झांसी

शानवी इवेंट्स के तत्वाधान में मिस्टर, मिस एंड मिसेज राइजिंग स्टार का बुंदेलखंड प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन प्रमोद पैट्रोल पंप के पास स्थित इबीजा दा लग्जरी नाइट क्लब में 4 मई को आयोजित किया जायेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए कार्यक्रम आयोजक राधाष राजपूत एवं शिवम वर्मा ने बताया इस प्रतियोगिता में मॉडलिंग, सिंगिंग, डांसिंग और रैपिंग में चयनित हुए प्रतियोगियों का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के पूर्व वाइल्ड कार्ड एंट्री वाले प्रतियोगियों को भी सम्मिलित किया जाएगा जिसके लिए चार अलग-अलग स्थानों ललितपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, उरई में ऑडिशन किये जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में सेलिब्रिटी के रूप में साक्षी श्रीवास सम्मिलित रहेंगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 संदीप ने कहा शानवी इवेंट्स युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में अवसर प्रदान करने का कार्य कर रहा है। कई बार युवा सही मंच न मिल पाने के कारण अपनी योग्यता का प्रदर्शन नहीं कर पाते, हमारा संगठन कई इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों के साथ मिलकर युवाओं को मंच प्रदान कर रहा है। 4 मई को यह कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है पूर्व में सेमीफाइनल में जीते युवक व युवतियां ग्रैंड फिनाले में भाग लेने जा रहे हैं। यही युवा आगे चलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे हमारे संगठन का उद्देश्य है कि हम ज्यादा से ज्यादा युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार तरासने का कार्य करें। इस अवसर पर शिवानी द्विवेदी, नैंसी सोनी, प्रिंसी राजपूत, राधा राजपूत, मनु सिंह, अर्पिता कनौजिया, आकाश सेन, शुभम वर्मा के साथ संघर्ष सेवा समिति से संदीप नामदेव, अरुण पांचाल, आशीष विश्वकर्मा, बसंत गुप्ता, राकेश अहिरवार, राजू सेन, सुशांत गेड़ा, दीक्षा साहू, नैंसी नामदेव, भावना रजक आदि उपस्थित रहे।

आयोजन अत:विश्वविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पढ़ाई के साथ प्रतियोगिताओं में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लें विद्यार्थी : कुलपति

सत्ता सुधार ■ झांसी

संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती से पूर्व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में अत:विश्वविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों के साथ संबद्ध महाविद्यालयों से चयनित छात्रों ने भी प्रतिभाग किया। इससे पूर्व यह प्रतियोगिता महाविद्यालय स्तर पर आयोजित की गई थी।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडे ने कहा की विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी रुचि के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी हिस्सा लेना चाहिए। इससे विद्यार्थियों का सार्वभौमिक विकास होता है। विश्वविद्यालय की ही कई विद्यार्थी अपनी कला के दम पर राजभवन तक की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वह अपने सहपाठियों को भी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

कुलपति ने बाबासाहेब के व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों से कहा कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान निर्माण करते हुए छात्रहितों का विशेष ध्यान रखा। संविधान लिखते समय हर वर्ग का ध्यान रखा। आप सभी को उनकी राह पर चलकर सामाजिक समरसता का माहौल बनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन और अतिथियों का स्वागत हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुन्ना तिवारी द्वारा किया गया। अतिथियों के प्रति आभार डॉक्टर श्रीहरि त्रिपाठी ने ज्ञापित किया।

इस अवसर पर डॉ. विपिन प्रसाद, डॉ. सुधा दीक्षित, डॉ. शैलेन्द्र तिवारी, डॉ. पुनीत श्रीवास्तव, डॉ. द्युति मालिनी, डॉ. राघवेंद्र द्विवेदी, डॉ. रामनरेश दुहेलिया, डॉ. रेनू शर्मा, आशुतोष शर्मा, ऋचा सेंगर, गरिमा, आकांक्षा आदि उपस्थित रहे।

बाबा साहब के सपनों को साकार करें : प्रो.द्विवेदी

मुख्य अतिथि भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन रचना, सृजन और संघर्ष का अप्रतिम उदाहरण है। शिक्षा से सामाजिक विकास और न्याय का सपना उन्होंने देखा था। हमारी जिम्मेदारी है कि हम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए जुट जाएं।

ब्रीफ न्यूज

पुत्र व बहू से मारपीट करने का आरोप

ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम मसौराकलां में रहने वाले तिजुलाल पुत्र मनराखन ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि मंगलवार को अपराह्न करीब 2 बजे उसके पुत्र निर्भान एवं बहू सुनीता अपने घर पर थे। तभी पड़ौस में रहने वाले गुलाब, जगदीश व लखन पुत्रगण खस्सू ने एकराय होकर उनके पुत्र व बहू को गालियां दीं। विरोध करने पर दोनों के साथ उक्त लोगों ने मारपीट कर दी। इस हमले में उसके पुत्र को सिर में व बहू को अंधरूनी चोटें आयीं हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

चार अज्ञात लोगों पर मकान की तोडफ़ोड़ कर पेड़ काटने का आरोप

ललितपुर। शहर के वार्ड संख्या 17 अंतर्गत मोहल्ला सिविल लाइन स्टेशन रोड निवासी शिवशंकर पुत्र कल्लू ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि उसकी आराजी संख्या 1740 पर मकान नम्बर 798 स्थित है। बताया कि भूमितल व प्रथम तल के इस मकान में वह परिवार समेत निवासरत है। बताया कि 4 अप्रैल को अपराह्न करीब 1.30 बजे चार अज्ञात लोगों ने बिना कारण उनके मकान की तोड़फ़ोड़ करने लगे और बाउण्ड्री भी तोड़ दी। बताया कि पेड़ काटते हुये बिजली की फिटिंग तोड़ दी। इस पूरे घटनाक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग उसके पास उपलब्ध है। बताया कि जब उक्त लोगों ने उसने तोड़फ़ोड़ करने से मना किया तो उक्त लोगों द्वारा धमकाते हुये शिकायत करने पर परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी गयी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएन की धारा 324 (2) व 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

दम्पत्ति से मारपीट करने का आरोप

ललितपुर। थाना नाराहट अंतर्गत ग्राम डोंगराखुर्द निवासी मीना पत्नी जोधन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि विगत दिवस उसका भतीजा गांव आया हुआ था। जिस पर गांव का छोटू पुत्र सुकलाल ने रात करीब 09 बजे उसे अपने घर ले गया। आरोप है कि घर ले जाकर छोटू ने उसके साथ गालियां देते हुये दशरथ, राकेश पुत्रगण सुकलाल, सुकलाल पुत्र कुदू के साथ एकराय होकर उसके व उसके पति के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गये। आरोप है कि उक्त लोगों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (3) व 333 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

जानवरों को फसल खाने से रोकने पर मारपीट

ललितपुर। थाना सौजना के ग्राम चढ़रा निवासी मुन्नीबाई पत्नी बन्दू यादव ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 7 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे गांव के दीनदयाल पुत्र चैनू यादव के जानवर उसके खेत में गेंहू की फसल खा रहे थे। इसका विरोध करने पर दीनदयाल ने अपने भाई संतोष व पत्नी विंध्या के साथ मिलकर उसके साथ गालियां देते हुये मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गये। पीड़िता की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (2) व 118 (1) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान का हुआ आयोजन

फिजियोथेरेपिस्ट डा.सौरभ देवलिया ने बताये उपाय

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज में कार्यरत फिजियोथैरेपिस्ट डा.सौरभ देवलिया द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के सभी प्रमुख उच्चाधिकारी, विभागीय प्रतिनिधि, महिला व पुरुष कर्मचारी एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम शासन की जन कल्याणकारी मंशा के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य था–लोगों को गर्दन व कमर दर्द जैसी आम होती समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक जानकारी देना तथा स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना। अपने व्याख्यान में डा.देवलिया ने बताया कि वर्तमान समय में लगभग 40 प्रतिशत लोगों को गर्दन व कमर की तकलीफ हो रही है, जिसका प्रमुख कारण लगातार झुककर काम करना, मोबाइल का अत्यधिक उपयोग, जमीन से अधिक वजन उठाना, लंबे समय तक एक ही पोजीशन में बैठे रहना, अधिक मुलायम गद्दे का प्रयोग, मानसिक तनाव, नींद की कमी, गलत पोस्चर, तथा खराब पाचन क्रिया। उन्होंने इससे बचाव हेतु पोस्चर कलेक्शन एक्सरसाइज' पर विशेष बल दिया, जिनमें शोल्डर एलिवेशन, शोल्डर रिट्रैक्शन जैसी व्यायाम शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पीठ या गर्दन में दर्द होने पर अचानक झुककर कोई कार्य न करें, भारी वजन न उठाएं, मोबाइल का सीमित प्रयोग करें, और यदि किसी पोजीशन में 30 मिनट से अधिक बैठे हैं तो 1 मिनट का चलना अनिवार्य है। कार्यक्रम के दौरान एक महिला प्रतिभागी द्वारा एंजायटी व सर्वाइकल की आपसी संबंध पर प्रश्न पूछे जाने पर डा.देवलिया ने अत्यंत सहजता से उत्तर दिया कि जब हमारे भीतर असुरक्षा, अनियमित दिनचर्या, और चिंता रहती है, तब हम मानसिक रूप से भी पीड़ित होते हैं। ऐसे में सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि आत्मपरिवर्तन से ही स्थायी राहत मिलती है।

उन्होंने जीवन में कृतज्ञता के भाव की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि सोते समय हर व्यक्ति को यह सोचना चाहिए कि किनसे माफी मांगनी है, किनका धन्यवाद करना है–यह अभ्यास मानसिक शांति व गहरी नींद में सहायक होता हैद्य उन्होंने कहा कि व्यक्ति को 200 वर्ष नहीं, लगभग 90 वर्ष ही जीना है–इसलिए उसे रोकर नहीं, आनंदपूर्वक जीना चाहिए। अच्छे विचार, नियमित योग-प्राणायाम, भरपूर पानी, संतुलित भोजन और नींद के बिना स्वास्थ्य संभव नहीं है। उन्होंने तीन मैजिकल शब्द–धन्यवाद, सॉरी और प्लीज–के प्रभाव को भी विस्तार से समझाया, कि कैसे इनका प्रयोग रिश्तों को मजबूत करता है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। खानपान के संबंध में उन्होंने बताया कि सलाद पहले, फिर सब्जी, फिर दाल और अंत में रोटी खानी चाहिए। प्रतिदिन 30 से 45 मिनट की वॉक अनिवार्य है। एक अन्य प्रतिभागी द्वारा व्यायाम व वॉक के परस्पर संबंध पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि दोनों का कार्य अलग है–एक्सरसाइज जोड़ों की स्ट्रेंथनिंग, स्ट्रेचिंग और कोऑर्डिनेशन के लिए होती है, जबकि वॉक इम्यूनिटी बढ़ाती है। उन्होंने यह भी बताया कि वजन को नियंत्रित रखने में 60 प्रतिशत भूमिका डाइट की, 30 प्रतिशत वॉक की और 10 प्रतिशत अच्छी नींद की होती है। मानसिक तनाव के विषय पर उन्होंने बड़ी संवेदनशीलता से चर्चा की और कहा कि आज हम बाहर हीरो बनना चाहते हैं लेकिन अपने घर में रिश्तों को संभाल नहीं पाते। सबसे पहले स्वयं में बदलाव जरूरी है, फिर परिवार और समाज में बदलाव संभव है। इस व्याख्यान को एडीएम अंकुर श्रीवास्तव सहित सभी अधिकारियों ने अत्यंत सराहा तथा डा.सौरभ देवलिया को उनके अनुकरणीय योगदान के लिए प्रशस्तिपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान जनहित में किए गए उत्तम स्वास्थ्य जागरूकता प्रयास का प्रतीक है।

दिल्ली की सीएम ने की सपा सुप्रीमो पर आपत्तिजनक टिप्पणी

सपा महिला सभा ने जताया आक्रोश, महामहिम राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

एक हिन्दी न्यूज चैनल पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा एक साक्षात्कार के दौरान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री/सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर की गयी टिप्पणी को अभद्र और अपमानजनक बताते हुये समाजवादी पार्टी के महिला सभा ने जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने भारत की महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा है।

महामहिम राष्ट्रपति को भेजे गये ज्ञापन में महिला सभा जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा ने बताया कि सोशल मीडिया पर चल रही एक क्लिप के अनुसार एक हिन्दी चैनल में साक्षात्कार के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री उ.प्र. शासन/सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जो टिप्पणी की है, वह अपमानजनक और अभद्र है। उन्होंने इसे बहुत ही निन्दनीय और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा कि एक संवैधानिक पद के साथ-साथ महिला होते हुये भी दिल्ली की मुख्यमंत्री द्वारा इस प्रकार की छोटी और घृणित सोच उनके संस्कारों को दर्शाती है। बताया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव देश की सबसे बड़ी तीसरी पार्टी के अध्यक्ष और लोकसभा सदस्य हैं। उनका अपमान देश के करोड़ों पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों का अपमान है। उन्होंने दिल्ली सीएम की इस टिप्पणी का विरोध जताते हुये उनके इस कथन के लिए उनसे मांफी मांगने की मांग उठायी। साथ ही महामहिम राष्ट्रपति से रेखा गुप्ता की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की गयी। ज्ञापन देते समय महिला सभा जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा, अशोक कुमार, शत्रुघन यादव, यूथ बिग्रेड जिलाध्यक्ष इंजी.ह्रदेश यादव मुखिया, छात्रसभा जिलाध्यक्ष गौरव विश्वकर्मा, चन्द्रपाल यादव एड., महेन्द्र कुमार साहू, धीरज सिंह तोमर, विट्ठू, नाशा जैन, लीला जोशी, विजय प्रजापति, शाकिर खान के अलावा अनेकों सपाई मौजूद रहे।

एआरटीओ कार्यालय में सौ फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा पिकअप चालक

अधिकारियों के फूले हाथ-पांव, विभाग ने ही भरा पिकअप का चालान

ललितपुर। इन दिनों सड़कों पर दौड़ रहे बड़े वाहनों पर जांच, ओवर लोडिंग और तमाम कागजातों के नाम पर चालकों का उत्पीडऩ आम बात हो गयी है। सम्बन्धित विभाग सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय ललितपुर की कार्यशैली का एक ताजा उदाहरण बुधवार को उस समय पर देखने को मिला, जब इन्दौर से सामान लेकर आयी एक पिकअप गाड़ी का विभागीय अधिकारी द्वारा जबरन ही हजारों रुपये का चालान काट दिया गया। फिर क्या था, पिकअप चालक एआरटीओ कार्यालय के पीछे बने करीब 100 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गया। यह देखकर विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों के हाथ-पांव फूल गये, जबकि वहां खड़े अन्य लोगों में हड़कम्प मच गया। एआरटीओ कार्यालय में दलालों की सक्रियता और बिना घूस के कोई काम न होने के आरोप अक्सर लगते रहते हैं। बताया जा रहा है कि ऐसे ही पिकअप चालक भी इसी कार्यप्रणाली का शिकार हो गया है। विभाग द्वारा ही पिकअप का किया गया चालान अपनी जेब से भरे जाने के बाद पिकअप चालक टावर से नीचे उतरा।

हीट वेव से बचाएगा आपदा प्रबंध प्राधिकरण, तैयारियां पूरी

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

जिले में अप्रैल महीना शुरू होने के साथ ही मौसम का पारा भी चढने लगा है। अधिक तापमान बढ़ा तो लू लगने की भी आशंका बढ़ गई है। इस वर्ष मौसम में अधिक गर्मी व लू चलने की आंशका जताई जा रही है। इसे देखते हुए जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण ने तैयारियां शुरू कर दी है। जल्द ही शहर से लेकर गांवों तक आग बुझाने, लू से बचाने के लिए जनजागरूकता अभियान शुरू होगा। इसका मकसद अधिक से अधिक लोगों को लू और आग की घटना व क्षति से बचाना है।

कब होता है हीट वेव

आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ ने बताया कि हीट वेव (लू) असमान्य रूप से उच्चतम तापमान की वह अवधि है। जब तामपान सामान्य तापमान से अधिक दर्ज किया जाता है। यह सामान्य तौर पर मार्च से जून तक होता है। कभी-कभी तो जुलाई में भी असर दिखाता है मंगलवार को दोपहर तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यदि किसी स्थान पर लगातार दो दिनों तक तापमान 45 डिग्री सेल्यिस तक बना रहे तो उसे हीट वेव की स्थिति कहा जाता है। गंभीर हीट वेव 47 डिग्री सेल्सियस तक होता है।

बताया कि हिट वेव तीन तरह का होता है। पहला येलो अलर्ट होता है। इसमें हीट वेव की स्थिति दो दिनों तक बनी रहती है। इस अवधि में शिशु, वृद्ध व गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को बाहर निकलने से बचना चाहिए। आरेंट अलर्ट वह स्थिति है जिसमें दो दिनों तक गंभीर हीट वेव की स्थिति बनी रहे। यह चार या चार से अधिक दिनों तक रहने पर गंभीर अवस्था में होती है। रेड अलर्ट वह स्थिति है जिसमें गंभीर लू की स्थिति दो से अधिक दिनों तक बनी रहे। लू छह दिनों तक रहेगा तो अत्यंत गंभीर स्थिति होती है। इस अवधि में सभी उम्र के लोगों को हीट स्ट्रोक का खतरा बना रहता है।

हीटवेव से बचने के उपाय

दोपहर में घर से न निकलें। ढीले ढाले सूतीव हल्के रंग के आरामदाय कपड़े पहनें। अपने सिर को ढककर चलें, टोपी या गमछा या छाता लेकर चलें। भले ही प्यास न लगे लेकिन पर्याप्त पानी पीते रहें। ओरएस या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे छाछ, लस्सी, नीबू पानी, आम का पन्ना आदि का अधिक सेवन करना चाहिए।

मुख्यमन्त्री अभ्युदय निशुल्क कोचिंग के लिये 7 मई तक करें आवेदन

ललितपुर। जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत यू.पी.एस.सी./यू.पी.पी.सी.एस., एन.डी.ए./सी.डी.एस., आई.आई.टी. जे.ई.ई., नीट यू.जी., एरा.एस.सी./एकदिवसीय परीक्षा की निश्शुल्क कोचिंग प्रदान की जायेगी, जिराके लिये इच्छुक छात्र-छात्राये सत्र-2025-26 हेतु 07 अप्रैल 2025 से 07 मई 2025 तक जनपद स्तर पर आफलाइन तथा अभ्युदय पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास भवन कमरा नं. 12 तथा राजकीय इण्टर कॉलेज अभ्युदय कोचिंग केन्द्र से रजिस्ट्रेशन फार्म प्राप्त किये जा सकते हैं। इसके लिये आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण पत्र 10वीं, 12वीं व स्नातक की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर रजिस्ट्रेशन करा सकतें हैं। प्रवेश परीक्षा की सम्भावित तिथि माह जून 2025 के द्वितीय सप्ताह में प्रस्तावित है। कोचिंग का संचालन राजकीय इण्टर कॉलेज ललितपुर में 01 जुलाई 2025 से नवीन सत्र प्रारम्भ होगा।

अंजनी माता मेला का आयोजन कल से, तैयारियां जोरों पर

उपजिलाधिकारी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

महरौनी अंतर्गत ग्राम कुम्हैडी में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बुंदेलखंड का प्रसिद्ध अंजनी मेला की तैयारियां जोरों पर है। मेले को सफल बनाने के लिये प्रशासन व मेला प्रबंध समिति ने दूर दराज से आये प्रत्येक दुकानदारों के आधार कार्ड लेकर दुकानों का आवंटन किया जा रहा है। हनुमान जयंती की शोभायात्रा व जवारे विसर्जन करने के लिये मुख्य सड़कों से सेक्टर को चौड़ा कर मरम्मती करण किया गया है। सार्वजनिक शौचालय, पेयजल के लिये के नल, अंजनी मंदिर पर श्रद्धालुओं द्वारा जवारे, प्रसाद, चढ़ावा तथा माता अंजनी के दर्शन को शुगम बनाने के लिये अलग-अलग विवस्थायें की गई हैं। अंजनी मिले में रामलीला, डिरेगन ट्रेन, नाव झूला, बड़ा झूला, ब्रेक डांस, मिक्की माउस, साज- सज्जा, खेल खिलौने व खानपान की दुकानें सज चुकीं हैं। 11 अप्रैल को ध्वजा रोहण के साथ अंजनी मेला महोत्सव के शुभारंभ की तैयारियों को लेकर उप जिलाधिकारी राज बहादुर सिंह, तहसीलदार तनवीर हसन, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, चौकी इंचार्ज भूपेंद्र सिंह ने नीला प्रांगण में घूम कर व्यवस्थाएं देखी। मेले में आने वाली श्रद्धालुओं की सुरक्षा, फायर ब्रिगेड पानी के टैंकर, लाइट, पार्किंग रसीद, मंदिर के आस पास वाले मेला क्षेत्र में कैमरे, दुकानों पर कमर्शियल सिलेंडर अनिवार्य है।

इस मौके पर देवकीनंदन कौशिक, मुकेश कुमार श्रीवास्तव, दिनेश विदुआ, सन्तोष पटेल, सन्तोष निरंजन नेता, संजय कुमार मिश्रा, राजू बिरथरे, बलराम निरंजन, रविराज, धर्मेंद्र सिंह बारौन, धनीराम टिकरया, नारायध सिंह, रमेश राय, चिंताराम टिकरया, रामजी श्रीवास्तव, भूपेंद्र सिंह परिहार, मीडिया प्रभारी आनंद त्रिपाठी, धर्मेन्द्र राजा, नीशू दुबे आदि मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री की चयन सूची से नाम हटाने का आरोप

ललितपुर। आंगनबाड़ी कार्यकत्री पद के लिए विधिवत चयन होने एवं कागजात सत्यापित होने के उपरान्त अवैधानिक तरीके से चयन निरस्त किये जाने और गैर कानूनी तरीके से किसी दूसरे की नियुक्ति किये जाने का आरोप लगाते हुये ब्लाक महरौनी के ग्राम धवारी पड़वां निवासी जयदेवी पाठक पत्नी नीतेश दुबे ने एक शिकायती पत्र जिलाधिकारी को भेजा है। शिकायती पत्र में जयदेवी पाठक ने बताया कि उसने आंगनबाड़ी कार्यकत्री पद के लिए आवेदन किया था, जिसमें उसकी नियमानुसार सभी प्रक्रियाएं पूर्ण हो गयी और कागजात भी सत्यापित हो चुके हैं। बताया कि उसके कागजात सत्यापन होने के बाद विभाग द्वारा जब चयन सूची जारी की गयी तो उसका नाम बिना किसी उचित कारण के चयन सूची से हटा दिया गया, जबकि उसके स्थान पर किसी दूसरे का नाम अंकित कर दिया गया है। बताया कि विभाग में जाकर उसने इस मामले की जानकारी की।

भूसा बनाकर जा रहे युवक से मारपीट

ललितपुर। थाना नाराहट के ग्राम पारौल में रहने वाले ब्रजभान सिंह पुत्र रंजीत सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 7 अप्रैल को रात करीब 10.30 बजे वह भूसा बनाकर पटना से गाड़ी लेकर जा रहा था। तभी रास्ते में गांव के रविन्द्र सिंह पुत्र वकील, वीरेन्द्र पुत्र रतन सिंह, बलवान सिंह पुत्र रतन सिंह व दशरथ पुत्र भवानी सिंह ने एकराय होकर उसे रोक लिया और गालियां दी। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसके साथ मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी।

विश्व णमोकार दिवस पर जैन मंदिरों में हुई महामंत्र की गूंज

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

अहिंसा के प्रवर्तक अन्तिम तीर्थेश भगवान महावीर जन्मोत्सव के पूर्व आज विश्व णमोकार दिवस पर जैन मंदिरों में मूलनायक वेदिका के सम्मुख श्रद्धालुओं ने महामंत्र णमोकार का पाठ कर विश्व शान्ति की कामना की। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह नगर के पार्श्वनाथ जैन अटा मंदिर में क्षुल्लक श्री विश्वप्रभु सागर महाराज के सानिध्य में प्रभु अभिषेक शान्तिधारा हुई। इसके उपरान्त णमोकार पाठ का शुभारम्भ हुआ। इसके साथ ही नगर के अभिनंदनोदय तीर्थ क्षेत्रपाल मंदिर, आदिनाथ मंदिर नईवस्ती, समोवशरण मंदिर नईवस्ती, आदिनाथ मंदिर सिविल लाइन, जैन मंदिर बाहुवलिनगर, चंद्रप्रभु जिनालय डोढाघाट, एम्ब्रोसिया जैन मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर कालौनी, शान्तिनगर जैन मंदिर, पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन नया मंदिर, श्री आदिनाथ जैन बडामंदिर के अतिरिक्त सुधासागर कन्या इण्टर कालेज में भी श्रद्धालुओं ने णमोकार महामंत्र का पाठ किया और विश्व शान्ति हेतु प्रार्थना की। विश्व णमोकार दिवस पर मुख्य आयोजन दिल्ली के विज्ञान भवन में जीटो के तत्वावधान में हुआ जहां प्रधानमंत्री ने भगवान महावीर के सिद्धान्तो को विश्व कल्याणकारी बताते हुए णमोकार मंत्र का पाठ किया।

व्यवस्था पेयजल की व्यवस्था, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, फागिंग, लार्वीसाइडल का छिड़काव आदि की जानकारी ली

संयुक्त निदेशक ने किया संचारी रोग नियन्त्रण अभियान का पर्यवेक्षण

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

संयुक्त निदेशक अपर निदेशक कार्यालय झांसी डा.राजकुमार सोनी द्वारा जनपद में विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान का पर्यवेक्षण किया गया। इस दौरान उन्होनें तालबेहट के ग्राम कडेसराकला तथा नगरीय क्षेत्र के नेहरुनगर मोहल्ले में अभियान की गतिविधियां देखीं। उन्होनें क्षेत्र में रहने वाले लोगों से बातचीत करके अभियान की गतिविधियों जैसे की शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, फागिंग, लार्वीसाइडल का छिड़काव आदि की जानकारी ली। क्षेत्र भ्रमण के दौरान डिस्ट्रिक पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा.सौरभ सक्सेना ने संचारी रोगों से बचाव के सम्बन्ध में जनमानस को जानकारी दी। जिला मलेरिया अधिकारी श्री अनिल क्रिस्टोफर मैसी, ने बताया कि घरों के अन्दर जलभराव ना होने दें। प्रत्येक सप्ताह कूलर एवं बोतल में लगे पौधों के पानी को अवश्य बदलें। उसके बाद संयुक्त निदेशक ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 गजेन्द्र सिंह के साथ जिला चिकित्सालय सम्बद्ध स्वशासी राजकीय महाविद्यालय में राउण्ड लेकर मरीजों एवं उनके तीमारदारों से सुविधा शुल्क लिए जाने तथा दलालो की उपस्थिति के सम्बन्ध में जानकारी ली, जिस पर मरीजों एवं तीमारदारों द्वारा बताया गया कि जिला चिकित्सालय में दलाल सक्रिय नहीं हैं, एवं सुविधा शुल्क नहीं लिया जा रहा है। क्षेत्र भ्रमण के उपरान्त उन्होनें मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में अपर एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, जिला मलेरिया अधिकारी कार्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों के साथ बैठक की। उन्होने बताया कि 01 से 30 अप्रैल 2025 संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान संचारी रोगों के रोकथाम हेतु विभिन्न गतिविधियां की जा रही हैं। संयुक्त निदेशक द्वारा अभियान की सफलता हेतु सभी विभागों से सहयोग की अपील की। क्षेत्र भ्रमण के दौरान उनके साथ मण्डलीय कीट वैज्ञानिक रविदास, कीट संग्रहकर्ता, डिस्ट्रिक पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा.सौरभ सक्सेना, जिला मलेरिया अधिकारी अनिल क्रिस्टोफर मैसी, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक हरिश्चन्द्र नामदेव, सहायक मलेरिया अधिकारी अजब सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

100 टन जिंदा मगरमच्छों की नीलामी

बीजिंग। चीन की एक अदालत ने कर्ज वसूल करने के लिए 1000 टन जिंदा मगरमच्छों की नीलामी करने का आदेश दिया है। एक क्रोकोडाइल कंपनी के ऊपर कर्ज बकाया था। कर्ज नहीं चुकाने के कारण अदालत ने यह फैसला किया। अभी तक इस बोली के लिए किसी ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। शुरुआती बोली 4.60 करोड रुपए रखी गई है। सभी सियामी प्रजाति के मगरमच्छ हैं। 9 मई से अलीबाबा पर इसकी नीलामी शुरू होगी। दुनिया के देशों में पहली बार कर्ज वसूली के लिए इतनी बड़ी संख्या में मगर मछ्चों की नीलामी की जा रही है।

12,500 साल पहले विलुप्त भेड़ियां प्रजाति के तीन शावकों का हुआ जन्म

वाशिंगटन। अमेरिका के डलास स्थित एक बायोटेक कंपनी कोलॉसल बायोसाइंसेज ने 12,500 साल पहले विलुप्त हुई भेड़िए की प्रजाति को दोबारा जीवन दिया है। डायर वुल्फ नाम की इस प्रजाति के तीन शावकों ने हाल ही में जन्म लिया है। इन्हें रीमस, रोमुलस और खलीसी नाम दिए गए हैं। भेड़िए की इस प्रजाति को एचबीओ की मशहूर सीरीज गेम ऑफ थ्रोन्स में दिखाया गया था। कंपनी ने बताया कि रीमस और रोमुलस नर वुल्फ हैं और अक्टूबर 2024 में पैदा हुए थे, जबकि खलीसी मादा वुल्फ है और इस साल जनवरी में उसका जन्म हुआ है।

ट्रंप के इस फैसले से 3 लाख भारतीय छात्र चिंतित

नई दिल्ली। अमेरिका से आ रही एक खबर ने करीब 3 लाख भारतीय छात्रों को चिंता में डाल दिया है। दरअसल, अमेरिका में एक नया बिल पेश किया गया है जिसमें अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) ऑप्शन को खत्म करने का प्रस्ताव है। यह सुविधा वर्तमान में एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स) के छात्रों को मिलती है, जिससे वे अपनी पढ़ाई पूरी होने के बाद अमेरिका में 3 साल तक रहकर काम करते हैं। लेकिन अगर यह विधेयक पास हो जाता है, तब छात्रों को पढ़ाई खत्म करने के तुरंत बाद देश छोड़ना होगा, जब तक कि वे एच-1बी वीजा हासिल नहीं कर लेते। इंडियन स्टूडेंट्स अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सबसे बड़ी आबादी का हिस्सा हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में यूएस में 11 लाख अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से 3.31 लाख भारतीय थे। ये छात्र मुख्य रूप से एसटीईएम कोर्सेस में पढ़ाई करते हैं और ओपीटी के जरिए प्रोफेशनल अनुभव हासिल करते हैं। इससे एच-1बी वीजा पाने के लिए उनकी दावेदारी मजबूत होती है। अब नए बदलाव से उन लाखों छात्रों के करियर प्लान पर गहरा असर पड़ सकता है। बताया जा रहा है कि यह कदम ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन नीतियों का हिस्सा है। उन्होंने चुनाव अभियान में मास डिपोर्टेशन और वीजा नियमों को कड़ा करने का वादा किया था।

जानकारों का कहना है कि इससे कई छात्र अब कनाडा और यूरोप जैसे वैकल्पिक देशों की ओर रुख कर सकते हैं, जहां 2025-26 के लिए भारतीय आवेदनों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस खबर से छात्रों में घबराहट फैल गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- गाजा को शांत करने के लिए यही बेहतर होगा

ट्रंप ने फिर अलापा गाजा पर कब्जा करने का राग, इजराइल ने किया समर्थन

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के बाद फिर गाजा पर कब्जे का प्लान पेश किया है। उन्होंने कहा कि गाजा को शांत करने के लिए यही बेहतर होगा कि उस पर अमेरिका का कब्जा हो। इसके अलावा गाजा से फिलिस्तीनियों को हटा दिया जाए और अलग-अलग देशों में उन्हें बसा दिया जाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने मुस्लिम देशों से अपील करते हुए कहा कि यदि आप लोग इन फिलिस्तीनियों को बसा लें तो फिर गाजा में समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा कि गाजा को हम फ्रीडम जोन में तब्दील करना चाहते हैं। यदि फिलिस्तीनी अलग-अलग देशों में जाकर बस जाएं तो फिर गाजा में काम हो सकता है। उसे एक शांत इलाके के तौर पर विकसित किया जाएगा। ट्रंप के इस प्लान का नेतन्याहू ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हम हमास के साथ एक नई डील पर भी विचार कर रहे हैं ताकि बंधकों को छुड़ाया जा सके, जो अब भी कैद में हैं।

ट्रंप ने सत्ता में आने के कुछ समय बाद ही गाजा को फिलिस्तीनियों से मुक्त कराने की बात कही थी और कहा था कि हम चाहेंगे कि वहां एक कॉलोनी विकसित की जाए। अमेरिका यह काम अपने हाथ में ले सकता है। ट्रंप के इस प्लान की तीखी आलोचना हुई थी और कहा गया था कि यह तो नस्ल ही खत्म करने जैसी बात होगी, लेकिन अब ट्रंप ने एक बार फिर से वही बात दोहराई है। अब तक इस पर सऊदी अरब, तुर्की, मिस्र, कतर और कुवैत समेत किसी भी मुस्लिम देश की प्रतिक्रिया नहीं आई है। नेतन्याहू से बैठक के बाद ट्रंप ने कहा कि आप जानते हैं कि गाजा में अमेरिकी सेना का नियंत्रण होना और उस पट्टी को विकसित करना अच्छा रहेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि बीते कई सालों से हम सुनते आ रहे हैं कि वहां मौतें हो रही हैं। कभी वहां हमास हत्याएं करता है तो कभी कुछ और समस्या खड़ी हो जाती है। उन्होंने मुस्लिम देशों से अपील करते हुए कहा कि यदि आप फिलिस्तीनियों को ले लें और उन्हें अलग-अलग देशों में बसा लें तो सही रहेगा। ऐसे बहुत से देश हैं, जो ऐसा कर सकते हैं। फिर आपके पास वास्तव में एक फ्रीडम जोन होगा। यह एक फ्री जोन होगा और यहां हर रोज लोग मारे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम जल्दी ही एक और सीजफायर की उम्मीद कर रहे हैं। इस पर नेतन्याहू ने कहा कि हमास की कैद में पड़े बंधकों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। हमें उनको रिहा कराना होगा। इस डील का नाम 25 को बाहर निकालो होगा। बता दें कि नेतन्याहू का अमेरिका दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब हमास के साथ सीजफायर टूट गया है।

अब दवा उद्योग पर टैरिफ लगाएंगे ट्रंप, चीन को हो सकता है भारी भरकम नुकसान

ट्रंप ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दवा कंपनियों पर दबाव डालना है

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि वे जल्द ही दवा उद्योगों पर टैरिफ लगाने जा रहे हैं। इससे चीन को भारी भरकम नुकसान होने की संभावना बढ़ गई है। वाशिंगटन डीसी में नेशनल रिपब्लिकन कांग्रेसनल कमेटी (एनआरसीसी) द्वारा आयोजित डिनर के दौरान ट्रंप ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दवा कंपनियों पर दबाव डालना है ताकि वे चीन जैसे देशों से अपनी विनिर्माण इकाइयां हटाकर अमेरिका में स्थापित करें और घरेलू बाजार की जरूरतों को पूरा करें। ट्रंप अगर दवाओं पर भी टैरिफ की घोषणा करते हैं तो इससे भारत सहित दुनियाभर के दवा उद्योग पर गंभीर आसर हो सकता है।

इससे पहले, ट्रंप प्रशासन ने फार्मास्यूटिकल्स और सेमीकंडक्टर को अपनी जवाबी टैरिफ नीति के दायरे से बाहर रखा था। लेकिन अब वे इससे मुकरते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वह आने वाले महीनों में इस्पात, एल्युमीनियम, तेल और गैस, फार्मास्यूटिकल्स, तथा सेमीकंडक्टर सहित अनेक प्रकार के आयातों पर शुल्क लगाएंगे। ट्रंप ने अपने भाषण में कहा, हमारे पास हर किसी के ऊपर एक बड़ा एडवांटेज है, क्योंकि हम सबसे बड़ा बाजार हैं। इसलिए हम बहुत जल्द फार्मास्यूटिकल्स पर एक बड़ा टैरिफ घोषित करने जा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह टैरिफ कितना होगा या किन देशों को विशेष रूप से टारगेट किया जाएगा। उनके इस बयान ने वैश्विक दवा उद्योग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधों में हलचल मचा दी है।

भारत की फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री देश का सबसे बड़ा औद्योगिक निर्यात क्षेत्र है। 2024 में भारत ने अमेरिका को 12.72 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की दवाओं का निर्यात किया। अमेरिकी स्वास्थ्य प्रणाली में भारतीय दवा कंपनियों की भूमिका बेहद अहम है। 2022 में अमेरिका में भरे गए हर 10 में से 4 प्रिस्क्रिप्शन भारतीय कंपनियों द्वारा निर्मित दवाओं के थे। रिपोर्टों के अनुसार, 2022 में भारतीय दवाओं ने अमेरिकी हेल्थकेयर सिस्टम को करीब 219 अरब डॉलर की बचत करवाई। 2013 से 2022 तक यह आंकड़ा 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचा। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका भारत से आने वाली दवाओं पर उच्च टैरिफ लगाता है, तो इससे भारतीय दवा कंपनियों की प्रतिस्पर्धा क्षमता पर बुरा असर पड़ेगा। उनके लिए अमेरिका में कीमतों के लिहाज से टिके रहना मुश्किल हो जाएगा और उत्पादन लागत भी बढ़ेगी।ट्रंप की इस घोषणा के बाद वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव देखा गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टैरिफ लागू होता है, तो अमेरिकी बाजार में दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका असर आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ेगा।

अमेरिकी टैरिफ के जवाब में चीन ने बनाई अपनी रणनीति, कहा- कोई फर्क नहीं पड़ेगा

एजेंसी ■ बीजिंग

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर लगाए गए 104 प्रतिशत टैरिफ ने वैश्विक व्यापार जगत में भूचाल ला दिया है। चीन के पीएम ली कियांग ने कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों की रक्षा करेंगे। प्रोटेक्शनिज़्म कहीं नहीं ले जाता, खुलापन और सहयोग ही सही रास्ता है। चीन के दो प्रभावशाली ब्लॉगर्स ने संकेत दिया है कि बीजिंग जवाबी हमला करने की तैयारी कर रहा है। उनके मुताबिक़ चीन जिन उपायों पर विचार कर रहा है उनमें अमेरिकी कृषि उत्पादों पर भारी शुल्क और हॉलीवुड फिल्मों पर बैन शामिल है। इन सुझावों को सरकार समर्थित रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने स्पष्ट किया कि चीन के पास पर्याप्त नीति विकल्प हैं जो किसी भी बाहरी आर्थिक झटके को पूरी तरह बेअसर कर सकते हैं। ली कियांग ने ट्रंप के टैरिफ अटैक वाले फैसले को एकतरफा और संरक्षणवादी करार दिया है, वहीं जवाबी कदमों की तैयारी भी तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक बीजिंग अमेरिकी कृषि उत्पादों पर भारी शुल्क, हॉलीवुड फिल्मों पर प्रतिबंध और अन्य प्रौद्योगिकीय कंपनियों पर नियंत्रण जैसे विकल्पों पर विचार कर रहा है। ली कियांग ने स्पष्ट किया कि चीन के पास पर्याप्त नीति विकल्प हैं जो किसी भी बाहरी आर्थिक झटके को पूरी तरह बेअसर कर सकते हैं। मंगलवार को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से बातचीत में ली कियांग ने कहा कि चीन की नीतियों में 2025 की सभी वैश्विक अनिश्चितताओं को पहले ही शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, हम देश की आर्थिक वृद्धि को मजबूत और टिकाऊ बनाए रखने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। इस बातचीत के कुछ घंटों बाद ही अमेरिका द्वारा चीन पर 104 प्रतिशत टैरिफ और यूरोप पर 20 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिए गए।

आतंकियों ने पाकिस्तानी सेना की बिछा दी लाशें

पाक महीना रमजान में भी नहीं थमा कत्लेआम-

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पिछले महीने रमजान का पाक महिना था। ये वक्त इबादत और नेक काम करने का होता है। लेकिन आतंकवादियों ने प्रतिदिन पाकिस्तानी फौज और सुरक्षा बलो पर आठ से ज्यादा हमले किए और प्रतिदिन 5 से ज्यादा सुरक्षा कर्मियों को मार डाला। इस दौरान 112 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल भी हुए। यानी रमजान के महीने में पाकिस्तान फौज के 175 लोग मारे गए। मार्च के पाक रमजान के महीने में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा किए जा रहे हमलों के जवाब में आतंकवादी संगठन तहरीके तालिबान पाकिस्तान ने पाकिस्तानी फौज और सुरक्षाबलों पर कल 260 हमले किए। आतंकवादी संगठन द्वारा ये हमले फौजी छावनियों और पुलिस थानों में घुसकर गोरिल्ला वारफेयर के जरिए तथा आमने-सामने की सीधी लड़ाई जैसे हुए। सोमवार को 260 हमले में सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तान सेना और उनके स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप यानी एसएसजी को हुआ, जिनके 172 लोग इस हमले में मारे गए। आतंकवादी संगठन ने इसके अलावा पुलिस के काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट और गुप्त शांति समिति पर भी हमले किए। आतंकवादी संगठन का दावा है कि उसने इस दौरान बड़े पैमाने पर सरकारी हथियार भी लूट लिए। इन हथियारों में एके सीरीज की राइफल से लेकर अन्य हथियार और गोला बारूद है। सबसे ज्यादा हमले दक्षिण वजीरिस्तान में किए गए। जहां कुल 39 हमले हुए। आतंकवादी संगठन का दावा है कि उसने इस दौरान पाकिस्तान फौज और सुरक्षा बलों के 9 कर्मियों को गिरफ्तार भी किया। बाद में वे फौजी सुरक्षा बल की नौकरी नहीं करेंगे यह आश्वासन देने पर उन्हें छोड़ दिया गया।

जर्मनी को पछाड़कर, तीसरा सबसे बड़ा सौर और पवन ऊर्जा उत्पादक देश बना भारत

नई दिल्ली। भारत ने ऊर्जा के क्षेत्र में एक और कीर्तिमान रच दिया है। दरअसल भारत, जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरा सबसे बड़ा सौर और पवन ऊर्जा उत्पादक देश बना है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत ने साल 2024 में दुनिया के कुल सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन का 15 प्रतिशत उत्पादन किया। रिपोर्ट में बताया गया कि नवीकरणीय और परमाणु ऊर्जा सहित कम कार्बन वाले स्रोतों को मिलाकर साल 2024 में दुनिया की 40.9 प्रतिशत बिजली का उत्पादन हुआ। यह साल 1940 के बाद पहली बार हुआ, जब परमाणु ऊर्जा उत्पादन ने 40 प्रतिशत का आंकड़ा पार किया। भारत में, स्वच्छ स्रोतों से 22 प्रतिशत ऊर्जा का उत्पादन हुआ। इसमें से जलविद्युत ऊर्जा ने सबसे अधिक 8 प्रतिशत का योगदान दिया, जबकि पवन और सौर ऊर्जा ने मिलकर 10 प्रतिशत का योगदान दिया। वैश्विक स्तर पर, साल 2024 में रिकॉर्ड 858 टेरावाट घंटे (टीडब्लयूएच) स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन हुआ, जो कि साल 2022 में पिछले रिकॉर्ड से 49 प्रतिशत अधिक है। सौर ऊर्जा लगातार तीसरे वर्ष बिजली का सबसे बड़ा स्रोत रही, जिसमें 2024 में 474 टीडब्लयूएच जोड़े।

क्या बांग्लादेश लौटने की तैयारी में हैं शेख हसीना, जल्द इंसाफ होगा

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना जल्द ही देश वापसी के संकेत दे रही हैं। हालांकि, हसीना ने इस लेकर साफतौर पर कुछ नहीं कहा है। लेकिन उन्होंने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बांग्लादेश के मौजूदा हालात पर कहा कि यह आतंकवादी मुल्क में बदल गया है। संभावनाएं हैं कि बांग्लादेश में साल के अंत में चुनाव हो सकते हैं।

आवामी लीग के नेताओं से हसीना ने कहा, अल्लाह ने किसी कारण से जीवित रखा था और वहां दिन जल्द आएगा, जब इंसाफ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आवामी लीग के सदस्यों को निशाना बनाने वालों के साथ जल्द इंसाफ होगा। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि मुख्य सलाहकार यूनुस वहां शख्स हैं, जिसने कभी लोगों से प्यार नहीं किया।

हसीना ने कहा, यूनुस ने ऊंची ब्याज दरों पर छोटी रकम का कर्ज बांटा और उस धन का इस्तेमाल विदेश में शान शौकत से जीने में किया। हम तब उनकी दोहरी मानसिकता नहीं समझ सके थे, तब हमारी सरकार ने उनकी बहुत मदद की। लेकिन लोगों को इससे कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने खुद के लिए अच्छा किया। इसके बाद उन्हें ताकत की हवस हुई, जिसमें अब बांग्लादेश जल रहा है।

हसीना ने कहा कि बांग्लादेश अब आतंकवादी मुल्क में बदल चुका है। उन्होंने कहा, हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं का इसतरह से कत्ल किया जा रहा है कि हम बता भी नहीं सकते। आवामी लीग, पुलिसकर्मियों, वकीलों, पत्रकारों, कलाकारों और सभी को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, बलात्कार, हत्याएं, डकैतियों की खबरें सामने नहीं आ रही हैं। अगर इन्हें रिपोर्ट किया जा रहा है, तब टीवी चैनल और अखबारों को निशाना बनाया जा रहा है।

राजनीतिक | **वीरेंद्र सचदेवा बोले- राजनीतिक साजिश के चलते एकता बिगाड़ने की कोशिश**

मोइत्रा का दावा- दिल्ली में बीजेपी के...करा रहे मछली मार्केट बंद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने दावा किया है कि दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के चित्तरंजन पार्क में मछली और मांस की दुकानें बंद करवाई जा रही हैं। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए आरोप लगाया कि इलाके में बीजेपी गुंडे (कार्यकर्ता) मछली बाजार के व्यापारियों को धमका रहे हैं। पिछले 60 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ।

इन दावों पर बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मोइत्रा ने फर्जी वीडियो पोस्ट किया है। राजनीतिक साजिश के चलते इलाके में सामुदायिक एकता को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। वहीं, दिल्ली पुलिस ने मोइत्रा के दावे पर कहा कि उन्हें कोई शिकायत नहीं मिली है, लेकिन मामले की जांच की जा रही है।

शेयर वीडियो में भगवा टी-शर्ट पहना एक शख्स कह रहा है कि मंदिर के साथ मछली बाजार नहीं होना चाहिए। सनातन धर्म यह कहता है कि हम किसी को काट नहीं सकते। मंदिर के साथ मांस की दुकान होने से सनातनियों को ठेस पहुंचा रही है। इसी बीच एक दुकानदार ने कहा कि मछली बाजार डीडीए की ओर से आवंटित किया गया था। इसपर भगवा टीशर्ट पहने शख्स ने कहा- हां, मुझे पता है। डीडीए अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता। हम उनकी गलतियों को सुधारेंगे। सीआर पार्क एक अच्छा इलाका है और यहां विदेशी आते हैं। सभी लोग ये चीजें देख रहे हैं।

महुआ मोइत्रा ने एक दूसरे पोस्ट में कहा कि सीआर पार्क जो मंदिर बीजेपी के गुंडे अपना बता रहे हैं। वह मांस-मछली बेचने वाले दुकानदारों ने ही बनवाया है। वे वहीं पूजा करते हैं, वहीं बड़ी पूजा होती हैं। दिल्ली में बीजेपी पसरकार के तीन महीने पूरे हुए। उन्होंने एक व्हाट्सएप मैसेज का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया। जिसमें एक शख्स ने उन्हें लिखा- मैंने मीट की दुकानों को जबरन बंद करने के बारे में आपका पोस्ट देखा। मैं सीआर पार्क के पास रहता हूं। यहां पिछले 10 दिनों से सभी मीट मार्केट और मछली की दुकानें बंद हैं। स्थिति भयावह है।

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि चित्तरंजन पार्क में मछली बाजार कानूनी रूप से आवंटित हैं और मछली व्यापारी हमेशा मंदिरों की पवित्रता बनाए रखते हैं। हर किसी को मंदिरों की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए।

विशाल ब्लैक होल को तारों को निगलते हुए कैमरे में कैद किया

एजेंसी ■ वाशिंगटन

पहली बार वैज्ञानिकों ने एक विशाल ब्लैक होल को तारों, गैस और धूल को निगलते हुए कैमरे में कैद किया है। इसके अलावा अंतरिक्ष में शक्तिशाली जेट्स और गैलेक्टिक विंड्स के रूप में उगलते हुए भी कैद किया है। यह दृश्य यूरोपियन साउदर्न ऑब्जर्वेटरी (ईएसओ) के वेरी लार्ज टेलीस्कोप (वीएलटी) ने चिली के अटाकामा रेगिस्तान से रिकॉर्ड किया है। यह ब्लैक होल एनजीओ 4945 नामक एक स्पाइरल गैलेक्सी के केंद्र में स्थित है, जो पृथ्वी से करीब 12 मिलियन प्रकाश-वर्ष दूर है। ईएसओ के वैज्ञानिकों के अनुसार, यह ब्लैक होल अपने आसपास की गैस और धूल को निगलने के साथ-साथ अत्यधिक ऊर्जा वाले जेट्स और तेज़ हवाएं छोड़ रहा है, जो प्रकाश की गति के करीब की रफ्तार से अंतरिक्ष में फैल रही हैं। इन गैलेक्टिक विंड्स के कारण गैलेक्सी की गैस और धूल अंतरिक्ष में बिखर रही है, जिससे नए तारों के निर्माण की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। वैज्ञानिकों के लिए यह पहली बार है जब किसी ब्लैक होल को इतनी तेज़ गति से पदार्थ बाहर फेंकते हुए देखा गया है। आमतौर पर ब्लैक होल्स को हर चीज़ को निगलने वाले राक्षस के रूप में देखा जाता है।

सदैव प्रासंगिक रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

'अहिंसा परमो धर्मः' का उद्घोष करने वाले भगवान महावीर का अहिंसा दर्शन आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक और आवश्यक बन गया है। आधुनिक युग में जब मानव अपने स्वार्थ और लोभ के वशीभूत होकर किसी भी अनुचित कार्य को करने में संकोच नहीं करता, यहां तक कि अपने लाभ के लिए हिंसा तक को जायज ठहराने लगा है, तब महावीर स्वामी के सिद्धांत हमें नैतिकता, सहिष्णुता और करुणा की ओर लौटने का आह्वान करते हैं। वर्तमान सामाजिक, मानसिक, नैतिक और पर्यावरणीय संकटों से घिरे मानव समाज के लिए भगवान महावीर के विचार और दर्शन समाधान का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने जीवन भर मानवता को ऐसे अनेक उपदेश और अमृत वचन दिए, जो न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं बल्कि व्यावहारिक जीवन में भी शांति, संयम और संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। उनके सिद्धांतों को यदि हम अपने आचरण और व्यवहार में उतार लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन को सार्थकता मिलती है, बल्कि समाज में भी सद्भाव, अहिंसा और करुणा की भावना को बढ़ावा मिलता है। महावीर स्वामी का दर्शन इस बात की शिक्षा देता है कि हर जीव मात्र के प्रति सम्मान और समता की भावना रखी जाए क्योंकि सभी प्राणी एक समान पीड़ा का अनुभव करते हैं और मुक्ति की आकांक्षा रखते हैं। आज के हिंसा और तनाव से भरे समय में भगवान महावीर का यह जीवन दर्शन मानवता को स्थायी शांति, आत्मशुद्धि और परस्पर सौहार्द की राह दिखाता है। डालते हैं भगवान महावीर के ऐसे ही अमृत वचनों पर नजर-

- संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, अतः हिंसा को त्यागिए और 'जीओ व जीने दो' का सिद्धांत अपनाइए।
- जिस प्रकार अणु से छोटी कोई वस्तु नहीं और आकाश से बड़ा कोई पदार्थ नहीं, उसी प्रकार अहिंसा के समान संसार में कोई महान् व्रत नहीं।
- जो मनुष्य स्वयं प्राणियों की हिंसा करता है या दूसरों से हिंसा करवाता है अथवा हिंसा करने वालों का समर्थन करता है, वह जगत में अपने लिए वैर बढ़ाता है।
- धर्म उत्कृष्ट मंगल है और अहिंसा, तप व संयम उसके प्रमुख लक्षण हैं। जिन व्यक्तियों का मन सदैव धर्म में रहता है, उन्हें देव भी नमस्कार करते हैं।
- मानव व पशुओं के समान पेड़-पौधों, अग्नि, वायु में भी आत्मा वास करती है और पेड़ पौधों में भी मनुष्य के समान दुख अनुभव करने की शक्ति होती है।
- संसार में प्रत्येक जीव अवध्य है, इसलिए आवश्यक बताकर की जाने वाली हिंसा भी हिंसा ही है और वह जीवन की कमजोरी है, वह अहिंसा कभी नहीं हो सकती।
- जिस जन्म में कोई भी जीव जैसा कर्म करेगा, भविष्य में उसे वैसा ही फल मिलेगा। वह कर्मानुसार ही देव, मनुष्य, नारक व पशु-पक्षी की योनि में भ्रमण करेगा।
- कर्म स्वयं प्रेरित होकर आत्मा को नहीं लगते बल्कि आत्मा कर्मों को आकृष्ट करती है।
- जिस मनुष्य का मन सदैव अहिंसा, संयम, तप और धर्म में लगा रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं।
- धर्म का स्थान आत्मा की आंतरिक पवित्रता से है, बाह्य साधन धर्म के एकान्त साधक व बाधक नहीं हो सकते।

जजों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता की ओर कदम

▪ ललित गर्ग

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे, इसके लिये न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता, जबावदेही एवं निष्पक्षता की जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च न्यायालय से निचली अदालतों तक के न्यायाधीशों को संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठाए जाने की अपेक्षा आजादी के अमृतकाल में तीव्रता से की जा रही थी...

ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचर्चाओं एवं आदर्श राष्ट्र-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठाया गया उचित एवं प्रासंगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में न्यायालयों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक बड़ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए। न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं, स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। एक तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के घेरे में रखती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला एक सराहनीय कदम होगा। जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी के भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबावदेही आवश्यक मूल्य है।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, संदेह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायिक पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है।

न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा।

जन्म कल्याणक महामहोत्सव... 2025

ऐसे थे इस धरा के भगवान महावीर स्वामी जिनके पांच नाम, पांच कल्याण, पांच सिद्धांत जो आज भी अजर अमर है।

रवि जैन चुनगी

कहते है कि इस धरा पर जिसका भी जन्म हुआ गर उसने जनकल्याण की भावना से हर वह कार्य किया जो सूक्ष्म से सूक्ष्म जीव की सुरक्षा से दया भाव से जुडा हो और उसकी पहल करने के पूर्व वह स्वयं अपने जीवन में अंगीकार कर्ता है तो वह महान पूज्य और भगवान कहलाता ऐसे ही थे हमारे श्री महावीर स्वामी जी जिन्होंने अपने जीवन काल में जो भी कहा उसे पहले स्वयं धारण किया अतः आज भी वह अजर अमर है और उनके द्वारा दी गयी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। भगवान महावीर का जन्म- वैशाली गणराज्य के क्षत्रिय वंश में कुण्डल पुर गांव में चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी-ईसा पूर्व-599-में मां त्रिशला के घर आंगन में हुआ था, उनके पिता का नाम श्री सिद्धार्थ है। भगवान महावीर जी बचपन में उनका नाम वर्धमान रखा गया अतः वह पांच नामों से जाने जाते हैं, वर्धमान, वीर, अतिवीर, सन्मति और महावीर जी तो वही उनके वीतरागता धारण करते हुए मोक्ष के पायदान तक पहुंचने के क्रम में उनके पांच कल्याणक हुए जिसमें गर्भ कल्याणक, जन्म, तप, केवल्य ज्ञान और मोक्ष कल्याणक इसी क्रम वह 30 बर्ष की अल्पायु में संसार से विरक्त हुए एवं 12-बर्ष तक कठोर तप-तपस्या साधना करके केवल्यज्ञान-यानि सर्वज्ञान प्राप्त किया साधना के क्रम उन्होंने अहिंसा का संदेश देते समूचे धरा में भ्रमण किया और 72 बर्ष की आयु में बिहार प्रांत के श्री सिद्ध क्षेत्र पावापुरी-राजगीर में, ईसा पूर्व-527-में मोक्ष गये, निवार्ण प्राप्त किया भगवान महावीर स्वामी जी के पांच सिद्धांत आज भी अजर अमर है। 1-अहिंसा-जो कहती है कि किसी भी परस्थिति में हिंसा से बचते हुए सदैव शांति का पालन करें...

2-सत्य-समय या परस्थिति जो भी हो, सदैव प्रिय सत्य बोलते हुए अपने जीवन को ईमानदार बनाये

3-अस्तेय-कभी भी किसी और की वस्तु साम्रागी को बिना सहमति अनुमति के लेनी-उठानी नहीं चाहिए

4-ब्रह्मचार्य-अपने जीवन खान-पान सद् आचरण से संयमित जीवन के साथ जीना चाहिए और कामुकता से बचें

5-अपरिग्रह-कभी भी स्थिति परिस्थिति में भौतिक चीजों से मोह न रखें और सदैव सादा जीवन उच्च विचारों के संग साथ जिंदगी को जीये विश्व मैत्री भाव की सद् भावना से..

अतः सोचें विचारे कि जब हमारे श्री महावीर ऐसे थे तो हम कैसे हैं यही एक चिंतन जो हमें भी किसी न किसी भव मे महावीर बना सकता है तभी हम उनके जन्मोत्सव को मनाने का धर्म-कर्म पूर्ण कर सकते है।

- लेखक पूर्व महामंत्री प्रेस क्लब-रजि. ललितपुर

कंपनियों को राहत-गरीब पर बादशाहत..?

ट्रंप की टैरिफ टेरर से सभी देश बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। चीन ने तो पलट कर अमेरिका पर टैरिफ ही थोप दिए हैं, यूरोप भी अपनी तरह से काउंटर कर रहा है लेकिन भारत अभी असमंजस में है। ताजा हालात ये हैं कि इस आपदा को सरकार ने अपने लिये अवसर बना लिया है।क्रूड आइल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 5 डालर प्रति बैरेल गिर गई हैं ।भारत ने अमरीका से नेगोशिएट करने की बजाय पेट्रोल और डीजल पर ?2 प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है ।बता रही है कि उपभोक्ता पर इसका असर नहीं पड़ेगा, कंपनियां अपने हिस्से से कीमतों को स्थिर रखेंगीं ।यह कदम खजाने में वृद्धि तो कर देगा किंतु परिवहन मूल्य घटाकर मंहगाई को थामने का अवसर गंवा भी देगा।रक्षात्मक नीतियां बिना व्यूह रचना के ऐसे आक्रमणो से नहीं बचातीं बल्कि वे दीवार की तरफ धकेलतीं हैं। इसी तरह घरेलू गैस पर भी प्रति सिलेंडर ?50 दाम बढ़ा दिए गए हैं ,कीमतों में यह वृद्धि उज्जवला कनेक्शन की हितग्राही गरीब महिलाओं को भी बर्दाश्त करनी पड़ेगी। यह जानना प्रासंगिक होगा कि भारत में लगभग 32.94 करोड़ घरेलू गैस उपभोक्ता है जिनमें से 10.33 करोड़ उज्जवला के हितग्राही है यानी लगभग 31 प्रतिशत। भारत में औसतन प्रतिवर्ष 200.74 करोड़ सिलिंडर रीफिल होते हैं ।अतः इस मूल्य वृद्धि से सरकार की कंपनियां लगभग 10हजार 37 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित करना चाहतीं हैं ।इसी तरह पेट्रोलियम कंपनियों की कुल 37.1 मिलियन मेट्रिक टन पेट्रोल और 89.65 मिलियन मैट्रिक टन डीजल की खपत हो रही है जिसको लीटर में परिवर्तित करें तो 5 करोड़ लीटर प्रति दिन पेट्रोल और 10.6 करोड़ लीटर डीजल की खपत होती है ।दोनों को मिलाकर लगभग 1570 करोड़ लीटर पेट्रोल और डीजल की सालाना खपत है जिससे सरकार को एक्साइज ड्यूटी के खाते में लगभग 3 हजार 140 करोड़ की अतिरिक्त आय होगी।

अपने एक इंटरव्यू में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया था कि ईंधन में एथेनाल को मिलाने से सरकार ने 1लाख 6हजार करोड़ रुपये की बचत की है ।ब्लेंडिंग की यह मात्रा कुल खपत का 15 फीसदी तक पहुंच गई है।इससे हमारा आयात बिल भी घटा है लेकिन उपभोक्ता इस लाभ से पहले भी वंचित रहा था और अभी भी है जबकि क्रूड की कीमतें 67 डालर प्रति बैरल तक गिर गईं हैं।

भारत में गैस उत्पादन दो सरकारी कंपनियां ओएनजीसी एवं गेल करती है निजी क्षेत्र में रिलायंस यह काम कर रही है।इन कंपनियों के सालाना परिणाम बताते हैं कि ओएनजीसी को पहली और तीसरी तिमाही में क्रमशः 8 हजार 938 करोड़ तथा 9 हजार 784 करोड़ का मुनाफा बताया गया है। वहीं गेल ने तीसरी तिमाही में कंसालिडेटेड कुल मुनाफा 4 हजार 84 करोड़ घोषित किया है। मनमोहन सरकार में 2014 में इन कंपनियों ने जब 22 हजार 95 करोड़ का ही लाभ कमाया था तब भी उपभोक्ताओं को 450 रुपये में गैस सिलिंडर और 59 रुपये लीटर में पेट्रोल मिल रहा था जबकि आज 853 रुपये में सिलिंडर और 106 रुपये में पेट्रोल मिल रहा है। कंपनियों के ताजा परिणाम बताते हैं कि रिलायंस कंपनी की तो मार्केट कैप 2 लाख 42 हजार 203 करोड़ होकर ओएनजीसी की मार्केट कैप 2 लाख 38 हजार 270 करोड़ से भी आगे निकल गई है।कारण नीतिगत समर्थन भी हो सकता है और दक्षता भी लेकिन इतना तय है बाजार से संबद्ध होने के बावजूद उपभोक्ता के हिस्से की राहत उपभोक्ता को नहीं दी जा रही है।वह या तो इन कंपनियों की जेब भर रही है या सरकार का खजाना।

फीचर

हर समस्या का उपचार करती हैं स्त्री रोग विशेषज्ञ

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें।

कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

प्रेरणा

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमश अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है।

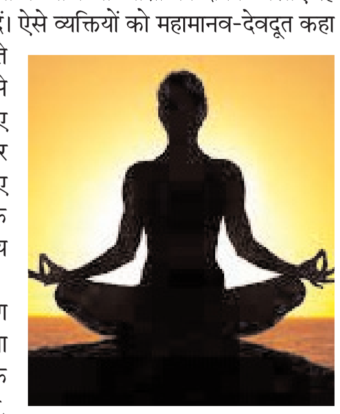

इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

अपनी बात

राहुल गांधी ने कहा कि हम ब्राह्मण, दलित, मुस्लिम में ही उलझे रह गए और ओबीसी समुदाय से कांग्रेस से दूर चला गया। हमें उन्हें जोड़ने का प्रयास करना होगा। इसके साथ ही उन्होंने 1993 में मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू करने और फिर 2006 में शैक्षणिक संस्थानों में भी ओबीसी आरक्षण देने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमें ओबीसी वर्ग पर फोकस करना है, जिनकी आबादी 50 प्रतिशत से अधिक है।

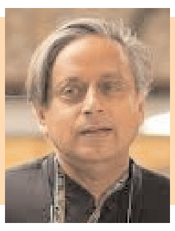

शशि थरूर कहा पार्टी को उन लोगों को वापस जोड़ने पर काम करना होगा, जो बीते तीन लोकसभा चुनावों में पार्टी से दूर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इसतरह के मतदाताओं को साथ लाना होगा, जिनके चलते वह सत्ता में आती थी। थरूर ने कहा कि यदि इन लोगों को वापस लाया गया, तब फिर पार्टी उस 19-20 प्रतिशत वाले आंकड़े से ऊपर उठेगी, जिसमें अब तक वह उलझी हुई है।

ब्रीफ न्यूज

आरोन थाने में धारदार बका के साथ आरोपी गिरफ्तार

गुना। जिले के आरोन थाना क्षेत्र में ने कस्बे के अलताफ खान को गिरफ्तार किया, जो हाथ में धारदार लोहे का बका लेकर किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को स्टेडियम वाली रोड पर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अलताफ खान निवासी गौड़ मोहल्ला आरोन बताया। आरोपी के पास से बका बरामद किया गया, जो बिना वैध लाइसेंस के था। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

धरनावदा पुलिस ने दबोचा सटोरिया

गुना। जिले की धरनावदा थाना क्षेत्र के चौकी झागर में पुलिस ने एक सट्टा कारोबारी को गिरफ्तार किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भौरा नदी के पास पुलिया पर एक व्यक्ति सट्टा अंक पर्ची लिखकर लोगों से धोखाधड़ी कर रहा था। सूचना मिलने पर पुलिसकर्मियों ने मिलकर छापेमारी की और आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम अनिल बाल्मीक निवासी ग्राम परवाह, थाना धरनावदा है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक सट्टा बुक, दो सट्टा पर्चियां, एक कार्बन टुकड़ा, लीट पेन और 5200 रुपये नगद जब्त किए। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह सट्टे की बुकिंग अर्जुन किरार को देता था और कमीशन प्राप्त करता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 4(क) सार्वजनिक ध्रुतक्रीड़ा अधिनियम और अर्जुन किरार के खिलाफ धारा 49 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया।

युवा संगम अन्तर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 23 अप्रैल को

गुना। प्रत्येक माह निर्धारित दिवस चौथे बुधबार को युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। इस सम्बन्ध में कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार कार्यक्रम समन्वय के लिए जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। जिला रोजगार अधिकारी बीएस मीना ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग/राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के समन्वय से जिला स्तर पर 23 अप्रैल को जिला पंचायत विश्राम गृह गुना में प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें एक ही मंच पर रोजगार व स्वरोजगार के लिए बेरोजगार युवाओं को लाभान्वित किया जाता है। इसमें प्रदेश की निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा रोजगार के लिए साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जावेगा। ऐसे बेरोजगार जिनकी योग्यता 8वीं/ 10वीं / 12वीं / स्नातक एवं आईटीआई हैं और 18 से 35 वर्ष की आयु वर्ग के भाग ले सकते है एवं संबंधित विभाग द्वारा अलग अलग स्वरोजगार/ हितग्राहीमूलक योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही ऐसे विभाग जिनमे स्वरोजगार एवं हितग्राहीमूलक योजना संचालित होती है। उनके हितग्राही को भी हितलाभ वितरण किया जायेगा।

किसान मूंग बेचने के लिए नहीं होंगे परेशान, राज्य सरकारों को कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत से अधिक खरीद को मिली मंजूरी

संसद में दिग्विजय सिंह की हुंकार ने दिलाया किसानों को न्याय

शिवराज सिंह चौहान ने लिखा दिग्विजय सिंह को पत्र

सत्ता सुधार ■ गुना

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह द्वारा बीते साल मूंग बेचने के लिए परेशान हो रहे किसानों की समस्या को संसद में उठाने के बाद इस वर्ष केंद्र सरकार ने अपनी गलती सुधार ली है। दिग्विजय ने राज्यसभा में मुद्दा उठाया था कि केंद्र सरकार व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किसानों को परेशान कर रही है। इसके बाद केंद्र सरकार हरकत में आई और अब साल 2024-25 के लिए 25 फीसदी खरीदी को मंजूरी देकर बकायदा दिग्विजय सिंह को भी सूचित किया है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय

कृषि मंत्री और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 28 मार्च 2025 को दिग्विजय सिंह को पत्र भेजा है। जिसमें बताया गया कि दिग्विजय सिंह द्वारा बीते साल 1 अगस्त 2024 को संसद में मूंग खरीदी से संबंधित मुद्दा उठाया गया था। इसे ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 2024-25 सत्र से मूल्य समर्थन (पीएसएस) के कार्यान्वयन के लिए राज्यों के लिए राष्ट्रीय उत्पादन का 25 प्रतिशत तक अधिसूचित दलहन, तिलहन और खोपरा की खरीद को मंजूर किया गया है, जिससे कोई भी राज्य उसके उत्पादन का 25 प्रतिशत से अधिक खरीद करने की स्थिति में होगा।

अचानक बंद कर दी थी खरीदी

दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में किसानों का मुद्दा उठाते हुए बताया था कि केंद्र सरकार ने साल 2024 में मूंग खरीद को लेकर अव्यवस्थाएं उत्पन्न कीं। मूंग खरीदी का पोर्टल बंद कर दिया गया, जिससे हजारों किसान परेशान हुए। वहीं जिन किसानों ने पंजीयन करा लिया था, उन्हें भी अपनी उपज तुलवाने में परेशानी हुई। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार ऐसा इसलिए कर रही है, ताकि मूंग खरीदने वाले व्यापारियों को लाभ हो सके और परेशान होकर किसान अपनी उपज औने-पौने दाम पर व्यापारियों के हवाले कर जाएं। दिग्विजय सिंह ने मूंग खरीदी की मात्रा बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने की मांग की थी, जिसे इस बार सरकार ने लागू किया है और कृषि मंत्री ने पंजीयन शुरु होने से पहले दिग्विजय सिंह को जानकारी भी भेज दी है।

विवाह से पहले युवती के परिजन को धमकी, कैंट थाने में मामला दर्ज

गुना। जिले के केंट थाना क्षेत्र के ग्राम हरिपुर निवासी एक पिता ने अपनी बेटी की शादी को लेकर धमकी दिए जाने की शिकायत थाना केंट में दर्ज कराई है। फरियादी बताया कि उसकी बेटी की शादी आगामी 6 मई को तय है, लेकिन गांव का ही युवक अजय आदिवासी इस विवाह में अड़चन डालने की कोशिश कर रहा है। फरियादी के अनुसार, अजय आदिवासी पहले भी उनकी बेटी को परेशान कर चुका है, जिसकी शिकायत पूर्व में थाने में की गई थी। उस समय पुलिस की समझाइश के बाद अजय ने परेशान करना बंद कर दिया था। लेकिन अब जब शादी की तारीख नजदीक आ गई है, तो अजय दोबारा सक्रिय हो गया। फरियादी पिता ने बताया कि गत सुबह करीब 9ः30 बजे अजय उनके घर की दुकान पर आया और बेटी से शादी न करने पर नाराजगी जताते हुए गाली-गलौज करने लगा। साथ ही धमकी दी कि यदि भारती की शादी किसी और से की गई तो वह फरियादी को जान से खत्म कर देगा। थाना केंट पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुना को मिलेगा गौ अभ्यारण एवं अनुसंधान केंद्र, केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने किया भूमिपूजन

सिंधिया ने गौ पूजा कर गऊ माता का लिया आशीर्वाद, कहा गऊ मां में होता है समस्त देवी देवताओं का वास

सत्ता सुधार ■ गुना

केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र के 4 दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के दूसरे दिन गुना में 27 करोड़ की लागत से बनने जा रहे 'गौ अभ्यारण एवं अनुसंधान केंद्र' का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने गौ माता की विधिवत पूजा कर भारत की सनातन परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित इस ऐतिहासिक पहल को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान उन्होंने गाय को भोजन भी कराया और आरती की। उक्त कार्यक्रम में अखिल भारतीय गौ सेवा प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अजीत महापात्र भी उपस्थित थे।

गौ माता में समस्त देवी-देवताओं का वास - सिंधिया

सिंधिया ने अपने संबोधन में कहा कि गाय की देह में समस्त देवी-देवताओं का वास होता है। गौ माता केवल एक दूध देने वाला पशु नहीं, बल्कि माता के रूप में पूजनीय हैं। उन्होंने हमें दूध दिया, घी दिया, गोबर, गौमूत्र दिया, और गोबर से यज्ञ आदि जैसे शुभ कार्य संभव हुए। यही भारत है।

यह अमेरिका नहीं भारत है, यहां हम गौ माता की पूजा करते हैं- सिंधिया

सिंधिया ने अपने संबोधन में कहा कि यह अमेरिका नहीं, यह यूरोप नहीं, यह कोई और देश नहीं, यह भारत माता का देश है, जहाँ हम गौ माता की पूजा करते हैं। यह हम सभी का दायित्व बनता है।

सनातन संस्कृति में पंच 'ग' का महत्व

केंद्रीय मंत्री ने भारतीय संस्कृति को सर्वोपरि मानते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में पंच ग गाय, गंगा, गायत्री, गीता और गोविंद का विशेष महत्व है। गंगा और गीता आत्मशुद्धि के प्रतीक हैं और गौ माता समस्त प्राणियों की माता के रूप में पूजनीय हैं। सिंधिया ने अपने भाषण ने ग्वालियर स्थित गौशाला का उदाहरण दिया जहां ग्वालियर नगर निगम और गौशाला ने साथ मिलकर गौशाला में कम्प्रेस बॉयोगैस प्लांट की स्थापना की है जहां से उत्पादन होने वाले गैस का प्रयोग नगर निगम की गाड़ियों में किया जा रहा है। सिंधिया के कहा कि ग्वालियर से प्रेरणा लेकर हमें गुना में भी यही मॉडल स्थापित करना चाहिए जहां नगर पालिका (जो जल्द ही नगर निगम होने वाला) है वह केंद्र के साथ मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करें।

राजमाता की परंपरा से लेकर आज तक गौ सेवा में समर्पित सिंधिया परिवार

केंद्रीय मंत्री ने साझा किया कि 1975 में ग्वालियर महल परिसर में राजमाता जी ने एक छोटी सी गौशाला की शुरुआत की थी। यह गौशाला आज भी ग्वालियर जय विलास पैलेस में उपस्थित है और जिसकी देखरेख आज मेरी बेटी कर रही हैं।

सीईओ जिला पंचायत गुना ने बनवाया पहला रूफ वाटर हार्वेस्टिंग

सत्ता सुधार ■ गुना

जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 अंतर्गत जिले में विभिन्न विभागों को जल संचय एवं संवर्धन हेतु आमजनों को प्रेरित कर जन सहयोग से रूफ वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य कराये जाने के निर्देश कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा सोमवार को अयोजित टीएल समीक्षा बैठक में दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गुना द्वारा प्रेरित होकर शासकीय भवन में स्वयं के व्यय से जिले का पहला रूफ वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य प्रारंभ करा दिया गया है व जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वह भी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' अंतर्गत अपने निजी व शासकीय भवनों पर जल संचय को दृष्टिगत रखते हुये रूफ वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य कराये। जिससे भविष्य में आने वाली पीढ़ी को जल की समस्या न हो।

ग्राम पंचायत सियाखेड़ी में प्रारंभ हुआ रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग निर्माण

इस क्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राघौगढ़ श्रीमति मोनिका झारिया ने बताया कि आज जनपद पंचायत राघौगढ़ क्षेत्रांतर्गत समस्त ग्राम पंचायतों में रूप वाटर हार्वेसिंटग के कार्य (प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों, पंचायत भवनों, स्कूल, आंगनबाड़ी भवन इत्यादि में) लिये जाकर प्रारंभ कराये जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक जल संरक्षण हो सके। इसी क्रम में आज ग्राम पंचायत सियाखेड़ी के पंचायत भवन में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया।

सड़क किनारे पलटा तेल के पीपों से भरा ट्रक, लाखों का नुकसान

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के फोरलेन हाइवे पर एक बड़ा हादसा टल गया, जब एक भारी मालवाहक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन ट्रक में भरे तेल के पीपों के क्षतिग्रस्त हो जाने से करीब 15 लाख रुपये के माल के नुकसान की जानकारी सामने आई है। घटना बुधवार सुबह लगभग 4ः30 बजे की है, जब ट्रक क्रमांक यूपी 31 एटी 0646 नेपाल से लखनऊ की ओर जा रहा था। ट्रक में बड़ी मात्रा में तेल के ड्रम लदे हुए थे। जैसे ही ट्रक सकतपुर रोड स्थित पुलिया के पास पहुंचा, अचानक हाइवे पर एक व्यक्ति के आने से ड्राइवर ने वाहन को बचाने के प्रयास में ट्रक पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वह पलटकर हाइवे से नीचे जा गिरा। ट्रक चालक शब्बीर अहमद ने बताया कि उसने सामने

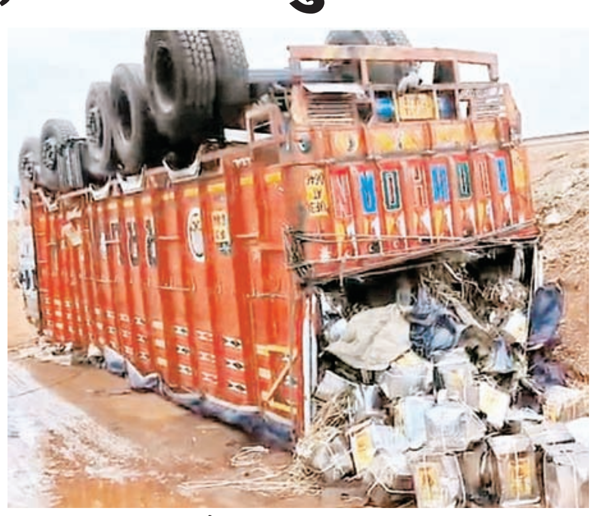

अचानक आए व्यक्ति को बचाने के लिए स्टीयरिंग तेजी से घुमाई, लेकिन तेज गति और संतुलन बिगड़ जाने के कारण ट्रक सड़क की रैलिंग तोड़ते हुए नीचे पलट गया। ट्रक चालक को हल्की चोटें आई हैं, जबकि किसी राहगीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हादसे के बाद हाइवे पर कुछ देर के लिए आवागमन प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैफिक को नियंत्रित किया। वहीं, क्रेन की मदद से ट्रक को सीधा करने की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक के कागजातों की भी जांच की जा रही है।

कलेक्टर की तत्परता से दिव्यांगजनों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

गुना। जिला प्रशासन गुना ने एक बार फिर संवेदनशील और जनहितैषी प्रशासनिक कार्यप्रणाली का परिचय दिया है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट भवन की विगत 09 माह से बंद पड़ी लिफ्ट को केवल 72 घंटे में पुनः क्रियाशील कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि यह लिफ्ट 9 जुलाई को वोल्टेज संबंधी समस्या के चलते बंद हो गई थी, जिससे दिव्यांगजनों, वृद्धजनों एवं अन्य आगंतुकों को कार्यालयीन कार्यों के लिए अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। हाल ही में कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान यह स्थिति उनके संज्ञान में आई। उन्होंने तत्काल संबंधित विभाग को लिफ्ट मरम्मत के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कन्याल की सक्रियता एवं मानवीय दृष्टिकोण का परिणाम यह रहा कि लिफ्ट को महज तीन दिन में पुनः प्रारंभ कर दिया गया। इसके सुचारु होने से दिव्यांग और वृद्धजनों ने राहत की साँस ली और उनकी मुस्कान प्रशासन की सफलता की साक्षी बनी। आज प्रशासन की इस पहल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अनेक आगंतुकों ने कहा कि अब उन्हें बिना असुविधा के कार्यालयीन कार्यों के लिए पहुँचना संभव हो सका है।

डी-सीआरजी समिति की बैठक संपन्न, एचआईवी/ एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर दिया गया विशेष जोर

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक, भेदभाव रहित समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में एचआईवी/एड्स के संबंध में जागरूकता एवं भेदभाव-मुक्त वातावरण निर्माण हेतु आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय डी-सीआरजी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने की, जिसमें विभिन्न विभागों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि एचआईवी/एड्स को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में जागरूकता शिविरों का आयोजन कर लोगों को सही जानकारी प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि एचआईवी कोई छूने से फैलने वाली बीमारी नहीं है। इससे जुड़े मिथकों को दूर करना हमारी प्राथमिकता

होनी चाहिए। कलेक्टर श्री कन्याल ने सुझाव दिया कि जनसुनवाई जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी जागरूकता स्टॉल लगाए जाएं ताकि आम नागरिकों तक सीधे संवाद के माध्यम से सही जानकारी पहुँचे। इसके साथ ही उन्होंने प्रचार-प्रसार की गतिविधियाँ और सघन करने के निर्देश दिए तथा समिति की मासिक बैठक नियमित रूप से आयोजित करने पर बल दिया।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर ने एचआईवी संक्रमण के चार प्रमुख कारणों संक्रमित रक्त चढ़ाना, संक्रमित सुई-सिरिंज का साझा प्रयोग, असुरक्षित यौन संबंध तथा संक्रमित मां से शिशु में संक्रमण की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने कहा कि समुचित जानकारी और सतर्कता ही संक्रमण से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर जिला क्षय अधिकारी डॉ. अमित श्रीवास्तव, प्रोजेक्ट मैनेजर श्री केशव झा (टीआई) सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे समाज में एचआईवी/एड्स को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए मिलकर कार्य करेंगे, ताकि एक समावेशी और संवेदनशील समाज का निर्माण संभव हो सके।

ज्ञापन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याओं से अवगत कराया

सिंधिया को धुलाई सेंटर संचालकों ने सौंपा ज्ञापन, बोले-रोजी-रोटी पर न पड़े आंच

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के धुलाई सेंटर संचालकों की रोजी-रोटी पर खतरा मंडरा गया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के खिलाफ दर्जनों सेंटर संचालकों ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने गुहार लगाई कि दो महीने तक सेंटर बंद रखने का फैसला उनके लिए भारी संकट खड़ा कर देगा। सिंधिया ने उनकी बात गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि उनकी आजीविका पर आंच नहीं आने दी जाएगी और कलेक्टर से चर्चा कर यथोचित समाधान निकालेंगे।

दरअसल, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल ने मध्यप्रदेश पेयजल

परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3(1) एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले में संचालित सभी वाहन धुलाई सेंटरों को 8 अप्रैल से 7 जून 2025 तक के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इस आदेश से शहर के सेंटर संचालकों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि जल संरक्षण जरूरी है, लेकिन बिना वैकल्पिक व्यवस्था या आर्थिक सहायता के इस तरह दुकानें बंद करवाना उनके पेट पर लात मारने जैसा है। सेंटर संचालक जगदीश शर्मा और बसंत जैन ने बताया कि हमारी दुकानों से कई परिवारों का भरण-पोषण होता है। दो-दो, तीन-तीन लड़के काम करते हैं, अब वे भी बेरोजगार हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे पानी का दुरुपयोग नहीं करते, बल्कि प्रेशर पंप के माध्यम से सीमित पानी में ही वाहनों की सफाई करते हैं। दुकानदारों ने बताया कि उन्होंने अपनी बात को मजबूती से सिंधिया के समक्ष रखा और उन्हें ज्ञापन सौंपा। सिंधिया ने इस पर सहानुभूति जताते हुए कहा कि प्रशासन से बात कर रास्ता निकाला जाएगा, ताकि जल संरक्षण भी हो और गरीब दुकानदारों की आजीविका भी सुरक्षित रहे।

जमीन विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्ष भिड़े

गुना। जिले के राघौगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खैरा में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच पुराने जमीनी विवाद को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट और धमकी तक पहुंच गया। इस घटना में दोनों पक्षों से कुल तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले पक्ष से फरियादी समरथ सिंह गुर्जर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि जब वह अपने घर के बाहर बैठे थे, तभी उनके भतीजे थोवन सिंह और भूरा गुर्जर आए और जमीन को लेकर गाली-गलौच करने लगे। विरोध करने पर भूरा गुर्जर ने लाठी से उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी पीठ और बांये हाथ में चोट आई। समरथ सिंह के अनुसार, उनके बेटे रमेश और पत्नी सुनीता उन्हें बचाने आए तो उन पर भी हमला किया गया। रमेश को सिर और हाथ में चोटें आई, जबकि सुनीता बाई को थप्पड़ मारे गए। समरथ ने यह भी आरोप लगाया कि जाते-जाते दोनों ने जान से मारने की धमकी दी। वहीं दूसरी ओर, दूसरे पक्ष से भूरा गुर्जर ने भी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसके अनुसार, जब वह आरोन से घर लौट रहे थे और रमेश गुर्जर के घर के पास से निकले, तो रमेश ने उन्हें आवाज देकर बुलाया और गालियां देने लगा।

नॉनस्टिक बर्तन हैं तो ये बातें रखें ध्यान

नॉनस्टिक बर्तनों पर केमिकल कोटिंग लगी रहती है, जरा-सी लापरवाही से इस कोटिंग के हटने का खतरा रहता है। नॉनस्टिक बर्तनों का इस्तेमाल करना जितना आसान होता है, उतना ही आसान उनका खराब होना भी होता है। नॉनस्टिक बर्तनों को बाद में साफ करने के लिए सिंक में इकट्ठा करने की जगह, उसे तुरंत ही साफ करके एक ओर रख दें। नॉनस्टिक पैन और तवे की सफाई के लिए हल्के साबुन और डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। नॉनस्टिक बर्तनों के लिए नायलॉन और स्टील के जूने का इस्तेमाल भूलकर भी न करें। इसके लिए स्पंज वाले पैड का इस्तेमाल करें। बर्तन धोने के बाद इसे साफ कपड़े से पोंछकर रख दें।

चाकू और चम्मच देंगे साथ

चाकू या छुरी किचन के बेहद महत्वपूर्ण उपकरण हैं। इनकी धार अगर तेज नहीं होगी, तो आपका काम रुक जाएगा। सब्जी काटते हुए आपको झुंझलाहट होने लगेगी। इस समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि चाकू की सफाई के लिए आप उसे सिंक में डालने की गलती न करें। सब्जी काटने के चाकू को किसी कपड़े से पोंछकर उसे उसके लिए निर्धारित जगह पर रख दें। चाकू को धोकर उसका पानी सूखने के लिए छोड़ देने की गलती न करें। उसे हमेशा कपड़े से पोंछ कर रखें। चाकू को ऐसे ही किसी दराज में खुला न रख दें, इससे इसकी धार तो खराब हो ही जाती है, साथ ही उंगली कटने का खतरा भी रहता है। कटलरी आइटम्स जैसे चम्मच, कांटा आदि को खासतौर पर कटलरी के लिए बने बॉक्स में ही रखें। अगर आप अपनी सारे कटलरी आइटम्स का नियमित तौर पर इस्तेमाल नहीं भी करती हैं, तो भी थोड़े-थोड़े समय पर उसकी साफ-सफाई करती रहें।

नॉनस्टिक में ऐसे पकाएं खाना

नॉनस्टिक बर्तन चिकना होता है इसलिए उसमें खाना पकाना बेहद आसान होता है। इसमें बना खाना ज्यादा सेहतमंद होता है क्योंकि इसमें ज्यादा तेल डालने की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन, नॉनस्टिक बर्तन में खाना बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखने की जरूरत होती है। मसलन, नॉनस्टिक बर्तन को कुकिंग करने से पहले से ही गर्म करके न रखें। ज्यादा तेज आंच पर नॉनस्टिक में खाना न पकाएं और न ही इसमें खाना बनाने के लिए स्टील की कड़छी और पलटे का इस्तेमाल करें। अगर इस पर कोई चीज चिपक गई है, तो उसे छुड़ाने के लिए चाकू या किसी अन्य नुकीली चीज का इस्तेमाल न करें, इससे बर्तन की कोटिंग उतरने का खतरा रहता है। नॉनस्टिक बर्तन में खाना बनाने के लिए लकड़ी की कड़छी या स्टैपुला का ही इस्तेमाल करें। अगर नॉनस्टिक बर्तन में लगा हुआ कोट उतर जाए तो वह खाने में मिल सकता है। यह स्थिति सेहत के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकती है।

लकड़ी का सामान

किचन में इस्तेमाल की जाने वाली लकड़ी से बनी चीजों मसलन चॉपिंग बोर्ड, नॉनस्टिक बर्तनों के लिए इस्तेमाल होने वाला स्टैपुला, चकला-बेलन आदि चीजों को इस्तेमाल के बाद तुरंत ही साफ करके सूखी जगह पर रख दें। इन्हें बहुत देर तक पानी में भिगोकर ना रखें क्योंकि लकड़ी की चीजें ज्यादा देर तक पानी में रहें तो खराब होने लगती हैं।

माइक्रोवेव देगा आपका साथ

स्मार्ट किचन की सबसे बड़ी जरूरत बन गए हैं माइक्रोवेव। इनकी मदद से आप फटाफट खाना बना सकती है। मैगी, पास्ता बनाने के साथ-साथ मूंगफली, ड्राई फ्रूट्स को जरा-सी देर में रोस्ट कर सकती हैं, लेकिन इसकी देखरेख में सावधानी बरतने की जरूरत है। माइक्रोवेव में कुकिंग करते समय हमेशा माइक्रोवेव प्रूफ बर्तनों का इस्तेमाल करें। खाना पकाते समय उसे ढंक कर पकाएं। जितना जरूरी हो, उतना ही पानी डालें। अगर इस्तेमाल करते समय कुछ गिर गया है, तो बाद में साफ कर लूंगी, सोच कर उसे छोड़ न दें, तुरंत साफ कर लें। समय-समय पर माइक्रोवेव के अंदर की सफाई करें। इसके अलावा माइक्रोवेव को साफ करने के लिए एक कटोरी पानी में आधा नीबू काटकर पांच मिनट के लिए माइक्रोवेव को ऑन करके छोड़ दें। इससे माइक्रोवेव न सिर्फ साफ होगा, बल्कि सारी बदबू भी दूर हो जाएगी। माइक्रोवेव को हमेशा गैस से दूर रखें। समय-समय पर उसकी सर्विसिंग भी करवाती रहें।

ध्यान से पढ़ें मैनुअल

किचन के सामान का सही इस्तेमाल और उसकी सही देखभाल के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप उसे इस्तेमाल करने से पहले, उसके साथ मिले हुए मैनुअल को अच्छी तरह से पढ़ें। हम में से अधिकांश लोग मैनुअल पढ़ते ही नहीं हैं। इससे आपको पता चलेगा कि उस सामान को कैसे इस्तेमाल में लाना है और उसकी साफ-सफाई कैसे करनी है। इन सारी चीजों के अलावा उस वस्तु की सर्विसिंग कितने-कितने समय बाद करानी चाहिए और आप कितने समय तक कंपनी से फ्री सर्विसिंग करवा सकती हैं, इन सारी बातों की भी जानकारी होती है। मैनुअल में लिखे दिशा-निर्देशों को अपनाकर आप अपने सामान की उम्र कई साल बढ़ा देंगी।

ऑफिस में दिल टूटे तो आप क्यों टूटें

ऑफिस के साथी से रोमांस जितना टीवी सीरियलों में देखने में दिलचस्प लगता है वास्तव में ऐसा नहीं होता। उस पर यदि आपका ब्रेकअप हो जाए तो उस व्यक्ति के साथ एक ही ऑफिस में बैठकर काम करना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में खासकर युवतियों को नौकरी छोड़ना एकमात्र विकल्प नजर आता है। लेकिन फिर से नौकरी ढूंढ़ना, अपनी साख बनाना बहुत लंबा व मेहनत भरा काम है।

डरें नहीं

यदि आपका एक्स आपको बदनाम करने की कोशिश करे, तो डरे नहीं। सबसे बेहतर होगा कि आप अपने काम से काम रखें। अपने काम में आप जितनी अच्छी होंगी कोई आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा। अगर बात हद से बढ़ जाए, आपको लगता है आप ब्लैक मेल का शिकार हो रही हैं, तो अपने बॉस को जरूर बताएं।

अपने ऑफिस में किसी साथ काम करने वाले से प्यार हो जाना एक आम बात है, क्योंकि दिन का एक लंबा वक्त ऑफिस में ही बीतता है। पर ऑफिस के साथी से रोमांस जितना टीवी सीरियलों में देखने में दिलचस्प लगता है वास्तव में ऐसा नहीं होता। उस पर यदि आपका ब्रेकअप हो जाए तो उस व्यक्ति के साथ एक ही ऑफिस में बैठकर काम करना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में खासकर युवतियों को नौकरी छोड़ना एकमात्र विकल्प नजर आता है। लेकिन फिर से नौकरी ढूंढ़ना, अपनी साख बनाना बहुत लंबा व मेहनत भरा काम है। दूसरा रुपये-पैसे का नुकसान भी होता है। आइए जाने कैंसे आप निजी व दफ्तर की जिंदगी में सामंजस्य बिठाते हुए ब्रेकअप होने के बाद भी उसी नौकरी में भलीभांति काम कर सकती हैं।

बात करके स्पष्ट करें

साइकोलॉजिस्ट पल्लवी जोशी बताती हैं कि बहुत जरूरी है कि जिसके साथ आपका ब्रेकअप हुआ है, उसके साथ कुछ दायरे सुनिश्चित कर लिए जाएं, क्योंकि आखिरकार आपको काम एक साथ ही करना है। इसलिए आप अपने एक्स पार्टनर के साथ बात करके यह निर्धारित कर लें कि जब कोई काम होगा या कोई प्रोजेक्ट हैंडल करना होगा, तभी हम बात करेंगे। काम के अलावा हमारे बीच कोई भी बात नहीं होगी। ऐसा करने से आप दोनों को अपने दायरे का एहसास होगा और बिना वजह की कन्फयूजन से मुक्ति मिलेगी और नौकरी भी सही प्रकार से चलती रहेगी। धीरे-धीरे कड़वे हो गए रिश्ते की चुभन, अफसोस और लगाव भी खत्म हो जाएगा।

प्रोफेशनल बनें

भले ही कितना भी मुश्किल क्यों ना हो, आपको काम के वक्त अपनी भावनाओं को नियंत्रण में रखना है। झगड़े व बहस से न सिर्फ आपके लिए ऑफिस में बहुत अजीब सी स्थिति पैदा हो जाएगी, आप दफ्तर में बहुत ही अनप्रोफेशनल नजर आएंगी। याद रहे, जब भी आप ऑफिस में प्रवेश करें तो अपने उस रिश्ते को बाहर छोड़कर आएं।

काम पर ध्यान लगाएं

सबसे प्रभावशाली मूलमंत्र है कि आप अपने काम से काम रखें और उससे बात करने से बचें। गलती से भी अगर आप दोनों को एक ही काम सौंपा गया है, तो इससे परेशान न हों और अपने हिस्से का काम पूरा करके रिपोर्ट उस कलीग को दे दें। उसे बता दें कि आपने अपनी तरफ से काम पूरा कर लिया है। क्योंकि काम न होने की स्थिति में निजी तनाव की वजह से आपका विवाद झगड़े में बदल सकता है। उदाहरण के लिए आप दोनों को दिए गए काम में अगर आपने जरा भी देरी की, तो उसका गुस्सा आप पर फूट सकता है। इसलिए हमेशा समय से पहले ही काम कर लें।

दूरी बनाएं रखें

अकसर आपने राह चलते वाहनों के पीछे 'प्लीज मेंटेन द गैप' लिखा देखा होगा, ऐसा इसलिए लिखा होता है, क्योंकि हो सकता है कि अगर वह गाड़ी को अचानक ब्रेक लगा दे तो आपको नुकसान न पहुंचे। इसलिए झगड़े से बचने के लिए उस व्यक्ति से हमेशा दूरी बनाए रखें। उसकी बुराई करना या बार-बार उससे उलझने की गलती करना आप पर भारी पड़ सकता है। जितना हो सके दूरी बनाकर रखें।

न फंसे गॉसिप के चक्कर में

आठ घंटे की ऑफिस शिफ्ट में किसी से आपकी बहुत दोस्ती हो जाती है, ऐसे में बहुत स्वाभाविक है कि आप अपने मन का गुबार निकालने के लिए अपने एक्स पार्टनर की गलती के बारे में उससे बात करें, उसकी बुराई करें। लेकिन ऐसा करने से न सिर्फ आपके एक्स के बारे में अन्य साथियों की सोच में परिवर्तन आता है, साथ ही आपकी प्रोफेशनल छवि भी खराब होती है। अगर आपको मन की शांति के लिए बात करनी भी है तो ऑफिस के बाहर के किसी अन्य व्यक्ति से करें। ऑफिस के लोगों से कभी बात न करें।

बनाएं दूरी

जितना हो सके, अपने एक्स से किसी भी काम के लिए बात करने से बचें। किसी भी ऑफिस पार्टी या अन्य किसी स्थिति में उससे घुलने-मिलने की कोशिश न करें। यदि आप टी ब्रेक या लंच के लिए एक साथ कैंटीन में जाते थे। तो अपने टी ब्रेक व लंच का समय बदल दें, ताकि आपका आमना-सामना ही न हो। यदि आप किसी कॉमन प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो अपनी बात को मेल द्वारा ही साझा करें।

इन बातों से घर में रहेगी सकारात्मक ऊर्जा भरपूर

घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे, इसके लिए जरूरी है कि मुख्य द्वार हमेशा साफ-सुथरा हो। मुख्य द्वार पर पानी का फाउंटेन लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। इसके अतिरिक्त मुख्य द्वार पर हरे-भरे पौधे रखें।

घर में प्रवेश करते ही रोशनी होनी चाहिए। यदि वहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती है तो वहां हमेशा एक लाइट जलाकर रखें। मुख्य द्वार के पास की दीवारों का रंग गहरा नहीं होना चाहिए क्योंकि वास्तु के अनुसार यह सकारात्मकता को सोख लेता है। दरवाजे पर कपूर जलाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

घर में रोशनी का करें खास इंतजाम

घर जितना रोशन होगा, उतनी ही सकारात्मकता आएगी। घर में लाइटिंग का खास इंतजाम करें। यदि आपको अच्छा लगता है तो रंग-बिरंगी लाइट भी लगवा सकती हैं। पर, ध्यान रहे कि वह लाइट इतनी चमकदार हो कि घर में अंधेरा न रहे। घर की लॉबी हमेशा रोशन रहनी चाहिए, क्योंकि वहां आकाश तत्व होता है।

सकारात्मक संदेश लगाएं

अपने कमरे या लिविंग रूम में कुछ सकारात्मक संदेश, खुशहाल तस्वीर, प्रेरणादायी बातें लगाएं। इन सब से आप खुद को हमेशा उत्साह से परिपूर्ण महसूस करेंगी।

हर सुबह खिड़की दरवाजे खोलें

घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखने के लिए हर सुबह घर के खिड़की-दरवाजे खोलें। जो घर हमेशा बंद रहता है, वह बेहद नीरस तथा अंधकारमय नजर आता है। घर में हवा व धूप के आने से सकारात्मकता का संचार होता है।

घर हो खुशबू भरा

एक सकारात्मक माहौल बनाने के लिए घर का खुशबूदार होना जरूरी है। ध्यान रखें कि आपके घर यदि कुछ भी बदबूदार वस्तु हो तो उसे बाहर निकाल दें। घर में खुशबूदार फूल, अरोमा ऑयल या मोमबत्ती जलाकर कर रखें। घर को खुशबूदार बनाने के लिए अरोमाथेरेपी का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

हरे-भरे पौधे लगाएं

घर में हरे-भरे पौधे व

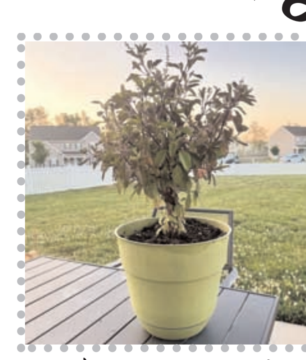

खूबसूरत पौधे सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं। इसके लिए आप बिल्कुल सस्ते पौधे जैसे मनी प्लांट, एरोकेरिया आदि लगा सकती हैं। इनका रख-रखाव भी आसान होता है। अगर हो सके तो घर के आंगन में एक छोटा सा बगीचा जरूर बनाएं।

धांसू ओपनिंग लेने की तैयारी में गुड बैड अग्ली, एडवांस बुकिंग में मचाया धमाल

अभिनेता अजित कुमार की फिल्म गुड बैड अग्ली लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। आइए जानते हैं कि इस फिल्म ने अब तक एडवांस बुकिंग से कितनी कमाई कर ली है। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार अजित कुमार की नई फिल्म गुड बैड अग्ली जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म में दर्शकों को जबर्दस्त एक्शन ड्रामा देखने को मिलेगा। इस फिल्म का निर्देशन अधीक रविचंद्रन ने किया है। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। टिकट खिड़की पर इसे शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसा लग रहा है कि यह फिल्म पहले वीकएंड पर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा सकती है।

एडवांस बुकिंग में कमाल दिखा रही गुड बैड अग्ली

6 मार्च 2025 को शाम 6 बजे के आंकड़े के अनुसार गुड बैड अग्ली ने तमिल बॉक्स ऑफिस पर पहले सप्ताहांत के लिए (10 से 13 मार्च) के लिए करीब 15 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग दर्ज की है। खास बात यह है कि पहले दिन की बुकिंग अकेले सात करोड़ 85 लाख पये तक पहुंच गई है, जिसे एक शानदार शुरुआत का संकेत माना जा रहा है। इसके बाद दूसरे दिन दो करोड़ 45 लाख, तीसरे दिन दो करोड़ 40 लाख और चौथे दिन दो करोड़ 35 लाख रुपये की एडवांस बुकिंग हुई है। चार दिनों का कुल कलेक्शन अभी तक 15.05 करोड़ रुपये है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

क्या बन पाएगी अजित की सबसे बड़ी ओपनर?

फिल्म की रिलीज में अभी चार दिन बाकी हैं और यह रफ्तार देखकर लगता है कि गुड बैड अग्ली एडवांस बुकिंग में और भी कमाल कर सकती है। फिल्म की शानदार एडवांस बुकिंग के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह फिल्म अजित कुमार के करियर की सबसे बड़ी ओपनर बन पाएगी? उनकी फिल्म वलीमई ने पहले दिन 28 करोड़ रुपये की कमाई की थी। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या गुड बैड अग्ली इस रिकॉर्ड को तोड़ पाएगी।

विदामुयार्ची रही थी फ्लॉप

अजित कुमार की पिछली फिल्म विदामुयार्ची फरवरी 2025 में रिलीज हुई थी, लेकिन यह दर्शकों को प्रभावित करने में नाकाम रही। बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इसे टिकट खिड़की पर फ्लॉप करार दिया गया।

जाट से होगी फिल्म की टक्कर

गुड बैड अग्ली 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बड़े पर्दे पर इसकी टक्कर जाट से होगी। फिल्म में सनी देओल, विनीत सिंह और रणदीप हुड्डा नजर आने वाले हैं। गदर 2 की शानदार सफलता के बाद सनी के फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

रेंगते हुए 100 करोड़ के पार पहुंची सिकंदर

बॉक्स ऑफिस पर छावा अब भी मजबूती से टिकी हुई है। वहीं, सिकंदर और एल 2 एम्पुरान की कमाई की रफ्तार काफी धीमी हो चुकी है। आइए इन फिल्मों के रविवार के कलेक्शन के बारे में जानते हैं। सिनेमाघरों के लिए बीता रविवार एक रोमांचक और सबक देने वाला दिन रहा। जहां कुछ फिल्में उम्मीदों के बोझ तले दबती नजर आईं, वहीं एक फिल्म ने अपनी मजबूत पकड़ से सभी को चौंका दिया। 06 अप्रैल 2025 को बॉक्स ऑफिस पर सलमान खान की सिकंदर और मोहनलाल की एल 2 एम्पुरान जैसी बड़ी रिलीज से टिकट खिड़की पर धमाल की उम्मीद थी, लेकिन दोनों ही फिल्मों ने निराश किया। दूसरी ओर, छावा ने अपनी शानदार सफलता की कहानी को और मजबूत करते हुए दर्शकों का दिल जीतना जारी रखा।

सिकंदर का हाल बेहाल

लगभग 200 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में तैयार सिकंदर की कमाई की रफ्तार शुरू से ही सुस्त रही है। शनिवार को महज तीन करोड़ 75 लाख रुपये कमाने के बाद रविवार को हल्का सुधार जरूर दिखा, लेकिन सलमान की स्टारडम को देखते हुए यह आंकड़ा बेहद कम माना जा रहा है। कई सिनेमाघरों में इसके शो को घटाया जा रहा है और कुछ जगहों पर इसे हटाकर दूसरी फिल्मों को मौका दिया जा रहा है, जो फिल्म की मुश्किल स्थिति को साफ बयां करता है।

अमेरिकी इंटरनेट पर वायरल हो रहे ऋतिक

एक पोस्ट ने छेड़ दी सोशल मीडिया पर बहस

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन अमेरिकी इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं। एक यूजर की पोस्ट ने वहां कि सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन हाल ही में अमेरिका के इंटरनेट पर वायरल हो गए। एक सोशल मीडिया पोस्ट ने अभिनेता को लेकर ट्विटर पर बहस शुरू कर दी। दरअसल, एक यूजर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें ऋतिक को 50 साल की उम्र में भी युवा दिखाया गया। इसके बाद से यह पोस्ट तेजी के साथ वायरल होने लगी। वायरल पोस्ट में ऋतिक रोशन को एक बूढ़े अमेरिकी व्यक्ति के साथ दिखाया गया। दोनों में तुलना कि गई कि पुराने दौर के लोग 50 वर्ष में कैसे दिखते थे और अब के लोग 50 वर्ष में कैसे दिखते हैं। पोस्ट में लिखा है, '1985 में 50 वर्षीय बनाम 2025 में 50 वर्षीय।' यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गई, जिसे 48,000 से ज्यादा लाइक और लगभग 6 मिलियन व्यू मिले। पोस्ट के वायरल होते ही अमेरिकी सोशल मीडिया पर ऋतिक की पोस्ट को लेकर बहस छिड़ गई। जो लोग ऋतिक को नहीं जानते, उन्होंने पूछा, 'वह कौन हैं?' फैंस ने उनका परिचय बॉलीवुड के सुपरस्टार के तौर पर दिया। उन्हें भारत का सबसे हैंडसम और सफल अभिनेता भी बताया गया। हालांकि, कुछ फैंस ने ऋतिक की दूसरे व्यक्ति के साथ की गई तुलना को ठीक नहीं माना। उन्होंने कहा, 'शर्त है कि ज्यादातर लोग नहीं जानते कि दाईं ओर वाला लड़का कौन है। ऋतिक रोशन बॉलीवुड में एक मेगा सुपरस्टार हैं। नहीं, आम लोग 50 साल की उम्र में भी बाईं ओर वाले लड़के की तरह दिखते हैं। आप एक अभिनेता की तुलना एक आम आदमी से कर रहे हैं।' एक प्रशंसक ने टिप्पणी करते हुए लिखा, 'ऋतिक रोशन ग्लोबल हो गए हैं।'

क्यों संजय दत्त और मौनी रॉय की अगली फ़िल्म द भूतनी बॉक्स ऑफ़िस पर धमाल मचाएगी

मौनी रॉय ने खुद को एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है जो कभी भी किसी ऐसे रोल के लिए मना नहीं करती जो उन्हें प्रदर्शन करने का पूरा मौक़ा देती हो। और उन्होंने अपनी बॉलीवुड डेब्यू गोल्ड और फिर ब्रह्मास्त्र में उन्होंने जो जुनून का नकारात्मक किरदार निभाकर खुद को साबित किया है।

अब वह द भूतनी के साथ बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार, जिसमें वह मोहब्बत नाम की मुख्य भूमिका निभा रही हैं, मौनी इस फ़िल्म में संजय दत्त के साथ अपोजिट नज़र आएंगी, जो इस फ़िल्म में एक भूत भगाने वाले की भूमिका निभा रहे हैं। जो कोई यह सोच रहा है कि अभिनेत्री वही किरदार क्यों निभा रही हैं, जो वह पहले छोटे और बड़े पर्दे पर निभा चुकी हैं, तो हम आपको बताते हैं कि इस फिल्म का दर्शकों पर असर इसी कारण से होगा—मौनी और उनकी सुपरनेचुरल पात्रों पर पकड़, और जिस कुशलता से वह इन किरदारों को निभाती हैं, जिससे वे दर्शकों से जुड़ जाते हैं और साथ ही अपनी उपस्थिति से उन्हें आकर्षक भी बनाती हैं।

नागिन सीजन 1 और 2 में इच्छाधारी नागिन शिवन्या और शिवांगी के किरदारों ने मौनी को प्रसिद्धि और पहचान के एक नए स्तर पर पहुंचा दिया। इसके बाद उन्होंने ब्रह्मास्त्र में खलनायिका जुनून का किरदार निभाया। अपनी आगामी रिलीज में भूत मोहब्बत के रूप में उनकी भूमिका उनके करियर का तीसरा सुपरनेचुरल किरदार है। मौनी ने यह साबित कर दिया है कि वह जो भी किरदार निभाती हैं, उसमें विविधता लाती हैं।

उनके सुपरनेचुरल पात्रों में कभी भी समानता नहीं होती और हर बार कुछ न कुछ नया होता है! भूतनी ट्रेंडिंग हॉरर-रोम-कॉम जॉनर की फिल्मों की लंबी सूची में एक और फिल्म है! मौनी पहले ही बता चुकी हैं कि कैसे फैंटसी-काल्पनिक शैली पलायनवाद के रूप में काम करती है।

यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि इस फिल्म के पक्ष में एक बहुत बड़ा रिलेटैबिलिटी फैक्टर काम करेगा - भारत एक ऐसा देश है, जहाँ अद्भुत और रहस्यमयी पात्रों से जुड़ी लोककथाएँ प्रचुर मात्रा में हैं। और व्यक्तिगत विश्वासों से परे, हर कोई खुद को एक अच्छा फिक्शन पसंद करता है, है न? मौनी रॉय इस थ्रिलर में दिग्गज अभिनेता संजय दत्त के साथ सनी सिंह, पलक तिवारी, आसिफ खान और बेयूनिक के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नज़र आएंगी, जिसे इसके ट्रेलर लॉन्च के बाद से ही बेहतरीन समीक्षा मिली थी।

द भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज़ होगी। इस फिल्म के बाद, मौनी रॉय निर्देशक फारुक कबीर के साथ सलाकार में नज़र आएंगी। इस फिल्म में उनकी भूमिका बहुत ही आशाजनक होने का अनुमान लगाया जा रहा है जिसमें अभिनेत्री, एंटरप्रेन्योर और फैशनिस्टा को पहले कभी न देखे गए अवतार में देखा जाएगा!

तारा सुतारिया ने सीफूड सैटरडे का लुत्फ उठाया

बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया ने अपने घर पर सीफूड सैटरडे का लुत्फ उठाया। सप्ताहांत के लिए मेन्यू में जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव के बिस्तर पर परोसा गया मेमना, बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल, स्ट्रॉबेरी,

अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद के साथ हनी बाल्समिक ड्रेसिंग और चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ प्रॉन स्पेगेटी शामिल थे। तारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, घर पर शनिवार को मैंने बहुत सारा बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल पकाया (तस्वीर में नहीं है क्योंकि हमने इसे किसी के फोटो खींचने से पहले ही खा लिया!) स्ट्रॉबेरी, अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद शहद बाल्समिक ड्रेसिंग के साथ और पिया ने चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ एक प्यारा प्रॉन स्पेगेटी बनाया!

सीफूड और हमारे सबसे पुराने दोस्तों के साथ शानदार व्हाइट ग्लास... इससे ज्यादा और क्या चाहिए। अभिनेत्री ने कहा, आखिरी तस्वीर में मैंने पहली बार पकाए गए लैम का एक बेहतरीन लेग पीस दिखाया है। जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव की परत पर परोसा गया, यह लाजवाब था। इससे पहले, तारा ने खुशी के बारे में अपने विचार बताए।

दुआ के जन्म के बाद पहली बार एक साथ

स्क्रीन पर दिखे दीपिका-रणवीर

बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा जोड़ी में से एक दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपनी बेटी दुआ के जन्म के बाद पहली बार स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आए। दीपिका और रणवीर एक एयर कंडीशनर के विज्ञापन में साथ नजर आए। विज्ञापन को शेयर करते हुए ब्रांड ने लिखा, गुड लुक्स, गुड लुक्स और गुड लुक्स।

विज्ञापन में रणवीर कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि कैसे उनकी पार्टी में मेहमान दीपिका के खाने या कहानियों के बजाय उनके एयर कंडीशनर का आनंद ले रहे थे। जब दीपिका नाराज होती हैं तो रणवीर उन्हें यह कहकर मना लेते हैं कि उन्होंने वास्तव में उनके लिए ही एसी खरीदा था। दीपिका और रणवीर को आखिरी बार रोहित शेट्टी की पुलिस सिंघम अगेन में एक साथ देखा गया था। इस फिल्म में दीपिका ने शक्ति शेट्टी उर्फ ??लेडी सिंघम का किरदार निभाया था, जबकि रणवीर ने सिम्बा की अपनी भूमिका दोहराई थी। इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ भी थे। इससे पहले इन दोनों को गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018) और 83 (2021) में साथ देखा गया था। जहां उनकी केमिस्ट्री को फिल्म प्रेमियों ने काफी सराहा था।

इतना ही नहीं, इन दोनों ने फाइंडिंग फैनी (2014) और सर्कस (2023) में कैमियो भी किया। कुछ समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद दीपिका और रणवीर ने आखिरकार 2018 में शादी कर ली।

'इंडियन आइडल 15' की ट्रॉफी मानसी घोष के नाम

जीतने पर मिली चमचमाती कार

'इंडियन आइडल सीजन 15' की ट्रॉफी मानसी घोष ने उठा ली है। रविवार 6 अप्रैल को इसका फाइनल हुआ। प्रतियोगियों ने अपनी आखिरी परफॉर्मेंस दी। मानसी के जीत की घोषणा इंडियन आइडल के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर भी की गई।

मानसी घोष को दी बधाई

इंडियन आइडल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर विजेती की घोषणा करते हुए उन्हें बधाई दी। ट्वीट में लिखा, 'इंडियन आइडल सीजन 15 जीतने पर मानसी घोष को बहुत-बहुत बधाई! क्या आवाज है, क्या सफर है! वाकई काबिल-ए-तारीफ आपने हर प्रदर्शन को यादगार बनाया।'

सुभाजीत और स्नेहा शंकर को दी मात

मानसी ने अपनी भावनात्मक और दमदार गायकी के दम पर साथी फाइनलिस्ट सुभाजीत चक्रवर्ती और स्नेहा शंकर को हराया। उनके लगातार प्रदर्शन और दर्शकों से जुड़ने की क्षमता ने उन्हें शीर्ष स्थान हासिल करने में मदद की। शो जीतने पर उन्हें एक नई कार भी मिली।

'इंडियन आइडल सीजन 15' का सफर

'इंडियन आइडल सीजन 15' अक्टूबर 2024 में शुरू हुआ और पांच महीने तक चला। इस दौरान शो में कई प्रतियोगियों ने अपने सुरों के जादू बिखेरे। अंत में तीन प्रतियोगी फाइनल तक पहुंचे। अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत मानसी घोष ने शो अपने नाम किया।

मानसी की जीत पर सोशल मीडिया यूजर्स ने भी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं। एक यूजर ने लिखा, 'मानसी घोष कितनी शानदार गायिका हैं, वह सच्ची भारतीय रॉक स्टार हैं, उन्होंने अपने ही अंदाज में उनके सामने लिविंग लीजेंड सुखविंदर जी का गाना गाया और उन्हें अपने साथ गाने के लिए कहने पर मजबूर कर दिया, वाह, वह विजेता हैं।

शिवाजी साटम ने 27 साल बाद CID छोड़ा

भारतीय टेलीविजन के इतिहास का एक अध्याय समाप्त हो गया है। 27 साल तक सीआईडी में प्रतिष्ठित एसीपी प्रद्युमन की भूमिका निभाने वाले शिवाजी साटम ने आधिकारिक तौर पर शो छोड़ दिया है। सोनी टीवी ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि पोस्ट के साथ इस खबर की पुष्टि की, इसे एक युग का अंत कहा।

इस खबर ने प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया। कई लोगों के लिए, एसीपी प्रद्युम्न सिर्फ एक किरदार नहीं था, बल्कि न्याय और ताकत का प्रतिनिधित्व था। प्रसिद्ध कैचफ्रेज़ दया, दरवाजा तोड़ दो से लेकर न्याय के प्रति उनकी अविश्वसनीय प्रतिबद्धता तक, प्रद्युम्न एसीपी के रूप में पहचाने जाने लगे, उन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक यह भूमिका निभाई। हाल ही में एक

एपिसोड में साटम के किरदार की कथित तौर पर एक अपराधी का पीछा करते हुए बम विस्फोट में फंसने के बाद मौत हो गई थी। हालांकि उस दृश्य में वास्तविक मौत नहीं दिखाई गई, लेकिन सोनी के आधिकारिक शोक संदेश में यह स्पष्ट कर दिया गया।

शिवाजी साटम ने क्यों छोड़ा शो?

साटम के अनुसार, यह बस एक ब्रेक का समय था। एक न्यूजवायर के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, उन्होंने कहा, मैं इस समय शूटिंग नहीं कर रहा हूँ। मैंने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया है। अगर मेरा ट्रैक खत्म हो गया है, तो कोई बात नहीं। मैंने इसके साथ शांति बना ली है। जबकि प्रशंसकों को उम्मीद थी कि इसका मतलब है कि वह बाद में वापस आएँगे, सोनी की श्रद्धांजलि इसके विपरीत बताती है।

उनकी जगह कौन लेगा?

हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्ट्स बताती हैं कि पार्थ समथान नए एसीपी की भूमिका में आ सकते हैं।

कपिल शर्मा ने 'राम नवमी' पर शेयर किया 'किस किसको प्यार करूं 2' का नया पोस्टर

अभिनेता-कॉमेडियन कपिल शर्मा ने रविवार को अपनी आने वाली फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का नया पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में कपिल शर्मा और उनकी दुल्हन बनी को-एक्टर मंडप में दिखाई दे रही हैं। दोनों अपने हाथ जोड़कर प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री का आधा चेहरा घूंघट से ढका हुआ है, जबकि कपिल ऊपर भगवान की ओर देख रहे हैं। ऐसा लगता है जैसे वह किसी मुश्किल स्थिति से बाहर निकलने के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे हों। पोस्टर में जहां कपिल के चेहरे पर तनाव दिख रहा है, वहीं अभिनेत्री के चेहरे की रेखाएं सुखद भावनाओं की ओर इशारा कर रही हैं। कपिल ने कैप्शन में लिखा, आप सभी को श्री राम नवमी की शुभकामनाएं। आखिरी बार कपिल शर्मा फिल्म 'क्रू' में कैमियो करते नजर आए थे। इस फिल्म में करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन भी थीं। 2015 में 'किस किसको प्यार करूं' का निर्देशन करने वाली निर्देशक जोड़ी अब्बास-मस्तान ने इस बार लेखक अनुकूल गोस्वामी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है।

ब्रीफ न्यूज

भव्यता के साथ मनाया जायेगा हनुमान प्रकटोत्सव

सीहोर। सीहोर जिला मुख्यालय के ग्राम दिवडिया के मध्य प्रदेश विद्युत मण्डल परिसर में हनुमान मंदिर समिति के द्वारा विगत् 26 वर्षो से हनुमान प्रकटोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी समिति द्वारा हनुमान प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में दिनांक 11 अप्रैल 2025, शुक्रवार को यज्ञाचार्य पं.श्री रमेश चन्द्र व्यास के द्वारा प्रात~ 8 बजे से श्री गणेश पूजन एवं यज्ञ, अभिषेक कायज्क्रम प्रारम्भ किया जावेगा एवं रात्रि 8 बजे सुन्दरकाण्ड का आयोजन होगा, दिनांक 12 अप्रैल 2025, शनिवार को प्रात~काल श्रंगार आरती एवं यज्ञ पूणाहजूति, कन्याभोज व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। उक्त धार्मिक आयोजन में सभी धर्मप्रमी बन्धुओं से धर्मलाभ प्रास करने की हनुमान मंदिर समिति द्वारा अपील की गई है।

न. पा. अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने खंगारले की मांग पर डॉ. अंबेडकर प्रतिमा एवं बाउंड्री बॉल पर कराया कलर पेंट

सीहोर। विगत दिवस सेवादल कांग्रेस के अध्यक्ष नरेंद्र खंगारले ने साथियों सहित न. पा. अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर को ज्ञापन सोपकर 14 अप्रैल 2025 दिन सोमवार को डॉ. अंबेडकर जयंती के पूर्व डॉ. अंबेडकर पार्क वार्ड क्रमांक 11 में अंबेडकर की प्रतिमा तथा बाउंड्री बॉल पर कलर पेंट कराए जाने के साथ साथ पार्क में अन्य सुविधायें प्रदान करने की मांग की गई थी जिसे देखते हुए प्रिंस राठौर द्वारा प्रतिमा एवं बाउंड्री बॉल पर कलर पेंट का क्रार्य तीव्र गति से प्रारंभ कर दिया गया है उक्त कार्य कराये जाने पर न.पा. अध्यक्ष प्रिंस राठोर का आभार व्यक्त किया गया है सीहोर में उत्सव पूर्वक मनाई जावेगी डॉ. अंबेडकर की 134 वी जयंती सभी दलों एवं जन प्रतिनिधि डॉ. अंबेडकर अनुआई खेतिहर मजदूर भारी संख्या में जयंती स्थल डॉ अंबेडकर पार्क मैं शिरकत करेंगे नरेंद्र खंगारले व साथियों ने अधिक से अधिक संख्या में 14 अप्रैल 2025 दिन सोमवार समय 11~00 बजे डॉ. अंबेडकर पार्क मैं जयंती स्थल कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

8 वर्षों में भी नहीं हुई अकाल मृत्यु की सहायता राशि स्वीकृत

अशोकनगर। जिले की बहादुरपुर तहसील अंतर्गत ग्राम खोपरा निवासी आवेदिका रुक्मणी बाई पत्नी स्वर्गीय रामचरण केवट ने मंगलवार को जनसुनवाई में शिकायत की है कि करीब 8 वर्ष पूर्व 8 अगस्त 2016 को कैथन नदी में डूब जाने के कारण उसके पति रामचरण केवट की मृत्यु हो गई थी। शासन द्वारा अकाल मृत्यु होने पर पीड़ित परिवार के मुखिया को 4 लाख रुपए की सहायता राशि दिए जाने का प्रावधान है। लेकिन 8 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक उसे सहायता राशि स्वीकृत नहीं की गई। उसके द्वारा लगातार आवेदन देकर सहायता राशि स्वीकृत किए जाने की मांग की जाती रही है। लेकिन ग्राम पंचायत और तहसील द्वारा सहायता राशि स्वीकृत नहीं की जा रही। उसने कलेक्टर से सहायता राशि स्वीकृत कराया जाने की मांग की है।

आमजन को मिलें बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं : कलेक्टर

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर बालागुरु के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने जिलेभर की स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निदेज़्श दिए कि अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें तथा उन्हें इन सेवाओं के लिए परेशान न होना पड़े। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं के पंजीयन समय से किए जाएं तथा उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों के प्रति मनवीय दृष्टिकोंण अपनाते हुए सेवाभाव से मरीजों की मदद करें। उन्होंने निदेज़्श दिए कि विभाग द्वारा किए जा रहे फील्ड के कायोज़् का बेहतर क्रियान्वयन हो, यदि फील्ड के दौरान कोई समस्या आती है तो तत्काल उसका निराकरण करें। कार्यो में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि विभाग की सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। उन्होंने निदेज़्श दिए कि एनआरसी में इलाजरत बच्चों को निरंतर इलाज के लिए प्रोत्साहित करें ताकि उनकी स्थिति में सुधार हो। इसके साथ ही सभी विकास खंडों की स्वास्थ्य संस्थाओं में एसेंशियल ड्रग लिस्ट दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। नये अनमोल पोर्टल 2.0 के संबंध में सभी सुपरवाईजरों, एएनएम कार्यकताओं एवं आशा कार्यकताओं को ट्रेनिंग दी जाए। उन्होंने सीएमएचओं को निदेज़्श दिए कि सभी सीएचओ की व्यक्तिगत जिम्मेदारी निर्धारित करे तथा इसके कायज़् की मॉनिटरिंग करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या का टारगेट अनुसार एएनसी का पंजीयन कराया जाए। उन्होंने जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं के एनक्यूएएस प्रमाणीकरण की भी समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने मातृ शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, आयुष्मान कार्ड की प्रगति, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम, दवाइयों की उपलब्धता, मातृ मृत्यु, बाल मृत्यु सहित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रम की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रफुल्ल खत्री सहित ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, सभी सुपरवाईजर, बीसीएम सहित स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अधिवेशन में आज वनाअधिकारियों कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों पर किया जाएगा मंथन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

आज राष्ट्रीय अधिवेशन में वन विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों पर मंथन किया जाएगा। गुरूवार को यशराज गार्डन में रखे गए राष्ट्रीय अधिवेशन में अतिथि के रूप में वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार,राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा,प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर,सांसद आलोक शर्मा विधायक सुदेश राय आष्टा विधायक गोपाल इंजीनियर, बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव सम्मिलित होंगे। आज सुबह 11 बजे राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ विशिष्ठ अतिथियों के द्वारा किया जाएगा। अखिल भारतीय वन अधिकारी महासंघ एवं मध्य प्रदेश वन वन्य प्राणी संरक्षण कमंचज़री संघ वनमंत्री को मांग पत्र सौपेगा। अखिल भारतीय वन अधिकारी महासंघ राष्ट्रीय संयोजक कमल सिंह यादव,राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप सिंह कुमरा,राष्ट्रीय सचिव मोजिम अली खान तेलंगाना ,राष्ट्रीय उप सचिव सौरभ भारद्वाज, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र गांजरे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम लक्ष्मीपति एवं जम्मू कश्मीर से गुलाम नबी और मध्य प्रदेश वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष राम यश मौर्य, प्रांतीय संरक्षक बुधराज भागवत ,प्रांतीय महासचिव के.वी.एस परिहार ,कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र मोहारे,प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेश उपाध्याय ,दिलीप बांगडे, सुकांत पाठक,राजेंद्र राठौड़,धर्मेंद्र रघुवंशी ,अतुल कुशवाहा,प्रधान मुख्य संरक्षक असीम श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कमालिका मोहंता, मुख्य वन संरक्षक राजेश खरे,वन मंडल अधिकारी एम.इस.डावर,उपवन मंडल अधिकारी राजेश शर्मा उपवनमंडल अधिकारी सुकृति ओसवाल भी अपना मार्गदर्शन देंगे। अखिल भारतीय वन अधिकारी महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चेतन कुमार आर्य ने कहा कि भारत में सवाज़्धिक 94689 वगज़् किलोमीटर में मिश्रित वन पाए जाते हैं वनों में भिन्न-भिन्न प्रजातियों के वन्य जीव जंतु पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश को टाइगर स्टेट, चीता स्टेट तेंदुआ स्टेट बनाने में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है ।

एबीवीपी अशोकनगर द्वारा स्थायी प्राचार्य नियुक्त करने हेतु आयुक्त के नाम दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अशोकनगर द्वारा पीएम श्री ऑफ़ एक्सीलेंस कॉलेज अशोकनगर में ज्ञापन दिया जिसमे जिला संयोजक आदित्य शाक्य ने बताया की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा संगठन जो की छात्र हित में कार्य करता हैं इसी क्रम में आज ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस अशोकनगर बने हुए एक वर्ष से अधिक समय होने पर भी आज तारिक तक कोई भी स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति नहीं हुई है जिससे कॉलेज की व्यवस्था चरमरा गई एवं जिला संयोजक ने कहा जल्द से जल्द स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति नहीं होती है तो एबीवीपी उग्र आंदोलन करेगी। जिस मौके पर प्रांत कार्यसमिति सदस्य सार्थक जैन, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य हर्ष सुमन, गोविन्द गोस्वामी, नगर सह मंत्री गौरव शर्मा , रोहित जाटव, राज यादव एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संबल योजना के तहत सहायता राशि दिलाए जाने की मांग

अशोकनगर। जिले की ईसागढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम हैदर निवासी आवेदिका सोनम पत्नी स्वर्गीय वीरान जाटव ने जनसुनवाई में कलेक्टर से गुहार लगाई है कि उसे मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के तहत मिलने वाली सहयोग राशि मिल जाए जिससे उसे आर्थिक सहायता मिल सके। आवेदिका सोनम अहिरवार ने बताया कि करीब 1 वर्ष पूर्व, 20 मई 2024 को हार्ट अटैक से उसके पति की मृत्यु हो जाने के कारण उस पर मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा,एक तो आर्थिक तंगी दूसरे तीन लड़की एक लड़का चार मासूम बच्चों के भरण पोषण की जिम्मेदारी विधवा महिला के कंधों पर है,ऐसे में उसे समझ नहीं आ रहा कि उनका भरण पोषण कैसे करे। बच्चों के भरण पोषण में अपने आप को असहाय महसूस करते हुए मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में कलेक्टर से मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के तहत मिलने वाली सहयोग राशि की मांग की है जिससे उसे आर्थिक सहायता मिल सके। उसने बताया कि योजना के तहत आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन की फाईल तहसील ईसागढ़ में जमा हो गई है। सरपंच सचिव कोई सुनता नहीं इसलिए जनसुनवाई में आवेदन लगाया है।

मिट्टी खोद कर दिया विधायक ने सीवन नदी के जीवन को बचाने का संदेश

सीवन नदी में विधायक सुदेश राय ने खोदी पं प्रदीप मिश्रा के साथ मिट्टी

सत्ता सुधार ■ सीहोर

विधायक सुदेश राय और अरुणा राय विश्व विख्यात पं प्रदीप मिश्रा के साथ जीवनदायिनी सीवन नदी की सुखी तलहटी में उतरे। पंडित प्रदीप मिश्रा के साथ विधायक सुदेश राय अरुणा राय ने गैंती फावड़े के माध्यम से मिट्टी खोदकर प्राण दाहिनी सीवन नदी में श्रमदान किया। इस दौरान विधायक सुदेश राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा प्रदेश में पुराने जल स्त्रोतों को बचाने और नए जल स्त्रोत बनाने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू किया गया है विधानसभा क्षेत्र सीहोर में भी अनेक कायज़् किए जा रहे हैं तालाबों का उद्धार किया जा रहा है पुराने कुएं और बावडी को संरक्षित किया जा रहा है।

पानी बचाने का संदेश दिया जा रहा है। शहर की प्राण दाहिनी सीवन नदी के लिए भी 25 करोड रुपए की योजना हमारे द्वारा तैयार की गई है। सीवन नदी को साफ-सुथरा रखने और इसे गहरा करने के लिए नगर पालिका और प्रशासन सीवन उद्धार समिति, जनप्रतिनिधियो शहरवासियों के द्वारा विशेष अभियान शुरू किया गया है । पूर्व घोषणा के मुताबिक पंडित प्रदीप मिश्रा ने सीवन नदी के उद्धार के लिए श्रमदान कर जीवन देने वाली सीवन को बचाने का संदेश दिया। विधायक सुदेश राय ने कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर और सीवन नदी उद्धार समिति, समस्त जनप्रतिनिधि नागरिक सीवन नदी के गहरीकरण सौंदर्यकरण के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नदी गहरीकरण सौंदर्यकरण करने के लिए शासन से हमारे द्वारा 25 करोड रुपए स्वीकृत कराए जाने के लिए योजना तैयार की गई है। आगामी दिनों में सीवन नदी आकर्षण का केंद्र बनने जा रही है। नदी में नौकायन भी होगा और पिकनिक स्पॉट भी बनेगा। सुंदर लाइटिंग के साथ पुल का निर्माण भी कराया जाएगा। मार्निंग वॉक के लिए नदी के किनारे विशेष स्थान होगा। नदी के किनारो पर मौजूद अतिक्रमण को भी हटाया जाकर नदी की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाएंगे।

नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया ने ली जलप्रदाय एवं स्वच्छता विभाग की बैठक, नए नल कनेक्शन पर रोक

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज मानोरिया ने आज जलप्रदाय एवं स्वच्छता विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक ली। इस बैठक में जल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री महेंद्र भारद्वाज तथा स्वच्छता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं पार्षद श्री प्रमेन्द्र तायडे भी उपस्थित रहे। बैठक में नगर में जल संकट की स्थिति को देखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रमुख निर्णय के अनुसार, आगामी आदेश तक किसी भी प्रकार के नए नल कनेक्शन अथवा नल ट्रांसफर की अनुमति नहीं दी जाएगी। अध्यक्ष श्री मानोरिया ने साफ निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी नलों का लीकेज नहीं होना चाहिए। यदि किसी स्थान पर लीकेज पाया जाता है तो संबंधित कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाएगी और शीघ्र सुधार की कार्रवाई की जाएगी। अध्यक्ष ने सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जल संरक्षण और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि नागरिकों को गर्मी के इस मौसम में असुविधा न हो।

तालाब निर्माण से डूब में जमीन जाने का मुआवजा दिलाए जाने की मांग

अशोकनगर। तहसील अंतर्गत ग्राम काका खेड़ी निवासी आवेदिका मेवा बाई पत्नी हन्ना अहिरवार ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन देकर तालाब निर्माण में डूब में गई उसकी जमीन का मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।आवेदिका ने बताया कि करीब 3 वर्ष उसकी भूमि स्थित ग्राम काका खेड़ी के सर्वे क्रमांक 428/2 रकवा 1. 463 भूमि पर हिस्सा 1/5 का तालाब निर्माण में डूब में चले जाने के पश्चात भूमि का मुआवजा अभी तक नहीं मिला है। शासन द्वारा मुआवजा निर्धारित किया गया था, परन्तु शासन के निर्देश अनुसार भी सिंचाई विभाग द्वारा आज दिनांक तक मुआवजा नहीं दिया गया है।उसने बताया कि उक्त भूमि डूब में जाने की सहमति आवेदिका से नहीं ली गई। आवेदिका के पास सर्वे क्रमांक 428/2 रकवा 1.463 भूमि पर हिस्सा 1/5 का हिस्सा हैं। जिसका मुआवजा आज दिनांक तक नही दिया गया है। आवेदिका द्वारा कई बार सिंचाई विभाग के ई. ई., तहसीलदार, कलेक्टर को आवेदन दिये जा चुके हैं, परन्तु आज दिनांक तक आवेदिका को उक्त भूमि का मुआवजा नहीं दिया गया है। उसने कलेक्टर से मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

बसपा ने की जिलेभर के अंबेडकर पार्कों में साफ सफाई,रोशनी किए जाने,13,14 को शुष्क दिवस घोषित करने की मांग

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल के अवसर पर जिलेभर में स्थित उनके पार्कों एवं प्रतिमाओं की साफ सफाई,पुताई, रंग रोगन एवं रोशनी की व्यवस्था किए जाने,13-14 अप्रैल को जिले की सभी मदिरा दुकानों का दो दिवसीय अवकाश घोषित किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को बहुजन समाज पार्टी द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। बसपा के जिला अध्यक्ष इंजीनियर मुकेश अहिरवार ने बताया कि संविधान निर्माता,भारत रत्न, दलितों के भगवान, नारियों के मुक्तिदाता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के 134वें जन्मदिवस के अवसर पर अशोकनगर जिले में सभी नगर पालिका नगर परिषद एवं ग्राम स्तर या पंचायत स्तर पर जहां भी उनकी मूर्तियों या पार्क है। उनकी मूर्तियों का सौंदर्य करण रंग रोगन एवं पापों की साफ सफाई और 13-14 अप्रैल की रात में रोशनी की व्यवस्था हेतु कलेक्टर को आवेदन दिया है। इसके साथ ही जिलेभर की देसी-विदेशी मदिरा दुकानों का 13-14 अप्रैल को दो दिवसीय अवकाश घोषित करने की मांग की गई है।

गौतस्करी रोकने के दौरान एक युवक जख्मी, अस्पताल में भर्ती

खरगोन। जिले के हेलापड़ाव पुलिस चौकी क्षेत्र में गौतस्करी को लेकर कि गई पुलिस की कार्रवाई सवालों में घिर गई है। पुलिस जहां कार्रवाई के दौरान गौतस्करो द्वारा पुलिस वाहन को टक्कर मारने का दावा कर रही है, तो वही दूसरी और मौके से फरार हुए हादसे में घायल एक आदिवासी युवक के साथी ने पुलिस पर फायरिंग का आरोप लगाते हुए मामले को नया मोड़ दे दिया है। कार्रवाई के घायल युवक की शिनाख्त श्रवण कुंवरसिंह डावर निवासी आमड़ी के रुप में हुई, युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। मामले ने बुधवार दोपहर उस वक्त तुल पकड़ लिया, जब जयस संगठन के पदाधिकारी घायल श्रवण के साथ पिकअप में सवार अक्षय पिता नाथू को साथ लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे। जयस प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेंद्र पंवार ने बताया कि पुलिस घायल युवक के हादसे में जख्मी होने की बात कह रही है, जबकि पिकअप में उसके साथ सवार युवक अक्षय ने पुलिस पर फायरिंग का आरोप लगाया है। इसकी उच्च स्तरीय जांच कर जिम्मेदार पुलिसकर्मियों को बर्खास्त कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

राहगिरों के लिए लगाया प्याऊ चिडिया बचाने बांट रहे सकोरे

खरगोन। स्व. उमराव सिंह सांवले सामाजिक चेतना संगठन ने भीषण गर्मी में राहगिरों के लिए शीतल पेयजल के लिए बिस्टान नाका क्षेत्र में प्याऊ के साथ ही चिडिया बचाओ पर्यावरण बचाओ अभियान की शुरुआत की है। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि स्व. उमराव सिंह के जन्म दिवस याने 8 अप्रैल को प्रतिवर्ष प्याऊ लगाने के साथ ही पंक्षीयों के पीने के पानी के लिए मिट्टी के सकोरे वितरण का अभियान चलाया जाता है।

पट्टा पुनः वापस किए जाने की मांग

अशोकनगर। जिले की मुंगावली तहसील अंतर्गत ग्राम बावरौद निवासी आवेदक शिवलाल पुत्र बटू अहिरवार ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन देकर उसे पुन~पट्टा दिए जाने की मांग की है।आवेदक शिवलाल ने बताया कि उसके पुत्र मलखान के नाम से पट्टा था जिसका सर्वे क्रमांक 68/5 रकवा 500 हैक्टयर है। प्रार्थी के पुत्र एवं पुत्रवधु का अकस्मिक निधन हो गया है। प्रार्थी का निवेदन है, कि पट्टा उनकी पोती के नाम पर किया जाए। उसने कहा कि मेरी उम्र बहुत हो चुकी है, तथा में ही अपनी पोती का भरण पोषण करता हूं।अत~मेरी वृद्धावस्था तथा दयनीय स्थिति को देखते हुए, मेरी पोती के नाम पट्टा कर दिया जाए। ताकि उसका भविष्य सुरक्षित हो सके।

स्थापना दिवस लोकतांत्रिक समाज को मजबूत बनाने हेतु छात्र समुदाय को सदाचार सद्भावना सहिष्णुता की ओर प्रेरित करेंगे

एनएसयूआई ने छात्र हितेषी संकल्प लेते हुए मनाया 55 वा स्थापना दिवस

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

एनएसयूआई ने विभिन्न छात्र हितेषी संकल्प लेते हुए अपना 55 वा स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान एनएसयूआई ज़िलाध्यक्ष अभिजीत रघुवंशी ने बताया कि 55वे स्थापना दिवस पर हमने देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी कि प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संकल्प लिया है। कि छात्रों में चरित्र निर्माण अनुशासन सामाजिक जिम्मेदारी तथा निस्वार्थ सेवाभाव को जगाने का प्रयत्न करेंगे, लोकतांत्रिक समाज को मजबूत बनाने हेतु छात्र समुदाय को सदाचार सद्भावना सहिष्णुता की ओर प्रेरित करेंगे, सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन लाने एवं स्वयं के व्यक्तित्व में सकारात्मक सुधार करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। संस्कृति धर्म क्षेत्र भाषा की विविधता को अक्षुण्ण रखते हुए हर नागरिक को आर्थिक और सामाजिक संकीर्णताओ से मुक्त करेंगे। अपने प्रयासों से भारत को विश्व का सर्वाधिक शक्ति संपन्न और वैभवशाली राष्ट्र बनाएंगे ताकि भारतीय चिंतन पूरे ब्रह्मांड का नेतृत्व करे। आज जो छात्रों के साथ अन्याय हो रहा है आज इस तरीके से बेरोजगारी चल रही है इन सभी मुद्दों को लेकर छात्रों को साथ लेकर उनको अपने हक के लिए जागरूक करेंगे। इस दौरान विधायक हरिबाबू राय, शहर जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुशवाह, वरिष्ठ नेता रमेश नायक, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव सचिन त्यागी, कांग्रेस संगठन मंत्री गिरीश जैन, सुधीर शर्मा, नगरपालिका नेता प्रतिपक्ष रितेश जैन, सीमा सुराणा अमन महाराज राजकुमार लोधी शिवचरण शर्मा आशीष यादव, अभिनाश शर्मा, हर्ष बालू, शिवम रघुवंशी, तौफ़ीक़ खान, मोंटी राहुल सौरव आदि कांग्रेस एवं एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रामकुमार रघुवंशी भर्रोली को अशोक नगर जिला अध्यक्ष मनोनीत किया

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

गाय आधारित उद्योग का वैश्विक परिसंघ जीसीसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष (पूर्व केंद्रीय मंत्री और कामधेनु आयोग के अध्यक्ष) डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया की सहमति से मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष दिलीप धनराज गुप्ता ने रामकुमार रघुवंशी भर्रोली को अशोकनगर जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है । रामकुमार रघुवंशी पहले भी अनेकों सामाजिक धार्मिक संगठनों से जुड़े हुए हैं उन के सेवा समर्पण को देखते हुए उन्हें इतने बड़े संगठन में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है । रामकुमार रघुवंशी ने अपनी नियुक्ती को लेकर बताया कि वह पशुपालन पशु संरक्षण के लिए समाज के बीच जाकर जनजागरण अभियान शुरू करेंगे। जिले की सभी गोशाला ठीक से संचालित हो व लावारिस पशुओं की समस्या के निदान हेतु कार्य करेंगे। दुग्ध आधारित उद्योग को बढ़ावा देने हेतु शासन के साथ मिलकर काम करेंगे सभी वरिष्ठजनों का बहुत बहुत धन्यवाद बहुत बहुत आभार किया।

ब्रीफ न्यूज़

यात्रियों को लुभाने के लिए एयर इंडिया ने किया बड़ा बदलाव, अब मिलेगी ये लग्जरी सुविधा

नई दिल्ली। बहु-वर्षीय टर्नअराउंड कार्यक्रम शुरू में एयरलाइन के 27 बोइंग कंपनी 787-8 ड्रीमलाइनर्स पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो कुछ मामलों में 10 साल से अधिक पुराने हैं, एयर इंडिया 2027 की शुरुआत में इनका रिफिट पूरा करना चाहता है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि दूसरे चरण में, पुराने बोइंग 777 वाइडबॉडीज को शामिल किया जाएगा, जो अगले वर्ष के अंत में शुरू होगा। एयर इंडिया अब अपने बेड़े में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। कई वर्षों तक सरकारी स्वामित्व में रहने के बाद एयर इंडिया अब टाटा समूह का हिस्सा है। नए केबिन क्रू यूनिफॉर्म समेत कई अन्य बदलावों के साथ एयर इंडिया में और भी बदलाव होने जा रहे है। एयरलाइन केबिन और लाउंज में बदलाव कर रही है। बहु-वर्षीय टर्नअराउंड कार्यक्रम शुरू में एयरलाइन के 27 बोइंग कंपनी 787-8 ड्रीमलाइनर्स पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो कुछ मामलों में 10 साल से अधिक पुराने हैं, एयर इंडिया 2027 की शुरुआत में इनका रिफिट पूरा करना चाहता है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि दूसरे चरण में, पुराने बोइंग 777 वाइडबॉडीज को शामिल किया जाएगा, जो अगले वर्ष के अंत में शुरू होगा, हालांकि सीट आपूर्तिकर्ताओं के साथ मुद्दों के कारण यह चरण अधिक जटिल साबित हो रहा है। विल्सन ने एक साक्षात्कार में कहा, ÷एक एयरलाइन को बेहतर बनाने के लिए निरंतरता की आवश्यकता होती है।÷ ÷उत्पाद की गुणवत्ता, चालक दल की सेवा, समय की पाबंदी और हवाई अड्डों तथा विमानों में अनुभव में एकरूपता होनी चाहिए। हम इन सभी पर काम कर रहे हैं।÷ भारतीय यात्रा बाजार में स्थानीय और विदेशी विमान सेवा कंपनियों के लिए अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि यहां एक नया मध्यम वर्ग उभर रहा है और सरकार हवाई अड्डों सहित बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रही है। एयर इंडिया ने इस उछाल का लाभ उठाने की कोशिश की है, दो साल पहले अपने बेड़े को उन्नत करने के लिए एयरबस एसई और बोइंग के साथ नए विमानों के लिए एक बड़ा ऑर्डर दिया था। ग्राउंड कर्मचारी अन्य तत्व हैं, जिनका उद्देश्य एयरलाइन की लाभप्रदता में सुधार लाना, नई दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में इसके केंद्रों पर यात्री अनुभव में सुधार लाना और एयरलाइन को वैश्विक मानचित्र पर पुनः लाना है।

सरकार जल्द लॉन्च करेंगी न्यू आधार एप

नई दिल्ली। जल्द ही भारत सरकार नए आधार एप लॉन्च करेगी। यदि एयरपोर्ट की बात करें तो डिजियात्रा एप ने फ्लाइट के सफर को आसान बना दिया है, तो फिर इस नए एप की कोई खासी जरुरत नहीं थी, लेकिन एप को बिना टेस्ट के किए कुछ भी कहना अभी लाजमी नहीं होगा। पब्लिक वर्जन रिलीज के बाद ही हम आपको इस एप के बारे में बता पाएंगे। भारत सरकार बेहतरीन तकनीकी सुविधा के लिए नए-नए प्रयास करती रहती है। केंद्रीय संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक नए आधार एप की लॉन्चिंग की घोषणा की है।

104% ट्रंप टैरिफ के जवाब में चीन का बड़ा फैसला

अमेरिकी सामानों पर आयात शुल्क बढ़ाकर 84 प्रतिशत किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

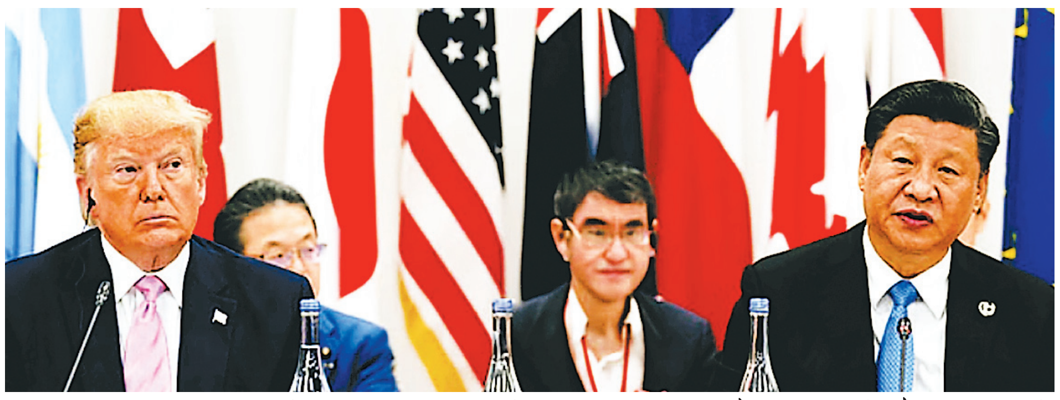

चीन और ट्रंप के बीच चल रही तनातनी बुधवार को तब और बढ़ गई जब बीजिंग ने अमेरिका से आने वाले सामानों पर टैरिफ बढ़ाकर 84प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले, चीन ने अमेरिकी टैरिफ के जवाब में उसके उत्पादों पर 34प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया था। उसके बाद, ट्रंप ने चीन पर 104प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का फरमान जारी कर दिया। अब इसी के जवाब में बीजिंग ने कार्रवाई की है। चीनी की ओर से ताजा टैरिफ के एलान के बाद बुधवार को अमेरिकी शेयर सूचकांक के वायदा भाव में गिरावट दिखी। अमेरिकी समयानुसार सुबह सात बजकर 08 मिनट पर डॉव ई-मिनिस 709 अंक या 1.87प्रतिशत नीचे आ गया। , एसएंडपी 500 ई-मिनिस में 86.5 अंक या 1.72त्न की गिरावट दिखी। वहीं, नैस्डैक 100 ई-मिनिस 250.75 अंक या 1.45 प्रतिशत नीचे आ गया।

चीन ने बुधवार को विश्व व्यापार संगठन से कहा कि बीजिंग पर पारस्परिक शुल्क लगाने के अमेरिका के फ़ैसले से वैश्विक व्यापार में और अस्थिरता आने का खतरा है। चीन ने विश्व व्यापार संगठन को दिए गए एक बयान में कहा, ÷स्थिति ख़तरनाक रूप से बढ़ गई है। ... प्रभावित सदस्यों में से एक के रूप में, चीन इस लापरवाह कदम पर गंभीर चिंता और दृढ़ विरोध व्यक्त करता है। वस्तुओं के व्यापार से जुड़ी एक बैठक के दौरान विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों को दिए गए एक बयान ड्रैगन ने कहा, चीन व्यापार युद्धों का विरोध करता है, वह अपने वैध हितों की दृढ़ता से रक्षा करेगा।

चीन ने बुधवार को अमेरिका पर डब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और कहा कि यह बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को कमजोर कर रहा है। चीन ने डब्ल्यूटीओ के सचिवालय को वैश्विक व्यापार पर जवाबी टैरिफ के प्रभाव का अध्ययन करने और सदस्यों को अपने निष्कर्षों की रिपोर्ट देने के लिए कहा। डब्ल्यूटीओ को दिए गए चीन के बयान में कहा गया, ÷पारस्परिक शुल्क व्यापार असंतुलन का समाधान नहीं है- और कभी नहीं होगा। इसके बजाय, वे उल्टा असर डालेंगे, जिससे अमेरिका को ही नुकसान होगा। ट्रम्प के व्यापक शुल्कों ने दशकों से चली आ रही वैश्विक व्यापार व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है, मंदी की आशंकाओं को बढ़ा दिया है। अमेरिकी प्रशासन के इस फैसले से प्रमुख कंपनियों के बाजार मूल्य से खरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। हालांकि, ट्रंप ने बाजार में आई इस गिरावट को नजरअंदाज कर दिया है और निवेशकों को इस बारे में मिश्रित संकेत दिए हैं।

टैरिफ के कारण बाजार में असमंजस बरकरार

सेंसेक्स 380 अंक गिरा, निफ्टी 22400 के नीचे बंद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार पर अमेरिका की ओर से घोषित जवाबी टैरिफ का असर फिलहाल बरकरार है। एक दिन की राहत के बाद बुधवार को भी प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 379.93 अंक या 0.51 प्रतिशत गिरकर 73,847.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 554.02 अंक या 0.74 प्रतिशत गिरकर 73,673.06 अंक के निचले स्तर पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 136.70 अंक या 0.61 प्रतिशत गिरकर 22,399.15 अंक पर आ गया। दिन के कारोबार में यह 182.6 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 22,353.25 अंक पर आ गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्तीय वर्ष की पहली एमपीसी बैठक के बाद लगातार दूसरी बार नीतिगत दरों में कटौती की है। इसका मकसद अमेरिकी टैरिफ के कारण पड़ने वाले दबाव को देखते हुए अर्थव्यवस्था को मजबूती देना है। एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख के अनुरूप घरेलू शेयर सूचकांक गिरावट के साथ खुले और पूरे सत्र के दौरान नकारात्मक दायरे में रहे। अमेरिका ने चीनी आयात पर 104 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया है। जानकारों के अनुसार, ÷पारस्परिक टैरिफ के लागू होने के बाद वैश्विक वित्तीय बाजारों में नए सिरे से बिकवाली का दबाव दिख रहा है। व्यापार युद्ध वैश्विक परिदृश्य के लिए जोखिम बढ़ा रहा है। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में इजाफे से दुनिया की सुरक्षित ट्रेजरी परिसंपत्तियों में बिकवाली हो रही है। ऐसे में भारत में, रेपो दर में कटौती एक रचनात्मक कदम साबित हो सकता है।÷

रेपो रेट में कटौती के बावजूद बाजार में नहीं लौट सकी खरीदारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ÷हालांकि, इससे समग्र बाजार भावना को बढ़ाने में कोई मदद नहीं मिली है, क्योंकि दुनिया मंदी के जोखिम को स्वीकार कर रही है।÷ सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टूब्रो, टाटा स्टील, सन फार्मा, इंफोसिस, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एनटीपीसी के शेयरों में रही। नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और आईटीसी लाभ में रहे।

एशियाई बाजारों में, टोक्यो का निक्केई 225 सूचकांक और दक्षिण कोरिया का कोस्पी नीचे बंद हुए जबकि शंघाई एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग ऊपर बंद हुए। टोक्यो का निक्केई 225 सूचकांक करीब 4 फीसदी गिरा। यूरोप के बाजारों में भारी गिरावट देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी बाजार भी काफी गिरावट के साथ बंद हुए।

एमपीसी ने लगातार दूसरी बैठक में ब्याज दरों में कटौती का लिया फैसला

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को लगातार दूसरी बार ब्याज दरों में कटौती की तथा भविष्य में और अधिक कटौती का संकेत दिया। इसका कदम का उद्देश्य अमेरिकी टैरिफ के कारण पड़ने वाले दबाव को देखते हुए अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी), जिसमें सदस्य के तौर पर तीन लोग केंद्रीय बैंक से और इतने ही लोग बाहर से हैं, ने सर्वसम्मति से रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती करने का फैसला लिया। इसके साथ ही रेपो रेट 6 प्रतिशत हो गई है। इसे फरवरी में भी 25 आधार अंक घटाया गया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी के निर्णयों की घोषणा करते हुए कहा कि आरबीआई ने अपने नीतिगत रुख को तटस्थ से बदलकर नरम कर दिया है, जो भविष्य में और अधिक ब्याज दरों में कटौती की संभावना को दर्शाता है।

मुंबई में बोले दुबई चैंबर्स के अध्यक्ष

दुबई भारतीय कंपनियों के लिए पसंदीदा निवेश स्थान

एजेंसी ■ मुंबई

टैरिफ युद्ध के बीच भारत और दुबई के बीच कारोबारी और रणनीतिक अवसरों को बढ़ाने के लिए 200 अधिकारियों और निवेशकों ने मुंबई में दुबई चैंबर की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान दुबई-भारत व्यापार मंच ने रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी बढ़ाने, सीमा पार व्यापार बढ़ाने और स्थानीय व वैश्विक स्तर पर निवेश के नए अवसरों का निर्माण करने पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन 18 फरवरी 2022 को यूएई और भारत के बीच कॉम्प्रेहेंसिव इकोनॉमी पार्टनशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) पर हस्ताक्षर करने के तीन साल बाद आयोजित हुआ। कार्क्रम के दौरान दुबई चैंबर के अध्यक्ष व सीईओ मोहम्मद अली रशीद लुटाह ने अमर उजाला डॉटकॉम को बताया कि दुबई में अपने प्रतिस्पर्धी लाभों की वजह से दुबई भारतीय कंपनियों के लिए पसंदीदा स्थान है। भारतीय निवेशक दुबई के व्यापार परिदृश्य के महत्वपूर्ण अंग हैं। मार्च 2025 के अंत तक 72,651 सक्रिय कंपनियों ने दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2025 की पहली तीमाही के दौरान 4,563 नई भारतीय कंपनियां चैंबर में शामिल हुई हैं, जो साल दर साल 16.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियां अब दुबई में विदेशियों की ओर से चलाए जा रहे कारोबार में पहले नंबर हैं। ये दुबई चैंबर में रजिस्टर हैं। उन्होंने टैरिफ पर बोलते हुए कहा कि फिलहाल हम सभी के साथ मिलकर कारोबार कर रहे हैं। भारत और अमेरिका दोनों ही हमारे प्रमुख बाजार हैं। इन चुनौतियों के बीच नए रास्तों की तलाश जारी है। मोहम्मद अली राशिद लूटाह ने दुबई-भारत बिजनेस फोरम में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दुबई, तेजी से बढ़ते उभरते बाजारों और अफ्रीका में प्रवेश करने की इच्छुक भारतीय कंपनियों के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में खुद को स्थापित कर रहा है। यह कदम कम टैरिफ, दीर्घकालिक व्यापार संबंधों और क्षेत्रीय आर्थिक विकास के लिए साझा दृष्टिकोण पर निर्भर है। यह भारतीय व्यवसायों को दुबई को एक केंद्र के रूप में उपयोग करने का एक शानदार अवसर देता है।

एक मई से 15 आरआरबी का विलय, हर राज्य में होगा सिर्फ एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश में एक मई, 2025 से एक राज्य-एक आरआरबी का प्रस्ताव लागू हो जाएगा। इसका मतलब है कि हर राज्य में अब सिर्फ एक ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) मौजूद होगा। वित्त मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर अमल के लिए उत्तर प्रदेश समेत 11 राज्यों में 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण से जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी है। आरआरबी के एकीकरण का यह चौथा चरण होगा। इसके पूरा होते ही ऐसे बैंकों की संख्या वर्तमान के 43 से घटकर 28 रह जाएगी। दरअसल, केंद्र ने वित्त वर्ष 2004-05 में आरआरबी के संरचनात्मक एकीकरण की पहल की थी। इसके तहत अब तक तीन चरणों में आरआरबी की संख्या 2020-21 तक 196 से घटकर 43 रह गई थी। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम-1976 की धारा 23ए(1) के तहत 11 राज्यों उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान में मौजूद आरआरबी का एक इकाई में विलय होगा। एक राज्य-एक आरआरबी के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा।

राज्यों में ऐसे होगा इन बैंकों का विलय

यूपी में तीन का विलय- बड़ौदा यूपी बैंक, आर्यावर्त बैंक और प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक को उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक में मिला दिया गया है। इसका मुख्यालय बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रायोजन के तहत लखनऊ में होगा।

पश्चिम बंगाल में बंगीय ग्रामीण विकास, पश्चिम बंग ग्रामीण बैंक और उत्तरबंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक में मिला दिया जाएगा।

आंध्र प्रदेश- चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक, आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक, सप्तगिरि ग्रामीण बैंक और आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक का आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक में विलय होगा। अन्य आठ राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान में दो-दो आरआरबी को एक में मिलाया जाएगा।

सेबी ने रिलायंस सिक्योरिटीज पर सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। नियामक ने उल्लेख किया कि ब्रोकिंग कंपनी ने ने कई मामलों में कुछ ग्राहक को अग्रिम जुर्माना लगाया। नियमों के तहत, सदस्य किसी भी परिस्थिति में ग्राहक पर अग्रिम मार्जिन के कम संग्रह के लिए जुर्माना नहीं लगाएंगे। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को शेयर ब्रोकर मानदंडों का अनुपालन नहीं करने के लिए रिलायंस सिक्योरिटीज पर सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह निर्देश, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा 22 दिसंबर, 2022 से 24 जनवरी, 2023 तक पंजीकृत स्टॉक ब्रोकर रिलायंस सिक्योरिटीज का निरीक्षण करने के बाद आया है। इसके तहत यह जांच की गई कि इकाई ने स्टॉक ब्रोकिंग गतिविधियों को संकलित किया है या नहीं। अपनी जांच में, सेबी ने पाया कि रिलायंस सिक्योरिटीज ने तीन मामलों में ग्राहकों को भेजे गए दैनिक मार्जिन ब्योरे में गलत विवरण दिया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनियाभर के देशों पर लगाए गए जवाबी टैरिफ पर अपनी राय रखी

भारत व्यापार समझौते पर अमेरिका से कर रहा बातचीत : विदेश मंत्री

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका की ओर से दुनियाभर के देशों पर लगाए गए जवाबी टैरिफ पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक शुल्कों का प्रभाव अभी ज्ञात नहीं है। विदेश मंत्री के अनुसार इस स्थिति से निपटने के लिए नई दिल्ली की रणनीति इस साल के अंत तक वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना है।

टैरिफ पर अमेरिकी नीति के बारे में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद भारत शायद एकमात्र देश है जो वाशिंगटन के साथ व्यापार समझौते पर सहमति बना पाया है। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी ट्रंप की ओर से भारत सहित लगभग पांच देशों के खिलाफ लगाए गए व्यापक टैरिफ के लागू होने के कुछ घंटों बाद आई है। टैरिफ के लागू होने से बड़े पैमाने पर व्यापार से जुड़ा व्यवधान उत्पन्न हो गया है और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ गई है। भारत उन देशों में शामिल है, जिन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था में संभावित भूचाल पर प्रतिक्रिया देते हुए सतर्क रुख अपनाया है और कहा है कि वह द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर ट्रम्प प्रशासन के साथ बातचीत कर रहा है। जयशंकर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, मुझे नहीं लगता कि इस बारे में बात करना संभव है कि इसका क्या प्रभाव होगा, क्योंकि हम नहीं जानते। हमारी रणनीति क्या है? मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने कहा, हमने निर्णय लिया है कि हम इन मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन के साथ शीघ्र ही बातचीत करेंगे। हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि इस वर्ष के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत को अंतिम रूप देने की कोशिश की जाएगी।

फरवरी में वाशिंगटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप के बीच वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने 2025 तक बीटीए की पहली किस्त पर बातचीत करने का एलान किया था। जयशंकर ने कहा, ÷मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद हम एकमात्र देश हैं, जो वास्तव में सैद्धांतिक रूप से इस तरह की समझ तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया का हर देश अमेरिका से निपटने के लिए अपनी रणनीति बना रहा है और भारत का लक्ष्य ट्रम्प प्रशासन के साथ व्यापार समझौता करना है। उन्होंने कहा, हमारे मामले में, हमारी रणनीति का एक लक्ष्य है।

सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह बात कही है

निजी नियोक्ता नियुक्ति पत्र में बताएं कहां होगा विवादों का निपटारा: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

निजी नियोक्ता कर्मचारी के नियुक्ति पत्र में यह प्रावधान शामिल कर सकते हैं कि रोजगार संबंधी किसी भी विवाद का समाधान किस विशेष अदालत या क्षेत्राधिकार में किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह बात कही है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि अनुबंध एक कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता है, चाहे इसमें शामिल पक्ष या उनकी ताकत कुछ भी हो। अदालत ने कहा, ÷कानूनी तरीके से विवादों को सुलझाने का अधिकार किसी भी पक्ष की ओर से अनुबंध के माध्यम से नहीं छीना जा सकता है, बल्कि पक्षों की सुविधा के लिए इसे कुछ न्यायालयों को सौंपा जा सकता है।÷

न्यायालय ने कहा कि वर्तमान विवाद में यह धारा कर्मचारी से कानूनी दावा करने के अधिकार को नहीं छीनती, बल्कि उन्हें केवल मुम्बई की अदालतों में ही दावा करने तक सीमित कर देती है। सर्वोच्च न्यायालय पटना में नियुक्त एचडीएफसी बैंक और दिल्ली में नियुक्त लॉर्ड कृष्णा बैंक के दो कर्मचारियों द्वारा दायर अपीलों पर सुनवाई कर रहा था। दोनों मामलों में बैंकों ने अपने नियुक्ति पत्रों में उल्लेख किया था कि पक्षों के बीच कोई भी विवाद जिसके कारण कानूनी कार्रवाई की नौबत आती है, उसका समाधान मुम्बई स्थित सक्षम न्यायालय में किया जाना चाहिए। जब धोखाधड़ी और कदाचार के आरोपों के कारण दोनों कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई, तो उन्होंने पटना और दिल्ली की संबंधित अदालतों में अपनी बर्खास्तगी को चुनौती दी। इन स्थानों के उच्च न्यायालयों ने यह निर्णय दिया कि कर्मचारी अपनी सेवा समाप्ति को उस न्यायालय में चुनौती दे सकते हैं जहां वे सेवा समाप्ति से पहले तैनात थे। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि सार्वजनिक सेवा और निजी नियोक्ता के साथ सेवा अनुबंध के बीच बहुत अंतर है। अदालत ने कहा, ÷सरकारी सेवा की उत्पत्ति संविदात्मक है। प्रत्येक मामले में प्रस्ताव और स्वीकृति होती है। लेकिन एक बार अपने पद या कार्यालय में नियुक्त होने के बाद, सरकारी कर्मचारी को एक दर्जा प्राप्त हो जाता है और उसके अधिकार और दायित्व दोनों पक्षों की सहमति से नहीं, बल्कि बनाए गए कानून या वैधानिक नियमों से निर्धारित होते हैं। पीठ ने आगे स्पष्ट किया कि सरकारी कर्मचारी की कानूनी स्थिति अनुबंध से अधिक स्थिति की होती है। इसमें कहा गया है, यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो किसी सरकारी कर्मचारी को उसके नियोक्ता द्वारा किसी विशेष स्थान की अदालत में बाध्य नहीं किया जा सकता है, तथा उसे कानूनी अदालत में निपटाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 14, 16 और 21 इसमें बाधा बन सकते हैं। दूसरी ओर, पीठ ने कहा कि निजी क्षेत्र में सेवा, दोनों पक्षों के बीच हुए रोजगार अनुबंध की शर्तों द्वारा शासित होती है।

KIA के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में चोरी हुए 900 इंजन, कंपनी ने दर्ज कराई एफआईआर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाई जिले में ऑटोमोबाइल कंपनी किआ ने एफआईआर दर्ज कराई है। बीते पांच वर्षों में ऑटोमोबाइल कंपनी किआ के लगभग 900 कार इंजन चोरी हुए है।

ये जानकारी दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल कंपनी में कार्यरत एक अधिकारी ने दी है। अधिकारी की मानें तो मामले में दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल कंपनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। श्री सत्यसाई जिले के पेनुकोंडा में किआ कंपनी की कार मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थित है। पुलिस की मानें तो इंजन चोरी की घटना बीते पांच सालों से हो रही है। इस पूरे दौरान 900 कार के इंजन कथित तौर पर चोरी हुए है। पुलिस का कहना है कि चोरी की घटना की शुरुआत पांच वर्ष पहले हुई थी। इस मामले में 19 मार्च को शिकायत दर्ज कराई गई है। श्री सत्य साई जिले में 'किया' का कार निर्माण संयंत्र है। वेंकटेश्वरलु के अनुसार, प्रारंभिक जांच में 900 इंजन चोरी होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि ये इंजन या तो संयंत्र के अंदर से या वहां पहुंचने के रास्ते में चुराए गए। पुलिस को संदेह है कि यह चोरी कंपनी के ही कर्मचारियों की मिलीभगत से हुई है जिसके चलते जांच को कंपनी के पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों पर केंद्रित रखा गया है। वेंकटेश्वरलु ने कहा, ÷बाहरी लोगों की बात नहीं है, यह सब अंदर से हुआ है।

ब्रीफ न्यूज

नरबाई प्रबंधन पर तकनीकी सलाह

मुरैना। जिले में रबी फसलो की कटाई की जा रही है। इस संबंध में उपसंचालक कृषि पीसी पटेल ने समस्त कृषक भाईयों से अपील की है कि वे नरबाई (पराली) को न जलायें। आज-कल किसान भाई खेत में ही पराली जला देते हैं। यह तरीका पर्यावरण और मिट्टी दोनों के लिये हानिकारक है। पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है एवं मिट्टी के लाभकारी जीव नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसकी उर्वरता में कमी आती है। इसके फलस्वरूप उत्पादकता में कमी आती है। समस्त किसान भाई नरबाई प्रबंधन के लिये वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपायों को अपनायें, जिसमें उन्नत कृषि यंत्र हेप्पी सीडर, सुपरस्ट्रा मेनेजमेन्ट सिस्टम, रोटावेटर, पावर हेरो आदि मशीनो को नरबाई प्रबंधन हेतु उपयोग करें। हेप्पी सीडर एक ऐसी मशीन है जो पराली को हटाये बिना ही बुबाई कर सकती है। सुपरस्ट्रा मैनेजमेन्ट सिस्टम पराली को बारीक काटकर मिट्टी पर फैला देता है। रोटावेटर एवं पावर हेरो जैसी मशीने पराली को मिट्टी में मिला देती है। जिससे यह खाद में बदल जाती है। पराली को पशु चारा जैविक खाद, वायोकोल, वायो सीएनजी और कम्पोस्ट बनाने में भी उपयोग किया जा सकता है। किसान इन उपायों को अपना कर न केवल अपनी भूमि की उर्वरता बढ़ा सकते हैं बल्कि पर्यावरण की रक्षा भी कर सकते हैं। इस प्रकार नरबाई का सही प्रबंधन स्थाई खेती और स्वच्छ वातावरण की दिशा में एक महत्व पूर्ण कदम है।

9वीं कक्षा के लिये आवेदन 25 अप्रैल तक अपलोड करें

मुरैना। शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय क्रमांक-1 मुरैना के प्राचार्य ने छात्रों को सूचित किया है कि जो छात्र कक्षा 9वीं में प्रवेश पाना चाहते हैं, वे छात्र 25 अप्रैल तक एमपी पोर्टल के किसी भी कियोस्क सेंटर पर जाकर अपनी निर्धारित फीस जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। प्रवेश की अंतिम तिथि के बाद वेटिंग लिस्ट के माध्यम से प्रवेश दिया जायेगा। यह जानकारी प्राचार्य द्वारा दी गई है।

गोरमी में वाहन पलटने से घायल युवक की जिला अस्पताल में मौत

मुरैना। मंगलवार की देर शाम भिंड जिले के गोरमी में वाहन पलटने से घायल युवक की जिला अस्पताल मुरैना में मौत हो गई। बताया जाता है कि प्रदीप पुत्र लक्ष्मी नारायण सखवार उम्र 25 निवासी रामचंद का पुरा पोरसा मजदूरी करता था और वह मंगलवार को ही अहमदाबाद से ग्वालियर आया तथा वहां से भिंड ट्रेन से सोनी स्टेशन पर उतरकर लोडिंग वाहन से पोरसा आ रहा था। इस दौरान गोरमी सुनारपुरा के पास वाहन पलट गया और प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पोरसा में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल मुरैना रैफर किया गया। यहां पहुंचते ही डॉक्टर ने चेकअप किया और उसे मृत घोषित कर दिया।

हथियार का प्रदर्शन सोशल मीडिया करने वाला नाबालिक गिरफ्तार, हथियार हुआ जप्त

सत्ता सुधार ■ मुरैना

विगत दिनों सराय छोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक ग्रामीण नाबालिक युवक द्वारा हथियार एवं कारतूस के साथ सोशल मीडिया पर अपना फोटो एवं वीडियो वायरल किया और उस पर लिखा बदमाशों का बाप। जब यह खबर प्रकाशित हुई तो पुलिस द्वारा छानबीन कर नाबालिक को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया गया तथा उसके कब्जे से 315 बोर का कट्टा एवं कारतूस जप्त कर आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन का सिलसिला चल निकला है, जो थम नहीं रहा है। अभी हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक नाबालिक सर पर साफी बांधकर गले में कारतूस का पट्टा डाले हुए और पेट पर तमंचा रखे दिखाई दे रहा था। इसके साथ ही एक अन्य वीडियो में वह कारतूस का पट्टा लिए हुए था, यह वीडियो सराय छोला थाना क्षेत्र के तिलौंधा बबलू पुत्र पुरुषोत्तम का बताया गया। उक्त खबर के प्रकाशित होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और थाना प्रभारी को कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिस पर से थाना सराय छोला प्रभारी केके सिंह द्वारा मुखबिर के जरिए नाबालिक आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी नाबालिक के पास से एक 315 बोर कट्टा एवं एक कारतूस जप्त कर आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया है। पुलिस की नाकामी के कारण जिले में अवैध हथियारों का प्रदर्शन आए दिन देखने को मिल रहा है तथा पुलिस का कोई खौफ न होने के कारण लोग सोशल मीडिया पर भी इन्हें वायरल कर रहे हैं। इस प्रकार जिले में आए दिन हर्ष फायरिंग एवं हथियारों के प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहे हैं और यह वीडियो पुलिस को चुनौती भी दे रहे हैं कि रोक सको तो रोक लो। अनेक वर्षों से मुरैना जिले में अवैध हथियारों की सप्लाई एवं निर्माण का काम हो रहा है और पुलिस कई बार कारखाने पकड़कर अपनी पीठ थपथपाती है, लेकिन अब तक यह पता नहीं कर पाई कि आखिर हथियार जिले की सीमा में कहां से आ रहे हैं और कैसे आ रहे हैं तथा जिले में निर्माण कहां हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस का मुखबिर तंत्र पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है और अधिकारियों को अवैध कारोबारों की कोई सूचना नहीं मिल पा रही है।

बिना सुरक्षा उपकरण के जान जोखिम में डालकर आग बुझाने जाना पड़ता है दमकल कर्मियों को

आग की लपटों से बचने के लिए नहीं है कोई भी उपकरण, गोदाम में लगी आग के कारण कर्मचारियों की आंखों में हो रही जलन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नगर पालिका निगम मुरैना ठेकेदारों को पेमेंट करने के मामले में तो मालामाल है, लेकिन अपनी ही महत्वपूर्ण शाखा फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के लिए जरूरी संसाधन खरीदने में असमर्थ है। दमकल कर्मी अग्निकांड की सूचना पर आग बुझाने के लिए घटनास्थल पर जाते हैं तो उनके पास अपनी सुरक्षा के लिए कोई उपकरण नहीं रहते, जो घर से पहन कर निकलते हैं, उन्हीं संसाधनों से अपना काम करते हैं। इस संबंध में कुछ कर्मचारियों का कहना है कि अनेकों बार कमिश्नर एवं महापौर से जरूरी सुरक्षा उपकरण को लेकर मांग की गई है, परंतु कुछ लाख रुपए में आने वाले उपकरण उपलब्ध नहीं कराये जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों को आग बुझाने में परेशानी होती है और उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। फायर ब्रिगेड स्टेशन मुरैना के हालात वर्तमान में नहीं, बल्कि काफी समय से खराब है और अधिकारी इस महत्वपूर्ण शाखा की कोई सुध नहीं ले रहे हैं। यहां पदस्थ 28 कर्मचारियों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। फायर ब्रिगेड शाखा में तीन शिफ्ट लगते हैं, जिसमें 9-9 कर्मचारी एक शिफ्ट में रहते हैं, जब कोई बड़ी घटना होती है तो सभी को बुला लिया जाता है। कर्मचारी शहर एवं आसपास के इलाकों तथा अन्य तहसीलों ग्रामीण क्षेत्रों में जब भी अग्निकांड की सूचना मिलती है तो उन्हें बिना सुरक्षा उपकरण के ही रवाना होना पड़ता है और एक शिफ्ट में 8 कर्मचारी रहते हैं तो सभी को घटनास्थल पर जाना होता है। कुछ कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि आगजनी के दौरान कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर आग बुझाने का कार्य कर रहे हैं। उनके पास नगर निगम से प्राप्त होने वाली ड्रेस, जूते, ऑक्सीजन मास्क, चश्मा, रेनकोट, रबर दस्ताने आदि काफी समय से नहीं दिए गए हैं और कर्मचारियों को अपनी सुरक्षा खुद ही करनी पड़ती है। मंगलवार की शाम आजाद नगर राठौर कॉलोनी में शहर के गिफ्ट सेंटर श्याम मुरारी के गोदाम में आग लगी, तब सभी दमकल कर्मी फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंचे। आग भीषण थी तो अंदर तक भी जाना पड़ा, लेकिन इस दौरान उनके पास सुरक्षा के कोई उपकरण मौजूद नहीं थे और जान हथेली पर लेकर उन्हें अपनी ड्यूटी करनी पड़ी। लगभग 4 घंटे के अथक पयास के बाद आग को बुझा लिया गया, लेकिन आग बुझाने वाले कर्मचारियों की आंखों में दूसरे दिन तक जलन हो रही थी। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के लिए अप्रैल, मई, जून, जुलाई के महीने काफी कांटों भरे होते हैं और इन महीनाों में जिले भर में आगजनी की तमाम घटनाएं प्रतिदिन होती हैं। कर्मचारी की स्थिति यह कि उन्हें खाना भी समय से नसीब नहीं होता, लेकिन नगर निगम के आला अधिकारी उनकी परेशानियों की तरफ अपना ध्यान आकर्षित नहीं कर रहे हैं।

इनका कहना है.....

कोई डिमांड नहीं की है, वह मक्कार लोग हैं। डिमांड की होती तो मिल नहीं जाते, सब मिल जाता है उनको, फायर बिग्रेड वालों को कोई नहीं रोकता है। मांग करें तब तो दे, मांग क्या करना, उन्हें तो खुद खरीदना है। मैंने कब मना किया है, कोई कमिश्नर मना नहीं करता। यह खुद मक्कारी दे रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे, तब मानेंगे, ऐसे नहीं मानेंगे।

सत्येंद्र धाकरे, आयुक्त, नगर पालिक निगम, मुरैना

कीटनाशकों का छिड़काव एवं फोगिंग कार्य कराया

जौरा। मच्छरों एवं मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिये नगर पालिका परिषद जौरा द्वारा कीटनाशकों का छिड़काव और फोगिंग कार्य निरंतर जारी है। जिसके तहत मंगलवार को शहर की रहवासी बस्तियों में छिड़काव और फोगिंग कार्य कराया गया।

मन्नत पूरी होने के बाद मुटमुटो माता पर चढ़ाए नेजे, नौनिहालों का कराया मुंडन

जौरा। कस्बे से सटी नरहेला रोड गांधी आश्रम के पीछे स्थित प्राचीन मुटमुटो माता के मंदिर पर मंगलवार को लगे वार्षिक मेले जात में सुबह से देर रात तक हजारों की तादाद में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मंदिर में पूजा अर्चना कर माता की भेट चढाई। वहीं मन्नत पूरी होने पर भक्तजनों द्वारा माता के दरबार में नेजे चढ़ाए व नौनिहालो के मुंडन संस्कार कराए। मेले में लगी दुकानों से मिट्टी से बने घड़े खिलौनो की जमकर खरीदारीकी एवं मेले में लोगों ने चाट आइसक्रीम का लुफ्त भी उठाया। बता दें कि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को कस्बे से महज एक किमी दूर स्थित अलापुर के पास स्थित आसपास के क्षेत्र में प्रसिद्ध मुटमुटो माता के प्राचीन मंदिर में एक दिवसीय जात मेले का आयोजन किया गया। मंगलवार को भरी माता की जात में हजारों श्रद्धालुओं ने देर रात तक मंदिर में पहुंचकर माता की प्रतिमा पर नारियल बतासे और भेट चढ़ाकर दर्शन लाभ प्राप्त कर मन्नत मांगी।

सीईओ जिला पंचायत की उपस्थिति में ग्रामीण विकास की बैठक संपन्न

सत्ता सुधार ■ मुरैना

प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाली योजना का लाभ अंतिम छोर तक व्यक्ति को सुगमता से मिले। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने ग्रामीण विकास विभाग में चल रहे विकास कार्यो के संबंध में विस्तार से अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि विकास तेजी से हो एवं सीएम हेल्पलाइन का निराकरण समयसीमा में हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में फील्ड पर भ्रमण करें, किसी प्रकार कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो मेरे संज्ञान में लाना सुनिश्चित करें। जिला सीईओ ने कहा कि इस समय गेहूं की कटाई का कार्य चल रहा है, आगजनी न हो, इसके लिये मैदानी कर्मचारी सतत् नजर बनाये रखें। कहीं से भी सूचना मिले, तो तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर ट्रेक्टर में आग बुझाने वाले यंत्र पिछली बार तैयार किये गये थे, उन्हें दुरुस्त कर लिया जाये ताकि पंचायत स्तर पर तत्काल कोई घटना होने आग बुझाने का कार्य सुचारू रूप से किया जा सके।

हरिराम ने किया पूर्व मंत्री जयवर्धन का भव्य स्वागत

मुरैना। विगत दिवस अल्प्रवास पर मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह का कांग्रेस के युवा नेता हरिराम सिंह गुर्जर ने टेकरी हमुनान मंदिर के पास भव्य स्वागत किया, जिसमें उनके साथ सैकड़ो की तादाद में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर युवा नेता हरिराम के समर्थकों ने भी पूर्व मंत्री के ऊपर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

सत्ता न्यूज

इंजीनियर आकाश त्यागी ने अध्यक्ष माहेश्वरी की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया

अध्यक्षीय परिषद की बैठक भी संपन्न

सत्ता सुधार ■ जौरा

विगत दिवस मंगलवार को संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं म.प्र. भोपाल से जारी आदेश पर स्थानांतरित होकर आए आकाश त्यागी सब इंजीनियर ने नगर पालिका जौरा में पहुंच कर नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीरेंद्र सिंह रावत की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया। सब इंजीनियर आकाश त्यागी को आयोजित एक कार्यक्रम में पदभार ग्रहण करने पर इंजीनियर आकाश त्यागी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं गई। नपाध्यक्ष माहेश्वरी ने नवागंतुक इंजीनियर आकाश त्यागी को बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि इंजीनियर आकाश से हमें अपेक्षाएं हैं कि वे अपने दायित्व का निर्वाह पूरी ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करें तथा नगर में प्रस्तावित सभी निर्माण कार्यों को पूर्ण करने हेतु शीघ्रता लाएं ताकि नगर का सर्वांगीण विकास हो सके। इस दौरान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार के दिन अध्यक्षीय परिषद की बैठक भी संपन्न हुई। इस बैठक में उपस्थित समस्त सदस्यों ने अध्यक्षीय परिषद के एजेंडे शामिल सभी बिन्दुओं को सर्वसम्मति से पारित किया गया। प्रमुख बिन्दुओं में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के संबंध में प्रकरण पर विचार, नगर में प्रमुख स्थानों पर सी.सी.टी कैमरे लगाए जाने, नगर में फ्लड लाइट लगाए जाने संबंध में तथा विभिन्न वार्डों में सीमेंट सीसी खरंजे रोड़ निर्माण,डब्ल्यू बी एम रोड़ निर्माण,नाली निर्माण, हैंडपंप सामग्री क्रय, एलईडी स्ट्रीट लाइट मरम्मत पर विचार जल प्रदाय सामग्री क्रय बाबत के अलावा आदि महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में अध्यक्षीय परिषद में लाए गए सभी बिन्दुओं को सर्वसम्मति से पारित कर इन सभी विषयों से संबंधित कार्यों को शीघ्र पूरा करने पर सहमति जताई गई।

जैन जैनेत्तर समाज ने किया महामंत्र णमोकार का पाठ

मुरैना। सम्पूर्ण विश्व के साथ विश्व नमोकार दिवस के अवसर पर नगर में जैन मित्र मंडल मुरैना के सान्निध्य में सर्व बंधुओं द्वारा महामंत्र णमोकर का वाचन एक विशेष आयोजन के साथ किया गया। जैन मित्र मंडल के मुख्य संयोजक सतेंद्र जैन खनेता एवं राजकुमार जैन कुथियाना द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार सर्व जैन संप्रदायों की सर्वमान्य संस्था जीतो आयोजित विश्व नवकार दिवस के अवसर पर जैन मित्र मंडल मुरैना ने नसियां जी जैन मंदिर मुरैना में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री द्वारा भगवान महावीर स्वामी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। ज्ञातव्य हो कि जैन समाज की सर्वमान्य अंतराष्ट्रीय संस्था जीतो ने 09 अप्रैल को विश्व के 108 देशों के साथ सम्पूर्ण भारत के प्रत्येक नगर में णमोकर महामंत्र पाठ का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में स्थानीय साधर्मी बंधुओं, माता बहिनों एवं बच्चों ने भाग लेकर सामूहिक महामंत्र का वाचन किया। जिसमें जैन मित्र मंडल के सभी सदस्यगण, नसियां जी महिला मंडल, प्रज्ञावती महिला मंडल, सकल जैन समाज एवं नगर के अन्य समाज बंधु सम्मिलित हुए। कार्यक्रम पश्चात सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई।

//आम सूचना//

सर्वसाधारण एवं हरआम व खासखोत मेरे व्यवहारी रघुवीर शर्मा पुत्र स्व. श्री शिवचरन लाल शर्मा निवासी वार्ड क्रमांक 7 दाऊजी मुरैना गांव के द्वारा दिये गये निर्देशानुसार सूचना दी जाती है कि मेरे व्यवहारी एवं उनके परिवारीजन के स्वत्व स्वामित्व आधिपत्य की भूमि जिसका पुराना सर्वे क्रमांक 866 नवीन सर्वे क्रमांक 1032 होकर ग्राम मुरैना गांव व तहसील व जिला मुरैना में स्थित है। उक्त भूमि उत्तर दिशा की ओर लगा हुआ भूमि सर्वे क्रमांक 602 स्थित है किंतु भूमि सर्वे क्रमांक 602 में अन्य लोग बिना किसी टॉउन एण्ड कंन्ट्री प्लानिंग के बिना किसी कॉलौनी की अनुमति लिये अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं तथा उक्त कारण एवं प्रार्थी की भूमि सर्वे क्रमांक 1032 से लगे होने के कारण गांवों के व्यक्ति लज्जाराम, अशोक आदि उक्त भूमि की आड़ में प्रार्थी की भूमि सर्वे क्रमांक 1032 को विक्रय अंतरण करने हेतु प्रयासरत है, तब ऐसी स्थिति में कोई भी व्यक्ति उक्त व्यक्तियों से भूमि सर्वे क्रमांक 1032 के रकवे को 602 का रकवा दिखाकर क्रय ना करें तथा उक्त संबंध में न्यायालय में व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक 30/2025 ए.ई.दी वउन्वान शिवचरन मृतक वारिश आशा बनाम लज्जाराम आदि पर न्यायालय श्रीमान प्रथम के षष्टम अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश महोदय कनिष्ठ खण्ड मुरैना जिला मुरैना में विचाराधीन है। ऐसी स्थिति में कोई व्यक्ति उक्त भूमि को भूमि सर्वे क्रमांक 1032 को 602 समझकर क्रय विक्रय ना करें, अन्यथा भविष्य में होने वाले लाभ हानि के प्रति स्वयं उत्तरदायी होगा, सर्वसाधारण सूचित हो।

भवदीय

श्री जितेन्द्र शर्मा (एडवोकेट)
वनखण्डी रोड, मुरैना

ब्रीफ न्यूज

श्रमदान कर नदी घाट पर की साफ-सफाई

हरदा। मुख्यमंत्री के निर्देशन में प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण एवं संवर्धन को ध्यान में रखते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया है। संजय गंगराडे ने बताया कियह अभियान आगामी 30 जून तक जारी रहेगा। इस अभियान के तहत जल स्त्रोतों के गहरीकरण एवं जीर्णोद्धार जैसे कार्य किए जा रहे है। इसी क्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चारूवा की काली माचक नदी के मूर्ति विसर्जन घाट पर साफ सफाई की गई। जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक विनीता शाह की उपस्थिति में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गुप्तेश्वर मंदिर नदी पर पेड़ी घाट की साफ सफाई की तथा ग्राम पंचायत चारूवा में जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था व परामर्शदाता सदस्यों के द्वारा नदी के आसपास की साफ सफाई की गई एवं कचरे को एकत्र कर नष्ट किया गया।

हरदा में ठण्डे पेयजल के लिये शुरू किये 12 प्याऊ

हरदा। जिले के सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को ग्रामीण क्षेत्र के लिये व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शहरी क्षेत्र के नागरिकों की सुविधा के लिये ग्रीष्म ऋतु में शुद्ध पेयजल हेतु कलेक्टर आदित्य सिंह ने सभी पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्र के वार्डों में प्याऊ की व्यवस्था शुरू कराने के निर्देश दिये हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश पाटीदार ने बताया कि हरदा में अभी तक कुल 12 प्याऊ स्थापित किये जा चुके है। श्री पाटीदार ने बताया कि ये प्याऊ घंटाघर, बस स्टेण्ड, सब्जी मण्डी पाउनी डेयरी के पास, प्रताप टॉकीज काम्प्लेक्स के पास, हनुमान मंदिर बायपास चौराहा, साई मंदिर के पास, कचहरी के सामने, राठी पेट्रोल पम्प के पास, ग्वाल नगर हनुमान मंदिर के पास, नेहरू स्टेडियम पेट्रोल पम्प के पास, पोस्ट ऑफिस चौराहा तथा तेजाजी चौक के पास स्थापित किये गये है। सीएमओ श्री पाटीदार ने बताया कि अन्य वार्डों में भी शीघ्र ही सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ शुरू किये जायेंगे।

जिला मजिस्ट्रेट ने 2 अपराधियों पर की जिला बदर की कार्यवाही

दमोह। जिला मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार कोचर ने आपराधिक गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से नियंत्रण करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के प्रतिवेदन पर म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 02 अपराधियों पर जिला बदर की कार्यवाही की है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार अनावेदक बंटू ऊर्फ ओमप्रकाश यादव पिता राजाराम यादव उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम खमरिया अजीतपुर थाना तेन्दूखेड़ा को आगामी 01 वर्ष की कालावधि के लिये तथा अनावेदक दिनेश ऊर्फ दिन्नू पिता ज्ञानी यादव निवासी ग्राम सेहरी थाना तेन्दूखेड़ा को आगामी 06 माह (180) दिवस के लिये दमोह जिले की भौगोलिक सीमाओं तथा उससे लगे राजस्व जिले सागर, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, पन्ना, छतरपुर से निष्कासित कर दिया है तथा आदेशित किया है कि अनावेदक आदेश की प्राप्ति से 24 घंटे के अंदर दमोह जिले की सीमाओं से बाहर चले जाये एवं अपने आचरण में सुधार करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम भौंरासा में 'जल चौपाल' का आयोजन

ग्रामीणों ने एकजुट होकर लिया जल संरक्षण का संकल्प, अपने प्राचीन तालाब को करेंगे संरक्षित

सत्ता सुधार ■ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत म. प्र. जन अभियान परिषद दमोह के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था छात्र सर्व कल्याण समिति सेक्टर सदगुवां विकासखंड पथरिया द्वारा चयनित आदर्श ग्राम भौंरासा में ÷जल चौपाल÷ का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों और मातृशक्ति की उपस्थिति रही। सभी ने जल संरक्षण, संवर्धन के साथ-साथ अपने प्राचीन कुआं और तालाबों के संरक्षण का संकल्प लिया। वहीं सभी ने यह संकल्प भी दोहराया कि हम सब मिलकर अपने गांव को स्वच्छ सुंदर और आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करेंगे।

इस अवसर पर नवांकुर संस्था अध्यक्ष एवं जिले के यूथ अचीवर्स कृष्णा पटेल ने ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज इस प्रकार के जल चौपाल करने की आवश्यकता क्यों पड़ी है, यह विचार करने की आवश्यकता हम सभी को है, जल संरक्षण करने की बहुत आवश्यकता

है, हमारे जीवन का मूल आधार ही जल है, हमारे ग्राम कृषि पर आधारित है और किसान तभी संपन्न होंगे जब उनकी खेती के लिए पर्याप्त जल रहेगा। मध्य प्रदेश शासन के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वारा प्राचीन नदी, कुआं, बावड़ी और तालाबों के संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है, हम सभी को मिलकर उन्हें संरक्षित करना है, जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में भौंरासा ग्राम आदर्श ग्राम के रूप में चयनित है, हम सभी के लिए स्वच्छता, नशा मुक्ति, शिक्षा, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण सहित अनेक विषयों पर सकारात्मक काम करके अपने गांव को एक आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करना है।

इस दौरान बजरंग धाम के महंत पंडित पतिराम दास जी महाराज, ग्राम पंचायत सरपंच भारत पटेल, उप सरपंच हरिराम यादव यादव, नवांकुर संस्था अध्यक्ष जिले के यूथ अचीवर्स कृष्णा पटेल, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष आशीष पटेल, समिति सदस्य रामकृष्ण पटेल, अमित पटेल ब्रजकिशोर पटेल, अरविंद पटेल, हेमराज पटेल, रंजीत रजक, पुष्पेन्द्र अहिरवार, विकास पटेल, रोहित पटेल, सौरभ पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों और मातृशक्ति की उपस्थिति रही।

पटाखा ब्लास्ट पीड़ितों को किया 5.42 करोड़ रुपये का मुआवजा वितरित

घायलों को 32 लाख का मुआवजा भुगतान

सत्ता सुधार ■ हरदा

गत वर्ष 6 फरवरी को हरदा के बैरागढ़ में पटाखा फैक्ट्री विस्फोट दुर्घटना के बाद शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों को अभी तक कुल 5.42 करोड़ का मुआवजा वितरित किया जा चुका है। जिसमे आरबीसी 6(4) के तहत 1 करोड़ 48 लाख, प्रधानमंत्री राहत कोष से 26 लाख एवं रेड क्रॉस से 73 लाख एवं एन.जी.टी. के आदेश के पालन में फैक्ट्री संचालको से 2 करोड़ 95 लाख की वसूली कर यह राशि भी पीड़ितों को उपलब्ध कराई जा चुकी है।

दिवंगतो के परिवारजनों को 2 करोड़ 80 लाख का भुगतान : कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री विस्फोट दुर्घटना में मृत हुए 13 व्यक्तियों के परिजनों को कुल 2.80 करोड़ की राशि का भुगतान किया जा चुका है जिसमे आरबीसी के तहत 52 लाख रूपए, प्रधानमंत्री एक्स ग्रेसिया से 26 लाख, रेड क्रॉस से 6.50 लाख एवं फैक्ट्री संचालको से 1 करोड़ 95 लाख की वसूली कर प्रभावित परिवारजनों को 15 लाख रुपए प्रति दिवंगत के मान से भुगतान किया जा चुका है।

घायलों को 32 लाख का मुआवजा भुगतान : घटना में 64 गंभीर घायलों सहित कुल 301 व्यक्ति घायल हुए थे, एवं एन.जी.टी. के आदेशानुसार घायलों के उपचार में व्यय हुई राशि के भुगतान की प्रक्रिया चल रही है। घायलों को कुल 32 लाख रुपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है, जिसमे तात्कालिक रूप से 21 लाख की राशि रेडक्रॉस से, 8 लाख की राशि आरबीसी के तहत एवं 3 लाख की राशि फैक्ट्री संचालकों से वसूली की जाकर भुगतान किया जा चुका है। शेष घायलों से उनके बैंक खाता की जानकारी मांगी गयी है, ताकि उनको भी भुगतान किया जा सकें । इसके अलावा पशु क्षति, फसल क्षति, आंशिक मकान क्षति के लिए शासन द्वारा एवं रेडक्रॉस व रोगी कल्याण समिति के माध्यम से 62 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया गया है।

पटाखा ब्लास्ट के मामले में एन.जी.टी. के आदेश पर माननीय उच्च न्यायलय जबलपुर द्वारा स्थगन आदेश किया गया। गत 16 दिसम्बर 2024 को स्टे खत्म होने पर प्रकरण की सुनवाई प्रति सप्ताह एन.जी.टी. में चल रही है। कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि सबसे पहले दिवंगत व्यक्तियों के सम्बन्ध में निर्णय किया गया जिसका पालन किया जा चुका है और मुआवजे का भुगतान भी किया जा चुका है। इसके पश्चात मकान क्षति एवं घायलों के सम्बन्ध में सुनवाई चल रही है, जिसमे आदेश के पालन में अभी तक भुगतान कुल आंकलित मकान क्षति 2 करोड़ 40 लाख में से 1 करोड़ 97 लाख की राशि के भुगतान की कार्यवाही की गयी है। इस प्रकरण में अगली सुनवाई 29 मई 2025 को है, में शासन द्वारा पीडितो का पक्ष एवं मांग एन.जी.टी. के सामने रखा गया है। प्रकरण में निर्णय होते ही राशि का भुगतान कर दिया जायेगा।

मकान क्षति के प्रभावितों को 1 करोड़ 97 लाख का मुआवजा -

इंजिनियरों के दल में मकानों को शत प्रतिशत क्षति के आधार पर 2.40 करोड़ के नुकसान का आंकलन किया है। ब्लास्ट में मकान क्षति के 34 मकानों में निवासरत 57 पीड़ित परिवारों को आरबीसी के तहत 68.40 लाख एवं 23 परिवारों को रेडक्रॉस से 46 लाख की राशि का भुगतान किया जा चुका है। एन.जी.टी. के 6 मार्च के आदेश अनुसार मकानों के कुल नुकसान से पूर्व में प्रदान की गयी सहायता राशि घटाकर कुल 97 लाख की राशि गत 12 मार्च को भुगतान कर दी गयी है। इस प्रकार विस्फोट से प्रभावित मकानों की कुल क्षति 2 करोड़ 40 में से 1 करोड़ 97 की राशि का भुगतान आज दिनांक तक किया जा चुका है। इन 34 विस्फोट प्रभावित मकानों में से 22 हितग्राहियों को आंकलित सम्पूर्ण क्षति का भुगतान हो गया है। एन.जी.टी. के समक्ष प्रकरण की अगली सुनवाई 29 मई को प्रस्तावित है, जिसमे आदेश प्राप्त होने शेष राशि का भुगतान कर दिया जायेगा।

अप्रैल की तपिस को देख सहम रहे लोग मई-जून में क्या होगा?

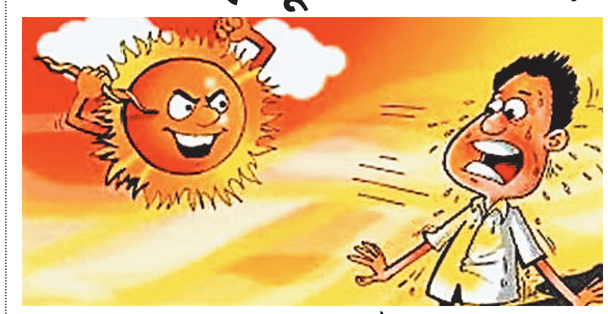

सत्ता सुधार ■ हरदा

लगातार बनते बिगड़ते मौसम के बीच एक बार फिर भगवान भास्कर आग उगलने लगे हैं, जिसके चलते अंचल में लगातार तबिश बढ़ रही है और लोग भीषण गर्मी की मार झेल रहे हैं। आलम ये है कि सूरज चढ़ने के बाद नगर की सड़कों में पूरी दोपहरी सन्नाटा सा पसरा रहता है, लोग भगवान भास्कर का तेज कम होने के बाद ही अपने घरों से बाहर निकलने की हिम्मत जुटा पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनो में मची मौसमी उथल-पुथल के चलते समूचे अंचल का मौसम बदल गया था और अप्रैल माह के मध्य में तेज आंधी के साथ कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश का दौर शुरू हो गया था। मौसम के इस बदले मिजाज के चलते लगातार बढ़ रही तपिश व गर्मी से अंचलवासियों को काफी हद तक राहत मिली थी और भरी गर्मी में भगवान भास्कर का तेज भी फीका पड़ गया था। लेकिन महज कुछ दिनो की इस मौसमी नौटंकी के बाद एक बार फिर सब कुछ बदल गया है।

भगवान भास्कर पूरे तेजी के साथ हो रहे प्रकट

भोर फटने के साथ ही भगवान भास्कर पूरे तेज के साथ प्रकट हो रहे हैं। दोपहर होते-होते उनकी यह प्रचडता चरम पर पहुंच जाती है और लोगों का अपने घरों से निकलना भी दूभर हो जाता है। आलम ये है कि चटख धूप और उस पर गर्म हवा के थपेड़ों के चलते नगर की सड़के पूरी दोपहरी सूनसान पड़ी रहती हैं। जो लोग जरूरी काम से बाहर निकलते भी हैं तो वे भगवान भास्कर की तपिश तथा चटख धूप व गर्म हवा के थपेड़ों से बचने के लिए सिर से लेकर पांव तक पंछा, टोपी, स्कार्प, चश्मा, हांथ पोश व दूसरे साजो सामान का कबज धारण किए होते हैं। इसी प्रकार घरों में दुबके लोग भी गर्मी से बचने के लिए पंखा, कूलर, एसी का सहारा ले रहे हैं। मौसम के इन सख्त तेवरों को देख लोग अब मई-जून माह की तपिश का अहसास कर सहम रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री उईके ने किया गौशाला का लोकार्पण

सत्ता सुधार ■ हरदा

भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के राज्यमंत्री दुगार्दास उईके ने छिदगांव तमोली में 37.84 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीताराम गौशाला का लोकार्पण किया। इस अवसर पर अधिकारी कर्मचारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मंत्री श्री उईके ने गौशाला में गौ माता का विधिवत पूजन भी किया। उन्होने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि गाय माता हमें दूध, गोबर, गोमूत्र सहित बहुत कुछ देती है, हमें भी गौवंश की सेवा करनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने मोबाइल मेडिकल क्लिनिक को दिखाई हरी झण्डी

हरदा। भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के राज्यमंत्री दुर्गादास उईके ने टिमरनी के शासकीय कन्या शाला स्कूल से रहटगाँव एवं सिराली तहसीलों के लिए दो निश्शुल्क मोबाइल मेडिकल क्लीनिक की हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। केन्द्रीय मंत्री श्री उइके ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की सुविधा के लिये यह मोबाइल मेडिकल क्लिनिक रवाना की गई है। इससे पहुँच विहिन क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को निश्शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया : महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं व बच्चों को स्थानीय संसाधनों के माध्यम से पोषणयुक्त आहार तैयार करने के लिये जागरूक करने हेतु पोषण प्रदर्शनी लगाई गई।

तेंदूखेड़ा में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत विवाह समारोह 4 मई को

दमोह। दमोह जिले की विधानसभा जबेरा अंतर्गत नगर परिषद तेंदूखेड़ा के कृषि उपज मंडी में 04 मई 2025 को मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन होगा पात्र हितग्राही जनपद तेंदूखेड़ा में आवेदन जमा करने की तिथि 02 अप्रैल से शुरू हो गई है जो 25 अप्रैल 2025 तक चलेगी। आयोजक स्थानीय विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संस्कृति पर्यटन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग मध्यप्रदेश शासन ने बताया कि प्रत्येक वैवाहिक जोड़ों को 49 हजार रुपए की राशि एवं उपहार सामग्री भेंट स्वरूप प्रदान की जाएगी विवाह निकाह एक साथ संपन्न होंगे मध्य प्रदेश के किसी भी जिले शहर या

गांव का कोई भी व्यक्ति अपने पुत्र या पुत्री के विवाह का पंजीयन करा सकते हैं शासन नव दंपति को जो राशि उपहार भेंट में दे रहा है उसके अतिरिक्त भी दंपत्तियों को विभिन्न प्रकार के उपहार भी दिए जाएंगे कल्याणी विधवा होने की स्थिति में पूर्व पति का मृत्यु प्रमाण पत्र परित्यगता तलाकशुदा महिला होने की स्थिति में कानूनी रूप से तलाक होने का न्यायालयीन आदेश अनिवार्य वार रूप से संलग्न करें वर वधु यदि दिव्यांग है तो दिव्यांगता का प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड अनिवार्य है। विवाह में कन्या से संबंधित आवश्यक दस्तावेज दो पासपोर्ट साइज फोटो, अंकसूची, आधार कार्ड, बैंक खाता पासबुक, मोबाइल नंबर, मूल निवास प्रमाण पत्र, अविवाहित प्रमाण पत्र पंचनामा, लड़के से संबंधित दस्तावेज दो पासपोर्ट साइज फोटो, अंकसूची, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, अविवाहित प्रमाण पत्र पंचनामा जैसे दस्तावेजों के साथ अपना पंजीयन कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में सहायता के लिए मंत्री कार्यालय संपर्क के 8989895600 पर कॉल करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

कोंडावत हादसाः कुनबी पटेल समाज की श्रद्धांजलि सभा आज

जनसहयोग की लहर और पूर्व विधायक की भावनात्मक घोषणा

सत्ता सुधार ■ खंडवा

पंधाना तहसील के कोंडावत गांव में हुए भीषण हादसे के बाद अब पूरे क्षेत्र में संवेदनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। जहां कुनबी पटेल समाज और अन्य सामाजिक संगठनों ने जनसहयोग से पीड़ित परिवारों की मदद का बीड़ा उठाया है, वहीं समाजसेवी और राजनेता भी इस पहल में भागीदार बनते दिखाई दे रहे हैं।

गांव-गांव में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जा रही हैं, जहाँ न सिर्फ दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी जा रही है, बल्कि उनके परिजनों के लिए आर्थिक सहयोग भी एकत्रित किया जा रहा है। समाज के हर वर्ग की सहभागिता इस त्रासदी को साझा करने का प्रमाण बन चुकी है।

10 अप्रैल 2025 को कोंडावत गाँव में कुनबी पटेल समाज द्वारा एक विशाल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है, जिसमें हजारों लोगों के पहुँचने की संभावना है। यह आयोजन शोक का नहीं, बल्कि सामूहिक एकजुटता और संवेदनशीलता का प्रतीक बन गया है।

इस बीच पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता ठाकुर राजनारायण सिंह पुरनी का संवेदनशील पहल भी चर्चा में है। उन्होंने पहले हादसे के दिन मृतकों की अंत्येष्टि में शामिल होकर एक भावुक वीडियो संदेश जारी किया था। लेकिन इसके बाद वे दोबारा कोंडावत पहुंचे और सभी आठ मृतकों के परिजनों से व्यक्तिगत रूप से भेंट की।

सबसे भावुक क्षण तब आया जब वे मृतक अर्जुन के घर पहुंचे। यहाँ उन्होंने समाजजनों की उपस्थिति में अर्जुन की बड़ी बेटी, जिसने अग्नि संस्कार किया था, के विवाह की सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं उठाने की घोषणा की। उन्होंने कहा - जब भी इस बेटी का विवाह तय हो, उसके सारे खर्चों की जिम्मेदारी मैं और मेरा परिवार उठाएंगे। समाजजन मिलकर विवाह तय करें और मुझे सूचित करें।

उनकी यह घोषणा न केवल उनके सहृदय व्यक्तित्व को दर्शाती है, बल्कि दुख की घड़ी में आशा की किरण भी बनती है। उन्होंने जिला प्रशासन को स्वयं कलेक्टर कार्यालय जाकर इस बात की जानकारी दी और अन्य सामाजिक व राजनैतिक संगठनों से भी अपील की कि वे खुले दिल से इन परिवारों की मदद करें।

खबर भारत इस मानवीय पहल की सराहना करता है और आप सभी से निवेदन करता है कि इस दुःख की घड़ी में एकजुट होकर पीड़ित परिवारों को संबल प्रदान करें।

भगवान महावीर के जीयो और जीने दो के सिद्धांत में सबका सुख निहित है, विश्व व्यापी णमोकार मंत्र के जाप मे मुनि श्री एवं माता जी के ससंघ सानिध्य में खंडवा भी हुआ शामिल

मुनिश्री एवं माताजी के ससंघ सानिध्य में महावीर जयंती पर निकलेगी श्री जी की विशाल रथ यात्रा आज

सत्ता सुधार ■ खंडवा

भगवान महावीर स्वामी का 2624 वां जन्म कल्याणक महोत्सव हम सभी आज 10 अप्रैल मनाने जा रहे हैं, उन्होंने जगत को जियो और जीने दो का दिव्य सन्देश दिया जिसमें सभी का सुख निहित है, समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि साधु संत हमें प्रवचन के माध्यम से परमात्मा के दर्शन कराते हे, हमने परमात्मा को तो नहीं देखा लेकिन साधु संत के रूप में साक्षात हमारे सामने विराजमान मुनि संघ परमात्मा का ही रूप है, नवकार नगर में आयोजित प्रवचन माला में मुनि प्रणेय सागर जी महाराज ने कहा आज दुनिया युद्ध के कगार पर खड़ी हैं हथियारों की होड़ लगी है लोग एक दूसरे के दुश्मन वनने को तैयार बैठे हैं कभी भाषा कभी धर्म जाति के नाम पर लड़ने मरने को तैयार हैं तव इस दुनिया को भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों की अधिक आवश्यकता प्रतीत होती है, हम सभी मिलकर भगवान महावीर के पद चिन्हो पर चलकर अपने जीवन का कल्याण करे, सुनील जैन ने बताया कि दादाजी की नगरी खंडवा में जैन मुनि तरुण सागरजी श्वेतांबर मुनि कमल मुनी जी म.सा का वर्षो पूर्व आगमन हुआ था और उन्होंने एक ही मंच से सभी समुदाय को एक संकल्प दिलवाया था उन्होंने कहा था कि हमारी पूजा पद्धति भले ही अलग हो लेकिन हम सब महावीर की संतान है और भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव सामूहिक रूप से मिलकर मनाएं गुरुओं की वाणी को सकल जैन समाज ने स्वीकार किया और वर्षो से खंडवा में समाज द्वारा महावीर जयंती महोत्सव का पर्व सामूहिक रूप से एक साथ मिलकर मनाया जा रहा है महावीर जयंती महोत्सव के पूर्व 9 अप्रैल को प्रातः काल की वेला में दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी णमोकार महामंत्र जप आराधना समारोह में शामिल हुए सभी ने जगत कल्याण की कामना से आठ बजे से णमोकार महामंत्र आराधना की इस अनुष्ठान में करोड़ों की संख्या में जैन भक्तों ने णमोकार मंत्र का जाप किया, खंडवा में नवकार नगर में 9 तारीख को णमोकार मंत्र का जाप मुनि श्री प्रणेय सागर जी एवं आर्यिका विदुषी श्री माताजी

के ससंघ सानिध्य में श्रद्धालुओं द्वारा आयोजित हुआ, णमोकार मंत्र में सारी शक्तियां विराजमान है जो हमारे जीवन का कल्याण करती है, मुनि सेवा समिति के प्रचार मंत्री सुनील जैन प्रेमांशु चौधरी ने बताया कि 10 अप्रैल गुरुवार को महावीर जयंती के अवसर पर सराफा जैन मंदिर से प्रातः काल 6 बजे प्रभात फेरी एवं प्रातः 8 बजे सराफा जैन मंदिर से भगवान श्री महावीर की विशाल रथ यात्रा निकलेगी जो रामगंज बुधवारा, केवल राम पेट्रोल पंप, बॉम्बे बाजार होते हुए घंटाघर महावीर कीर्ति स्तंभ पहुंचेगी जहां अतिथियों द्वारा केसरिया ध्वज फहराया जाएगा, रथ यात्रा घंटाघर से बजरंग चौक से महावीर जैन मंदिर पहुंचेगी जहां भगवान महावीर की आरती की जाएगी, यात्रा श्वेतांबर नमिनाथ जैन मंदिर होते हुए घंटाघर से सराफा मंदिर पहुंचेगी जहां मुनि श्री प्रणेय सागर एवं विदुषी श्री माताजी के प्रवचन के साथ भगवान महावीर स्वामी का अभिषेक एवं शांति धारा होगी, रथ यात्रा में समाज जनों के साथ खंडवा महापौर अमृता अमर यादव एवं विधायक कंचन मुकेश तनवे उपस्थित रहेंगी।

प्रेमांशु चौधरी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जैन सोशल ग्रुप द्वारा रथ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए दूध ठंडाई के साथ वात्सल्य भोज का आयोजन भी रखा गया है, सराफा पार्श्वनाथ जैन मंदिर के साथ ही बजरंग चौक स्थित महावीर दिगंबर जैन मंदिर में आकर्षक झांकी के साथ सुंदर बालक महावीर का पालना भी सजाया गया है, समाज के सभी अध्यक्ष वीरेंद्र जैन भटयांण,दिलीप पहाड़िया अभय जैन चोपड़ा, पंकज छाबड़ा, विजय सेठी, मनसुख भंडारी, हिरेंद्र जैन, नवनीत बोथरा विजय आदि ने सभी सामाजिक बंधुओ से महावीर जयंती पर आयोजित विशाल रथ यात्रा के साथ कार्यक्रमों में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

ब्रीफ न्यूज

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा दी गई स्वच्छता संबंधी ट्रेनिंग

सागर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के आदेशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन सागर द्वारा जिले के जंक फूड, स्ट्रीट फूड एवं फास्ट फूड विक्रेताओं को स्वच्छता एवं गुणवत्ता से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण अभियान को मोबाइल फूड लैब की सहायता से संचालित किया गया, जिसके तहत विक्रेताओं को गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता बनाए रखने, ताजे फल व साफ पानी के उपयोग, एवं खाद्य सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु जागरूक किया गया। अभियान के दौरान अधिकारियों द्वारा विशेष रूप से चाइनीज फास्ट फूड में उपयोग किए जाने वाले अजीनोमोटो के सीमित उपयोग किये जाने के निर्देश दिए। विक्रेताओं को बताया गया कि अधिक मात्रा में अजीनोमोटो के सेवन से मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। प्रशिक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज परिसर एवं आसपास स्थित चाट-चौपाटी व फास्ट फूड स्टॉल्स पर जाकर विक्रेताओं को खाद्य लाइसेंस / पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदर्शित करने और फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए गए।

गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन अभियान शुरू

सागर। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन अभियान शुरू कर दिया है। यह अभियान 7 अप्रैल 2025 से 17 अप्रैल 2025 तक चलेगा, जिससे असंगठित क्षेत्र के साथ-साथ गिग/प्लेटफॉर्म वर्कर्स जैसे स्विगी, उबर, ओला, जोमैटो, एमेजॉन, ब्लिंक कॉमर्स, ई-कॉम एक्सप्रेस, अंकल डिलीवरी एक्सप्रेस, अर्बन कंपनी, ब्लिंकिट जैसी कंपनियों के साथ जुड़े श्रमिकों का पंजीयन किया जा रहा है।

चल समारोह के दौरान मां महाकाली के पीछे लगी आग

बीना/सागर। चैत्र नवरात्रि के समय छोटी बजरिया स्थित गुप्ता गार्डन के पास महाकाली प्रतिमा की स्थापना कई वर्षों से की जा रही है 9 दिन तक अनेकों भक्तिमय कार्यक्रमों के पश्चात मंगलवार को चल समारोह निकाला गया बड़ी ही उत्साह और गाजें बाजों के साथ गुप्ता गार्डन से प्रारंभ किया गया जो छोटी बजरिया होते हुए सिनेमा तिराहा से सर्वोदय चौराहा पहुंचा कि अचानक पटाखों से माता के पीछे के हिस्से में आग लग गई आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। जहां माता का रौद्र रूप देखने को मिला लोग दृश्य देखकर लोगों ने तत्काल आग बुझाने के लिए सभी जुड़ गए जिसमें पुलिस जवान से लेकर आम आदमी भी आग बुझाने में लग गया कुछ देर बाद आज पर काबू पाया गया उसके पश्चात चल समारोह पुनः शुरू हो सका।

बजट बैठक के दौरान विकास के मुद्दों कम, पार्षद आपस में अधिक उलझे

वार्षिक बजट बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें विकास कार्यों के लिए लगभग 82 करोड़ 70 लाख का बजट पास किया

किसके कहने पर और किसे लाभ पहुंचाने ग्रामीण क्षेत्र में पाइप लाइन बिछाई

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

नगर पालिका में मंगलवार को बजट की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बजट को छोड़कर अन्य विषयों पर पार्षद आपस में उलझे रहे। किसी ने शौचालय के टैंक साफ कराने का मुद्दा उठाया तो किसान ने जल संकट, पोल शिफ्टिंग, कचरा गाड़ियों पर बहस छेड़ दी। इस बीच नगरपालिका भवन निर्माण के लिए स्थान चयन को लेकर तीखी बहस हुई। पार्षदों से अभिमत देने की बात आई तो पार्षद अजय ठाकुर ने कहा कि सिर्फ पार्षद अभिमत देंगे। इस बात पर सांसद प्रतिनिधि ने कड़ी आपत्ति जताते हुए एक्ट पढ़ने की नसीहत दे दी। इसी तरह अन्य विषयों पर भी तीखी नोकझोंक हुई। पार्षद मधुलिका यादव ने अधूरी सड़क का मामला उठाया, इस पर परिषद ने समय पर काम न करने वाले ठेकेदारों के टेंडर निरस्त कर अमानत राशि राजसात करने पर सहमति दी। अध्यक्ष लता सकवार की ओर से इसे प्रोसिडिंग में शामिल किया गया। इसी तरह परिषद के सदस्यों ने अमृत 2.0 के तहत डाली जा रही पाइप लाइन पर सवाल खड़े किए। पार्षदों ने कहा कि किसके कहने पर और किसे लाभ पहुंचाने ग्रामीण क्षेत्र में पाइप लाइन बिछाई गई है। टंकी तक ग्रामीण क्षेत्र में बनवा दी गई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पार्षद गौरीशंकर राय ने कहा कि गुलौआ पाकिस्तान में नहीं है, शहर का ही हिस्सा है। पानी शहर के लोग ही पिएंगे, लेकिन अपने लोग बाधा बन रहे हैं। इन विषयों के अलावा सफाई कर्मचारियों की कमी, गंदगी, नियमित रूप से पानी सप्लाई न होने, बिना प्लानिंग काम करने पर परिषद के सदस्य आक्रोशित नजर आए। बैठक के दौरान एजेंडा में शामिल कांजी हाउस की जगह रैन बसेरा में नया नगर पालिका भवन बनाने पर चर्चा हुई। इस विषय पर तीखी बहस छिड़ गई। किसी ने कहा कि इसी भवन को तोड़कर नया भवन बनाया जाए या स्टार होम्स कॉलोनी में नपा की बिल्डिंग का निर्माण हो। इस पर कुछ पार्षदों ने कहा कि रेन बसेरा में नगर पालिका भवन बनने लोगों को दिक्कतों होगी। बहस के दौरान बात वोटिंग पर आ गई। इस पर पार्षद अजय ठाकुर ने कहा कि सिर्फ पार्षद ही अपना अभिमत देने हाथ उठाए। इसी बात पर सांसद प्रतिनिधि संतोष ठाकुर ताब में आ गए और उन्होंने कहा कि सांसद की अनुपस्थित में उन्हें अभिमत देने का पूरा अधिकार है। नगर पालिका एक्ट 1961 में यह व्यवस्था है। आपको पता नहीं एक्ट पढ़ो तब पता चलेगा। बहस के चलते इस विषय पर कोई सहमति नहीं बन सकी। बैठक के दौरान भारती राय ने जनहित का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा नपा द्वारा नेताओं के वाहनों में डीजल डलवाया जाता है, यहां तक कि वह खुद के काम के लिए नपा के वाहन लेकर जाते हैं। लेकिन जब किसी की मौत होती है तो परिवार वालों को शव वाहन के लिए शुल्क लिया जाता है। उन्होंने कहा कि शव वाहन की व्यवस्था निशुल्क होनी चाहिए, यदि यह संभव नहीं है तो मुझे जो मानदेय दिया जाता है उससे शव वाहन में डीजल डलवाएं। इस पर सभी पार्षदों ने शव वाहन सेवा निशुल्क करने पर सहमति दी।

अनुबंध कराने कलेक्शन कंपनी के पक्ष में पार्षद: वर्तमान में शहर का कचरा कलेक्शन एवी इंफ्रा कर रही है। चार माह बीत जाने के बाद भी शहर की सफाई व्यवस्था नहीं सुधरी है। शहर की सफाई व्यवस्था बुरी तरह से बिगड़ी है। इसके बाद भी कुछ पार्षद कंपनी के पक्ष में खड़े नजर आए। वह हर हाल में कंपनी को कचरा कलेक्शन का काम देने के पक्ष में थे। लेकिन पार्षद भारतीय राय, राजकुमारी ठाकुर, मधुलिका यादव, संतोष ठाकुर, संतोष राय ने विरोध के चलते दो माह का अनुबंध करने पर सहमति बनी। नगर पालिका में बजट लेकर बुलाई गई बैठक शुरू होते ही कांग्रेस पार्षद प्रशांत राय, प्रकाश बजाज, विवेक पौरिया ने 26 मार्च को रद्द हुई बैठक का मुद्दा उठाया। अन्य पार्षदों ने उन्होंने शांत कराते हुए बजट पर चर्चा करने की बात कही। इसके बाद सीएमओ आरपी जगनेरिया ने वित्तीय वर्ष का 2025-26 का बजट पेश किया। आय, व्यय का लेखा जोखा पेश करते हुए उन्होंने कहा कि सभी स्त्रोतों से नपा की आय 82.88 लाख है और व्यय 81.55 लाख है। इस तरह उन्होंने 18.17 लाख बचत का बजट प्रस्तुत किया।

मनोरमा वार्ड में सार्वजनिक शौचालय को लेकर सहमति नहीं बन सकी

संजीवनी क्लीनिक निर्माण को लेकर स्थल चयन पर सहमति नहीं बन पाई। बल्कि अन्य विषयों पर आक्रोश दिखाते नजर आए। किसी ने सीएमओ पर गुस्सा दिखाया तो किसी ने व्यवस्थाएं पर सवाल खड़े किए। कांग्रेस पार्षद प्रशांत राय ने कहा कि नपा की बैठक औपचारिकता है, हम लोगों को कभी प्रोसिडिंग की कॉपी नहीं दी जाती। पार्षद बीडी रजक ने वार्ड में गंदगी और जल संकट, पोल शिफ्टिंग का मुद्दा उठाया, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। सुपर मार्केट के सुलभ कॉम्पलेक्स पर जमकर बहस हुई। पार्षदों ने कहा कि हर बार बैठक में कॉम्पलेक्स बनाने का राग छेड़ा जाता है, लेकिन काम नहीं होता। सुपर मार्केट में दो साल से कॉम्पलेक्स अधूरा पड़ा है, लेकिन ठेकेदार पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इस पर ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने का प्रस्ताव पास किया गया।

सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने अनाथालय तस्करी के मुद्दे पर दिए महत्वपूर्ण सुझाव

आईपीयू कांफ्रेंस में भारत की बुलंद आवाज

सत्ता सुधार ■ सागर

उज़्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में आयोजित 150वीं इंटर-पार्लियामेंटरी यूनियन (IPU) कांफ्रेंस में भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व कर रही सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने एक संवेदनशील और विश्व स्तर पर प्रासंगिक मुद्दे को उठाकर न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि भारत की सामाजिक प्रतिबद्धता को भी स्पष्ट रूप से सामने रखा। अनाथालय तस्करी पर केंद्रित उनके वक्तव्य ने ढ्ढक्के मंच पर भारत की छवि को एक मानवीय और संवेदनशील राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत किया। इस विषय पर 2023 में ढ्ढक्कद्वारा पारित प्रस्ताव का हवाला देते हुए डॉ. वानखेड़े ने कहा कि यह प्रस्ताव एक शुरुआत थी, और अब समय आ गया है कि सदस्य राष्ट्र इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाए । सांसद डॉ. लता वानखेड़े का भाषण कई स्तरों पर प्रभावशाली रहा उन्होंने मुद्दे की गंभीरता को गहराई से समझाया, उन्होंने बताया कि अनाथालय तस्करी एक छिपा हुआ अपराध है। कई बच्चे जिन्हें 'अनाथ' बताकर संस्थाओं में रखा जाता है उन्हें गरीब परिवारों से अलग किया जाता है। उन्होंने कहा हर बच्चे को परिवार में प्यार, सुरक्षा और स्थायित्व का अधिकार है।÷ सांसदों की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा की सांसदों को तीन अहम सुझावो को अमल में लाना होगा जिसमें पहला मजबूत कानून बनाना- अनाथालय तस्करी को रोकने और दोषियों को सज़ा देने के लिए प्रभावी कानूनों की आवश्यकता है। उन्होंने पारिवारिक विकल्पों जैसे फोस्टर केयर और गोद लेने को प्राथमिकता देने की बात कही दूसरा सरकारी संसाधनों का सही उपयोग- उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को नकली अनाथालयों पर पैसा खर्च करने के बजाय परिवारों को एक साथ रखने वाले कार्यक्रमों पर निवेश करना चाहिए और तीसरा अंतरराष्ट्रीय सहयोग- चूंकि यह अपराध सीमाओं के पार होता है, सांसद ने देशों के बीच सहयोग, जानकारी साझा करने और एक वैश्विक निगरानी तंत्र की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।उन्होंने जागरूकता और नीति बदलाव का सदस्?यों से आह्वान करते हुए यह भी कहा कि बहुत से लोग और पर्यटक अनजाने में इन तस्करी-आधारित संस्थाओं का समर्थन करते हैं। इसके लिए वैश्विक स्तर पर शिक्षा, जागरूकता और सख्त निगरानी व्यवस्था की ज़रूरत है इस भाषण के बाद सांसद डॉ. लता वानखेड़े की छवि एक गंभीर, संवेदनशील और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोचने वाले नेता के रूप में उभरी है। उन्होंने न सिर्फ भारत का दृष्टिकोण मजबूती से रखा, बल्कि एक वैश्विक मुद्दे पर नेतृत्व की भूमिका भी निभाई। उनकी प्रस्तुति ने यह सिद्ध कर दिया कि वे नीतिगत सोच, मानवीय मूल्यों और वैश्विक सहयोग की समझ रखने वाली एक ज़िम्मेदार सांसद हैं, जो अब राष्ट्रीय राजनीति में एक सशक्त और भरोसेमंद चेहरा बनते जा रही हैं।

सांसद डॉ. वानखेड़े ने कहा ये हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की नई सोच का नया भारत है जो अब वैश्विक मंचों पर केवल आर्थिक या रणनीतिक मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और मानवीय सरोकारों में भी सक्रिय नेतृत्व कर रहा है। ढ्ढक्ककांफ्रेंस के इस सत्र से साफ हो गया – भारत की आवाज़ अब वैश्विक नीति निर्माण में नज़रअंदाज़ नहीं की जा सकती।

वीरांगना दुर्गावती टाईगर रिजर्व हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

सत्ता सुधार ■ सागर

वीरांगना दुर्गावती टाईगर रिजर्व हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न। बैठक में विस्थापित होने वाले परिवारों को भी सुना गया एवं उनके दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के उपरांत कलेक्टर संदीप जी आर ने निर्देश दिए कि जिन विस्थापित परिवारों ने विस्थापन के खिलाफ आपत्तियां दर्ज कराई गई है, उन आपत्तियों को एसडीएम, वन विभाग के अधिकारियों के साथ मौके पर जाकर पुनः सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे एवं शेष विस्थापित होने वाले हितग्राहियों की दस्तावेजों की सूक्ष्मता से जांच कर विस्थापित कराए। उन्होंने कहा कि जो विस्थापित परिवार पात्र पाए गए हैं उनको तत्काल विस्थापन मुआवजा की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित करें। इस अवसर पर डीएफओ ए.के. अंसारी, रहली एसडीएम गोविंद दुबे, देवरी एसडीएम श्रीमती भव्या त्रिपाठी सहित वन विभाग के अधिकारी एवं विस्थापित होने वाले ग्रामों के ग्रामवासी मौजूद थे। कलेक्टर संदीप जी आर ने निर्देश दिए कि शेष विस्थापितों के दस्तावेजों में प्रमुखता से बच्चों के दाखिल खारिज पंजी, समग्र आईडी, राशन कार्ड, राशन पर्ची 10 वर्ष की वोटर लिस्ट की जांच करें एवं सत्यापित छाया प्रति ले।समीक्षा बैठक में पूतदेही ग्राम से उपस्थित अपात्र हितग्राहियों के दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। ग्राम के बाहर निवासरत परिसंपत्तिधारकों की परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, भुगतान पत्रक सहित प्रस्तुत किया गया। सभी विस्थापन परिवारों को भी सुना गया। इसी प्रकार झमरा ग्राम के हितग्राहियों द्वारा बाहर निवासरत परिसंपत्ति धारकों की परिसंपत्तियों का मूल्यांकन भुगतान पत्रक सहित अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। जोगीपुरा ग्राम में भू-अर्जन शाखा द्वारा परीक्षण के उपरांत ग्राम से बाहर निवासरत परिसंपत्तिधारकों के मुआवजा वितरण हेतु पत्रक तैयार कर प्रस्तुत किया गया।

किसान के खेत पर नरवाई में लगी थी आग, बीना के पास धंसरा गांव की घटना

बीना/सागर। बीना के थाना आगासौद थाना अंतर्गत ग्राम धंसरा गांव में खेत में लगी आग बुझाने के लिए गए दमकलकर्मी के साथ गांव के एक व्यक्ति ने गाली-गलोच कर मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद गुस्साए नपा कर्मचारी बीना थाने पहुंचे, जहां पर उन्होंने इसकी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन मामला आगासौद थाने का होने के कारण उन्हें आगासौद थाने भेजा गया, जहां पर आरोपी उदय राज यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार रामेश्वर पिता मूलचंद्र यादव (46) निवासी प्रताप वार्ड बीना, नगरपालिका में दैनिक वेतन भोगी चालक के पद पर पदस्थ है। जिसके लिए मंगलवार को दोपहर 1 बजकर 50 मिनट पर सीएमओ ने फोन लगाकर जानकारी दी थी कि धंसरा गांव में नरवाई में आग लगी है। सूचना पर वह अपने सहायक सुजीत मिश्रा के साथ दमकल से धंसरा गांव दोपहर तीन बजे पहुंचा। जहां पर उसे उदयभान यादव मिला, जिसने चालक से कहा कि इतने लेट क्यों आए और गाली गलोच कर मारपीट करने लगा। इसके बाद उसने चालक को रिपोर्ट करने पर जान से मारने के धमकी भी दी। घटना के बाद वह दमकल लेकर वापस बीना आ गए, जहां पर उन्होंने घटना के बारे में अपने सहकर्मियों को बताया।

खुरई विधानसभा क्षेत्र की सभी 6 भाजपा मंडल कोर समितियों की पहली संयुक्त बैठक संपन्न

सत्ता सुधार ■ सागर

खुरई विधानसभा क्षेत्र क सभी 6 भाजपा मंडलों की कोर समितियों की पहली संयुक्त बैठक पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सभी 30 सदस्यों को कोर समितियों के अधिकार, कार्यप्रणाली व सीमाओं संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। बैठक में पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने कोर समिति सदस्यों से कहा कि राजनैतिक एवं प्रशासनिक विषयों पर कोर समिति के परीक्षण कर उचित निर्णय लेकर हमे मार्गदर्शन दें जिससे कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी। मंडल कार्यालय में मंत्री नियमित रूप से उपस्थित रहे। प्रति सप्ताह कोर समिति की बैठक में पारित कार्यों के प्रस्ताव बना कर प्रेषित किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्णयों में सामाजिक संतुलन, समन्वय और निष्पक्षता का ध्यान रखा जाए। उन्होंने पंच परमेश्वर की ग्रामीण व्यवस्था की निष्पक्षता व उपयोगिता का उदाहरण देते हुए आशा व्यक्त की है कि कोर समितियां विकास और समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि कोर समितियां क्षेत्र के विकास के अतिरिक्त संगठनात्मक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन,आयोजन, नियुक्तियों के लिए भी प्रभावी निर्णायक भूमिका में होंगी।उन्होंने सभी कोर समितियों से 14 अप्रैल को बाबासाहेब डॉ आंबेडकर की जयंती तथा 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन को सुव्यवस्थित रूप से मनाने के निर्देश दिए हैं।

आयोजन | पेपर लेस निर्वाचन प्रकिया का प्रशिक्षण कलेक्टर परिसर में आयोजित किया गया

पेपर लेस निर्वाचन प्रक्रिया से मानव एवं भौतिक संसाधनों का सदुपयोग होगा: उपाध्याय

सत्ता सुधार ■ भोपाल

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी आर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रूपेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में इंटीग्रेटेड पोलिंग मैनेजमेन्ट सिस्टम के अंतर्गत पेपर लेस निर्वाचन प्रकिया का प्रशिक्षण कलेक्टर परिसर में आयोजित किया गया।अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा सागर जिले के बीना में जनपद पंचायत सदस्य, खुरई तथा जैसीनगर में सरपंच पद पर पेपर लेस निर्वाचन की प्रकिया प्रशिक्षण के द्वारा आयोजित की गई है। पेपर लेस चुनाव दो भागो में आयोजित किए जाएगें प्रथम भाग में ईव्हीएम से पूर्ववत् प्रकिया के द्वारा निर्वाचन मतदाताओं द्वारा किया जाएगा साथ ही अभिलेखों के रिकार्ड का संधारण डिजीटल लेपटाप में किया जाएगा जिसके कारण अब पीठासीन अधिकारियों को सम्पूर्ण प्रपत्रों को पूर्व से ही लेपटाप पर डिजीटल फार्म में उपलब्ध कराया जाएगा। पेपरलेस निर्वाचन प्रक्रिया से पीठासीन अधिकारी को सम्पूर्ण सामग्री मतदान केन्द्र पर ही एकीकृत सेक्टर पर्यवेक्षण एवं प्रबंधन दल के द्वारा न केवल उपलब्ध कराई जाएगी, बल्कि मतदान प्रक्रिया पूर्ण होने पर प्रबंधक दल द्वारा सामग्री भी जमा कराई जाएगी जिससे सामग्री लेने व जमा कराने पर होने वाली असुविधा से पीठासीन अधिकारी का दल मुक्त हो जाएगा साथ ही परिवहन में लगने वाले अत्याधिक वाहनों की आवश्यक नहीं रहेगी। मास्टर टेऊनर आनंद मंगल बोहरे प्राचार्य ने बताया कि पेपर लेस चुनाव के कारण मतदान प्रक्रिया पहले से अधिक पारदर्शी हो जाएगी क्योकि निर्वाचन प्रक्रिया में एक बड़ा टीव्ही मतदान केन्द्र में लगाया जाएगा जिसमें मतदाता की फोटो के द्वारा उसकी पहचान सुनिश्चित की जाएगी। पूर्व के चुनाव में जहां पर पीठासीन अधिकारी के अतिरिक्त तीन मतदान अधिकारी लगाए जाते थे, अब दो अधिकारियों का दल बनाया जाएगा जिससे मानव संसाधन का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। सेंस नोडल अधिकारी डॉ अमर कुमार जैन ने बताया कि इस पेपरलेस निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर इंटरनेट का प्रयोग नहीं किया जाएगा। मतदाताओं एवं जनप्रतिनिधियों को इस सम्पूर्ण प्रकिया की जानकारी देने के लिए सेंस दल द्वारा माकपोल जैसी व्यवस्था के द्वारा सम्पूर्ण प्रकिया से परिचय कराया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा समय-समय पर सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया की मानीटरिंग की जावेगी। मास्टर टेऊनर मनीष सक्सेना ने बताया कि ऑनलाईन सूचना प्रणाली के तहत् उपरोक्त जानकारियों को अंकित किये जाने हेतु मोबाईल ऐप का उपयोग किया जायेगा। मोबाईल ऐप में पीठासीन अधिकारी हेतु निर्मित पेज से पीठासीन अधिकारी उपरोक्त जानकारियों को अंकित करेगा। मतदान के दौरान 02 घण्टे के मतदान प्रतिशत हेतु इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेन्ट सिस्टम में प्रदर्शित आंकडें को मोबाईल ऐप के माध्यम से दर्ज किया जायेगा जो जिला एवं आयोग स्तर पर प्रदर्शित होगा। मास्टर टेऊनर सर्वेश्वर उपाध्याय सहायक प्राध्यापक ने बताया इस प्रक्रिया में लेपटॉप डिजिटल थम्ब स्वैनर, डिजिटल सिग्नेचर पेन, पेन ड्राइब पावर बैकअप अदि सामग्री के द्वारा सम्पूर्ण प्रक्रिया के द्वारा सम्पादित किया जावेगा। प्रशिक्षण में ईव्हीएम नोडल परमानंद सेन, तकनीकि मास्टर टेऊनर्स मनीष माहोर, मुकेश पटैल, निर्वाचन पर्यवेक्षक बैनीप्रसाद प्रजापति के द्वारा महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर कार्यालयीन निर्देश देकर अपनी बात रखी गई। प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु सेंस के सहायक नोडल अधिकारी जनपद पंचायत ग्राम सचिव सह सचिव कम्प्यूटर ऑपरेटर सहायक ईगर्वेनेंस मैनेजर कार्यालयीन स्टाप सहित उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

स्पोर्ट्स स्टेडियम में 82 लाख रुपये की लागत से बनेगा जिम्नास्टिक हॉल, टेंडर प्रक्रिया पूरी

नई दिल्ली। बरेली के स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिम्नास्टिक के खिलाड़ियों को जल्द ही अभ्यास करने के लिए हॉल की सौगात मिलेगी। बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) की ओर से 82 लाख रुपये की लागत से हॉल के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। कार्यदायी संस्था के रूप में विपिन भाटिया कंपनी का चयन किया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद खिलाड़ियों को अत्याधुनिक स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्टेडियम में अब तक जिम्नास्टिक के लिए अलग से कोई समर्पित स्थान नहीं था। खिलाड़ी बैडमिंटन हॉल के कोने में सीमित जगह पर ही गद्दे बिछाकर अभ्यास करते थे। इससे उन्हें काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। अब जिम्नास्टिक हॉल के निर्माण के बाद गद्दे और अन्य उपकरणों को रखने के लिए खिलाड़ियों को व्यवस्थित स्थान मिलेगा। नए हॉल में उपकरणों को फिक्स कर दिया जाएगा। इससे अभ्यास भी ज्यादा प्रभावी हो सकेगा। आरएसओ जितेंद्र यादव ने बताया कि जिम्नास्टिक हॉल का निर्माण स्टेडियम परिसर स्थित वेटलिफ्टिंग हॉल और बैडमिंटन हॉल के बीच में खाली जगह पर किया जाएगा। जिम्नास्टिक के खिलाड़ियों को लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा थी। निर्माण पूरा होने पर खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए भरपूर स्थान और पर्याप्त समय मिलेगा।

पूजा ठाकुर जहां से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनीं, अब वहां देंगी कोचिंग

नई दिल्ली। वर्ष 2014 के एशियाई खेलों में कबड्डी में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रहीं पूजा ठाकुर जहां से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनीं अब वहीं खिलाड़ियों को तराशेंगी। पूजा ने भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में बतौर कबड्डी कोच ज्वाइन कर लिया है। इससे पहले वह बिलासपुर में सेवाएं दे रही हैं। पूजा एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग में असिस्टेंट कमीश्नर के पद पर तैनात हैं और डेपुटेशन पर खेल प्राधिकरण के धर्मशाला सेंटर में कबड्डी कोच के तौर पर सेवाएं देते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभा निखार रही हैं। पूजा ने वर्ष 2004 में धर्मशाला स्थित साई हास्टल में बतौर खिलाड़ी एंट्री की थी। यहां रहकर कबड्डी की बारीकियों को सीखते हुए हिमाचल और भारत को कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक दिलाए थे। इस दौरान पूजा कई प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम की कप्तान भी रहीं। वर्ष 2012 में पूजा को राज्य सरकार ने एक्साइज विभाग में नौकरी दी। इसके बाद पूजा ठाकुर ने वर्ष 2014 में एशियन गेम्स में भारतीय टीम को कबड्डी में स्वर्ण पदक दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। बिलासपुर के स्योहला गांव की पूजा ठाकुर ने 14 साल की उम्र में साई हास्टल में प्रशिक्षण लेना शुरू किया था। पूजा ने कहा कि मेरे के लिए गौरव की बात है कि जो मेरी कर्म भूमि रही है। आज वहां पर ही बतौर कोच के रूप में सेवाएं देने का मौका मिला है।

कोहली बोले- आईपीएल ने मेरा टी-20 गेम निखारा, पहले सीजन में डरा हुआ था

द्रविड़-कुंबले जैसे दिग्गजों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करना सपने जैसा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विराट कोहली ने कहा- आईपीएल की वजह से उनका टी-20 गेम निखरा है। 36 साल के कोहली ने जियो हॉटस्टार से आईपीएल के अपने डेब्यू सीजन के बारे में बात करते हुए कहा, जब मैंने पहली बार आईपीएल में खेला, तो मैं पूरी तरह से डरा हुआ था। मैं जहीर-युवराज के अलावा किसी क्रिकेटर से नहीं मिला था। मेरे जैसे न्यू कमर के लिए अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करना किसी सपने से कम नहीं था। वर्तमान में विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। मौजूदा सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 67 रनों की पारी खेली थी।

शुरुआत में टॉप ऑर्डर में खेलने का मौका नहीं मिला

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने शुरुआती सालों को याद करते हुए कोहली ने कहा, आरसीबी के साथ अपने पहले तीन सालों में मुझे टॉप ऑर्डर में बैटिंग करने का ज्यादा मौका नहीं मिला। मुझे आमतौर पर निचले ऑर्डर में भेजा जाता था। इसलिए मैं आईपीएल में शुरुआत में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाया। 2009 का सीजन मेरे लिए थोड़ा बेहतर रहा। उस साल पिचें मेरे खेल के अनुकूल थीं, गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आ रही थी और मैं अपने शॉट्स ज्यादा आजादी से खेल सकता था। यह मेरे करियर का एक दिलचस्प दौर था। 2010 के बाद से मैंने अच्छा परफॉर्म करना शुरू कर दिया और 2011 तक मैं रेगुलर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने लगा।

आईपीएल अलग तरीके की चुनौती

कोहली ने आगे कहा,आईपीएल आपको बहुत ही अलग तरीके से चुनौती देता है। यह एक छोटी बाइलैटरल सीरीज की तरह नहीं है, यह कई हफ्ते तक चलता है और पॉइंट्स टेबल में आपकी स्थिति बदलती रहती है। पॉइंट्स टेबल में लगातार बदलते पोजिशन से अलग-अलग तरह का दबाव आता है। जब आप टॉप पर होते हैं, तो उस बढ़त को बनाए रखने का दबाव होता है। अगर आप निचले पायदान पर हैं, तो आपको वापसी करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा की आवश्यकता होती है। यदि आप बीच में कहीं हैं, जहां आपको 5 में से 3 मैच जीतने की जरूरत है, तो एक भी हार अचानक बहुत दबाव डाल सकती है। इस टूर्नामेंट का यही नेचर आपको मानसिक और प्रतिस्पर्धी रूप से आगे बढ़ने में मदद करता है। आईपीएल ने मुझे अपने टी-20 गेम को लगातार सुधारने और डेवलप करने के लिए मोटिवेट किया है।

कोहली के नाम सबसे ज्यादा आईपीएल रन

कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 256 मैचों में 8168 रन हैं। वे साल 2008 में लीग की शुरुआत से ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेल रहे हैं। उनके नाम 8 आईपीएल शतक हैं। इसके अलावा उन्होंने 57 अर्धशतक जड़े हैं।

मैक्सवेल पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगा

पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर आईपीएल के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगा है। उनको आर्टिकल 2.2 के लेवल 1 को तोड़ने के तहत मैच फीस का 25प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने उन पर फाइन लगाने के कारण को साफ नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि वो जल्दी आउट होने से निराश थे और गुस्से में उन्होंने स्टेडियम की प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाया था।

जीटीबी क्रिकेट एकेडमी की टीम सेमीफाइनल में पहुंची, प्रदेश स्तरीय कुश्ती में मेरठ का जलवा

पहले बल्लेबाजी करते हुए गुरु तेग बहादुर क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 31.5 ओवर में 221 रन बनाए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मेरठ गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल के मैदान पर खेली जा रही गुरु तेग बहादुर त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज में बीते दिन को सीनियर वर्ग का दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें गुरु तेग बहादुर क्रिकेट अकादमी की टीम ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुरु तेग बहादुर क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 31.5 ओवर में 221 रन बनाए। उनकी ओर से दिव्य ने 41 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऋषभ क्रिकेट अकादमी ब्लू की टीम 28.5 ओवर में 200 रन पर ऑलआउट हो गई। उनकी ओर से अजहर ने 43 और युग ने 40 रनों का योगदान दिया। आयोजन सचिव क्रिकेट कोच अतहर अली ने बताया कि मुख्य अतिथि डॉ. कर्मेंद्र सिंह ने टीमों से परिचय प्राप्त किया। बुधवार को सीनियर वर्ग का तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। किला रोड स्थित गेम सिटी एरेना में बीते दिन को अहलावत क्रिकेट एकेडमी और वीपीसीए क्रिकेट एकेडमी के बीच मैच खेला गया। इसमें वीपीसीए क्रिकेट एकेडमी ने 8 विकेट से मैच जीता। पहले बल्लेबाजी करते हुए अहलावत क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 32.2 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 98 रन बनाए। बल्लेबाज वेदांश ने 67 गेंद में 27 रन और रुद्रा ने 18 गेंद में 8 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वीपीसीए की टीम ने 10.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में मेरठ के खिलाड़ियों ने जीते पदक

बागपत में आयोजित उत्तर प्रदेश जूनियर पुरुष और महिला कुश्ती प्रतियोगिता में मेरठ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में पदक हासिल किए। कुश्ती कोच डॉ. जबर सिंह सोम ने बताया कि यह प्रतियोगिता 5 अप्रैल से 7 अप्रैल तक किरठल में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में 50 किग्रा. भार वर्ग में सारथी तोमर ने प्रथम, 57 किग्रा. भारवर्ग में पायल सैनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फ्री स्टाइल पुरुष वर्ग में 61 किग्रा. भार वर्ग में सागर वत्स ने प्रथम, 67 किग्रा. भार वर्ग में मुकुल चौधरी ने चौथा स्थान हासिल किया। ग्रीको रोमन में 82 किग्रा. भार वर्ग में हिमांशु शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंगलवार को चौधरी चरण सिंह विवि स्थित रुस्तम ए जमा दारा सिंह कुश्ती हाल में सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान संरक्षक अश्वनी गुप्ता, कल्याण सिंह आदि मौजूद रहे।

फाइनल में पहुंची एसजी कैंट की टीम: राधा गोविंद के मैदान पर खेली जा रही चौथी गौरैया टी 20 क्रिकेट चैंपियनशिप में मंगलवार को सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें एसजी कैंट ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए राधा गोविंद की टीम ने अच्छी शुरूआत दी। खिलाड़ियों ने निर्धारित बीस ओवर में 246 रन बनाए। उनकी ओर से रजत शर्मा ने 71 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसजी कैंट की टीम के खिलाड़ियों ने अच्छी शुरूआत दी। टीम ने 18.5 ओवर में ही 6 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

इंटर हॉस्टल क्रिकेट प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया दमखम

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में इंटर हॉस्टल क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को पहला सेमीफाइनल मैच डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम हॉस्टल और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ब्वॉयज हॉस्टल के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीडीयू हॉस्टल की टीम ने 110 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एपीजे हॉस्टल की टीम ने भी 110 रन बनाए। सुपर ओवर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम हॉस्टल की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर 28 रन बनाकर 15 रन से जीत दर्ज की और फाइनल में प्रवेश किया।दूसरा सेमीफाइनल पंडित दीनदयाल उपाध्याय ब्वॉयज हॉस्टल और केपी हॉस्टल के बीच खेला गया। मैच में डीडीयू की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 130 रन बनाए। जिसके जवाब में केपी हॉस्टल की टीम निर्धारित 10 ओवरों में 128 रन ही बना सकी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय हॉस्टल की टीम सीधे फाइनल में पहुंच गई। बालिका वर्ग में फाइनल मैच दुर्गा भाभी छात्रावास और रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास के बीच खेला जाएगा। अध्यक्षता कर रहे डॉ. वाईपी सिंह ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का आधार हैं। इस तरह की प्रतियोगिताएं उनके भीतर अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व और संघर्ष की भावना का विकास करती हैं। पहले सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए अमन मावी और मोहसिन को संयुक्त रूप से प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। दूसरे सेमीफाइनल मैच में 37 रन और तीन विकेट लेकर अपनी टीम को विजेता बनाने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय हॉस्टल टीम के कप्तान एजाज अहमद को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

विराट कोहली ने जॉन सीना के स्टाइल को किया कॉपी

मुरीद हुए डब्लूडब्लूई चैंपियन

नई दिल्ली। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) के 16 बार के चैंपियन जॉन सीना भी भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के मुरीद हैं। उन्होंने बुधवार को अपने इंस्टा हैंडल से किंग कोहली की एक तस्वीर साझा की जिसमें दिग्गज खिलाड़ी को जॉन सीना का मशहूर पोज देते देखा जा सकता है। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन भी विराट के इस व्यवहार के फैन हो गए।

आरसीबी ने साझा की खास पोस्ट

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली इन दिनों आईपीएल 2025 में खेलते नजर आ रहे हैं। वह आरसीबी के लिए इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अबतक खेले चार मैचों में दाएं हाथ के बल्लेबाज ने दो अर्धशतकों की मदद से 164 रन बनाए हैं। हाल ही में आरसीबी ने अपने इंस्टा हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें किंग कोहली को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरफ से गिफ्ट की गई अंगूठी दिखाते देखा गया था। इस दौरान विराट ने पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन जॉन सीना का पोज कॉपी किया। फैंस को उनका यह अंदाज काफी पसंद आया।

बीसीसीआई ने भारतीय खिलाड़ियों को दिया यादगार तोहफा

वीडियो में जिस अंगूठी को विराट कोहली दिखाते दिख रहे हैं वह उन्हें बीसीसीआई ने भेंट की थी। हाल ही में हाल ही में बीसीसीआई की तरफ से नमन अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया था। इस दौरान बोर्ड ने भारतीय खिलाड़ियों की टी20 विश्व कप 2024 की जीत को यादगार बनाते हुए टीम के सदस्यों को खास अगूंठी तोहफे में दी जो सोने और हीरे से बनी है। इस अंगूठी की खासियत है कि इसमें अशोक चक्र बना हुआ है और शीर्ष पर खिलाड़ियों का नाम उनके जर्सी नंबर के साथ अंकित है।

---

18 साल की महिला निशानेबाज सुरुची ने जीता स्वर्ण पदक, चीन के प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। भारत की 18 साल की प्रतिभाशाली सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 244.6 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने चीन की किवान वेई (241.9) और दोहरा ओलंपिक पदक विजेता जियांग रैनजिन (221.0) को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर पछाड़ दिया।

मनु फाइनल में नहीं बना पाई थीं जगहः इससे पहले सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। सुरुचि ने नई दिल्ली में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के यूथ, जूनियर और सीनियर वर्ग में तीन स्वर्ण पदक हासिल किए थे। ट्रायल्स में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई थी।

दोहा डायमंड लीग से सत्र की शुरुआत करेंगे भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा, 16 मई को होगा आयोजन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। दोहा डायमंड लीग का आयोजन कतर की राजधानी में 16 मई को होगा। नीरज भारत के सबसे सफल भाला फेंक एथलीट हैं जिन्होंने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और फिर 2024 पेरिस खेलों में रजत पदक जीतने वाले नीरज ने कहा कि वह लगातार तीसरे साल दोहा में वांडा डायमंड लीग प्रतियोगिता में एथलेटिक्स के सबसे उत्साही दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करने के लिए बेताब हैं। नीरज ने 2023 में कतर स्पोर्ट्स क्लब में 88.67 मीटर के प्रयास से जीत हासिल की थी। प्रतियोगिता में तीसरी बार हिस्सा ले रहे नीरज ने कहा कि वह कतर में भारतीय प्रशंसकों से और अधिक उत्साही समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं।

प्रीमियर लीग स्मृति प्रीमियर लीग का आयोजन 19 अप्रैल से डोहरा रोड स्थित मैदान पर किया जाएगा

बरेली में कुंवर सुभाष पटेल स्मृति प्रीमियर लीग में खलेंगी 10 टीमें

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बरेली में जीपी वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से कुंवर सुभाष पटेल स्मृति प्रीमियर लीग का आयोजन 19 अप्रैल से डोहरा रोड स्थित मैदान पर किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए रविवार को आयोजित नीलामी समारोह में शहर की दस प्रमुख टीमों ने भाग लिया। इसमें न्यूरो किड्स द इन्विंसिबल, गज ग्रीन, एएस डायमंड्स, मणिलम इंडियंस, न्यूट्री वर्ल्ड सुपर जायंट्स, प्रेमचंद सोनी एंड सन्स, केएआई रॉयल्स, श्री सिद्धि विनायक नाइट राइडर्स, सनराइजर्स सैलून एचएम और आरआरआर जैसी टीमों के नाम शामिल हैं। नीलामी प्रक्रिया के दौरान हर्ष राणा पर सर्वाधिक 12,100 रुपये की बोली लगी। प्रेमचंद सोनी एंड सन्स टीम ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी शिव कुमार राठी रहे। न्यूरो किड्स द इन्विंसिबल टीम ने उन्हें 11,600 रुपये में खरीदा। राहुल कपूर 9,800, अनुज शर्मा 9,100, अनंतवीर सिंह 9,100, धीरेंद्र यादव 8,700, सोनू अधिकारी 8,200, आकाश कुमार 8,100, दिलशाद खान 6,300 और अनंत भटनागर 6,200 रुपये में बिके। बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता प्रशांत पटेल ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मुख्य आयोजक सीए गगन मेहरोत्रा, संघ के अध्यक्ष सरफराज वली खान, सचिव सीताराम सक्सेना और संयुक्त सचिव ओपी कोहली आदि उपस्थित रहे।

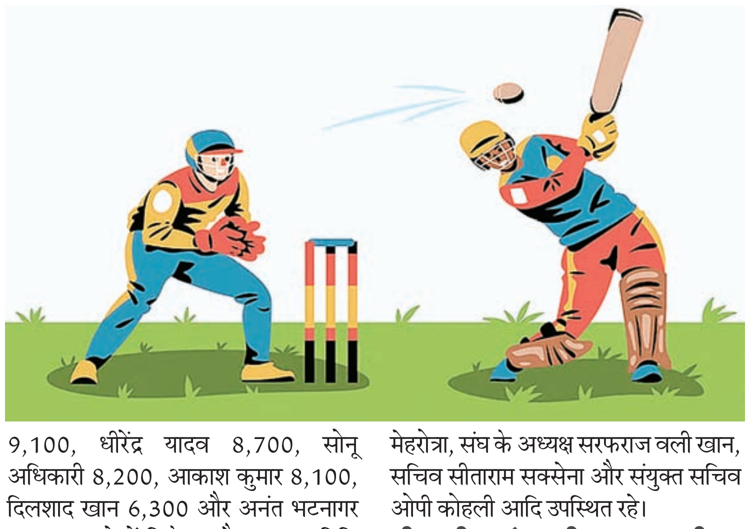

जीएसटी-11 ने खलीफा अकादमी को पांच विकेट से दी शिकस्त

शैली शुक्ला मेमोरियल ट्रस्ट और बरेली क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित वेदान टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-एक में सोमवार को दो मुकाबले खेले गए। इसमें जीएसटी-11 ने खलीफा अकादमी को और एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी और ओवैस क्रिकेट अकादमी को पराजित किया। पहले मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। शाहरुख खान ने 60 रनों की पारी खेली। अनुज शर्मा ने 16 गेंदों पर 32 रन बनाए। ओवैस क्रिकेट अकादमी की तरफ से यश भारद्वाज ने चार विकेट लिए। जवाब में ओवैस क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 123 रनों पर ढेर हो गई। एसआरएमएस के अनुज शर्मा ने तीन विकेट लिए। उन्हें मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए खलीफा क्रिकेट अकादमी की टीम मात्र 76 रनों पर ढेर हो गई।

कपिला-क्रास्टो की जोड़ी प्री [ार्टर फाइनल में पहुंची, मलेशियाई जोड़ी को हराया

नई दिल्ली। भारत की मिश्रित जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में मलयेशिया के हू पेंग रोन और सू यिन चेंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने 51 मिनट चले मुकाबले में 15–21, 21–12, 21–11 से जीत दर्ज की। ध्रुव और क्रास्टो की अगली भिड़ंत ताइवान की वेई ये और निकोल गोंजालेंज चैन की जोड़ी के साथ होगी। मिश्रित युगल में भारत की तीन अन्य जोड़ियों को हार का सामना करना पड़ा।

दैनिक
सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

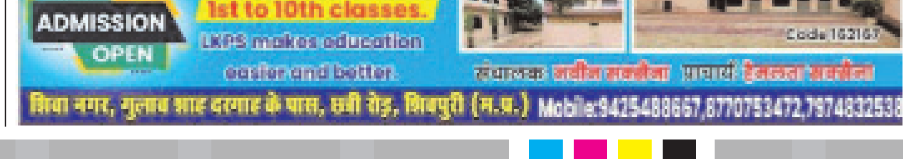

भगवान महावीर का संदेश 'जियो और जीने दो' मानवता के लिए प्रेरणादायक

सत्ता सुधार, ग्वालियर। भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव हर वर्ष चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह दिन जैन धर्म के अनुयायियों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर, महावीर स्वामी की जन्मजयंती है। उनका जन्म लगभग 599 ईसा पूर्व बिहार के वैशाली के पास स्थित कुंडलपुर में राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के यहां हुआ था। भगवान महावीर ने बाल्यावस्था से ही वैराग्य की भावना को अपनाया। तीस वर्ष की आयु में उन्होंने गृह त्याग कर दीक्षा ली और दीर्घकालीन साधना के पश्चात केवल ज्ञान (कैवल्य ज्ञान) को प्राप्त किया। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अस्तेय और ब्रह्मचर्य के सिद्धांतों का प्रचार किया। स्वामी का उपदेश न केवल जैन समाज के लिए, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने हर जीव में आत्मा के अस्तित्व को स्वीकारते हुए 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया। उनका मानना था कि प्रत्येक जीव स्वतंत्र है, अपने कर्मों का फल भोगता है। जन्मोत्सव के अवसर पर देशभर के जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, शोभायात्राएं और धार्मिक प्रवचन होते है। दान-पुण्य और सेवा कार्य भी किए जाते हैं।

सच्चे धर्म का मार्ग दिखाया भगवान महावीर स्वामी जी ने

भारत की आध्यात्मिक परंपरा में जिन महान आत्माओं ने समाज को सच्चे धर्म का मार्ग दिखाया, उनमें भगवान महावीर स्वामी का नाम अत्यंत आदर और श्रद्धा के साथ लिया जाता है। वे जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे और उनका जीवन हमें त्याग, तपस्या, अहिंसा और आत्मज्ञान की राह पर चलने की प्रेरणा देता है।

हरीश जैन

प्रभु महावीर ने सत्य, अहिंसा और आत्म संयम का मार्ग दिखाया

भगवान महावीर स्वामी भारतीय संस्कृति के उन महान आध्यात्मिक पुरुषों में से एक हैं, जिन्होंने अपने जीवन और उपदेशों के माध्यम से संपूर्ण मानवता को सत्य, अहिंसा और आत्म-संयम का मार्ग दिखाया। वे जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे और उन्होंने न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों को भी एक नई दिशा प्रदान की। उनका जीवन त्याग, तपस्या और करुणा का आदर्श उदाहरण है, जो आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है जितना सहस्त्रों वर्ष पहले था।

आकाश जैन

भगवान महावीर स्वामी जी ने दिए सम्पूर्ण विश्व को करुणा का संदेश

भगवान महावीर स्वामी जी का योगदान न केवल जैन धर्म तक सीमित है, बल्कि उन्होंने सम्पूर्ण मानवता के लिए शांति, सह-अस्तित्व और नैतिक जीवन का आदर्श प्रस्तुत किया। उनका संदेश आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है, जब विश्व को करुणा और सहिष्णुता की सबसे अधिक आवश्यकता है।

अतुल पारीक

सिर्फ जैन धर्म के नहीं जन जन के आराध्य भगवान महावीर स्वामी जी

भारतवर्ष की अध्यात्ममयी परंपरा में जिन तीर्थंकरों ने अपने तप, ज्ञान और त्याग से मानवता को नया मार्ग दिखाया, उनमें भगवान महावीर स्वामी का स्थान सर्वोपरि है। उनका जन्मकल्याणक, जिसे महावीर जयंती के रूप में मनाया जाता है, न केवल जैन समाज के लिए, बल्कि समस्त मानवता के लिए एक प्रेरणा का पर्व है।

पी एल कुशवाह

भगवान महावीर स्वामी जी ने जीवन को सरल बना दिया

भगवान महावीर स्वामी जी ने अहिंसा परमो धर्मः कहकर बताया कि शक्ति केवल तलवार में नहीं होती, बल्कि करुणा में होती है। उन्होंने दिखाया कि धर्म मंदिरों तक सीमित नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्म की शुद्धता में बसता है। भगवान महावीर जन्मकल्याणक केवल एक पर्व नहीं, एक पुनः स्मरण है कि हम कौन हैं और हमें कैसा बनना चाहिए।

पारस जैन

अहिंसा ही परम धर्म है की बात बताई प्रभु महावीर स्वामी जी ने

भगवान महावीर का जीवन त्याग, तपस्या और तप के उच्चतम शिखरों को छूने वाला रहा। उनका प्रत्येक उपदेश मानव कल्याण की भावना से ओत-प्रोत था। उन्होंने संसार को यह सिखाया कि हिंसा से कोई भी समाधान संभव नहीं, बल्कि अहिंसा और करुणा ही वह पथ है जिस पर चलकर व्यक्ति न केवल आत्मिक शांति प्राप्त करता है, बल्कि समाज और विश्व में भी संतुलन स्थापित करता है।

रवि जैन

जियो और जीने दो सुखी रहने के लिए भगवान महावीर स्वामी जी का सूत्र

जियो और जीने दो केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि एक ऐसा जीवन सूत्र है जो मानवता के मूल मूल्यों को उजागर करता है। यह सिद्धांत सहिष्णुता, करुणा और परस्पर सम्मान का प्रतीक है, जो हमें न केवल अपने जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा देता है, बल्कि दूसरों को भी सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार देता है।

सुशील जैन

युग पुरुष भगवान महावीर स्वामी जी ने समाज को सिखाया सदाचरण

भगवान महावीर स्वामी एक युगपुरुष थे जिन्होंने अपने ज्ञान और आचरण से पूरी मानवता को दिशा दी। उनके उपदेश न केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिए, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए मूल्यवान हैं जो शांति, सच्चाई और करुणा की तलाश में है। ऐसे महापुरुषों का जीवन युगों तक प्रेरणा का स्रोत बना रहता है।

रत्नेश गुप्ता

फतेहपुर के अखरी में तिहरे हत्याकांड में चला बुलडोजर

आरोपी की बहन का अवैध निर्माण ध्वस्त

एजेंसी ■ फतेहपुर

फतेहपुर जिले में हथगाम थाना क्षेत्र के अखरी गांव की प्रधान के दो बेटों विनोद सिंह (45), अनूप सिंह (40) और पौत्र अभय प्रताप सिंह (21) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड में आरोपी ज्ञान सिंह पुत्र सुरेश भदौरिया की बहन के अवैध निर्माण पर बुलडोजर एक्शन हुआ है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया गया। तिहरे हत्याकांड को लेकर ग्रामीणों ने आरोपियों का घर ढहाकर संपत्ति जब्त किए जाने की मांग की थी। ग्रामीणों ने बताया था कि पप्पू के अच्छे व्यवहार पर गांव के लोग कायल थे। गांव के अलावा भी जिले व पड़ोसी जिलों से लोग पप्पू सिंह के संपर्क में थे। हत्यारोपी घटनास्थल के बाद गांव नहीं पहुंचे।

वह स्कार्पियो से भाग निकले थे।

यह था पूरा मामला

हथगाम थाना क्षेत्र के अखरी गांव की प्रधान के दो बेटों विनोद सिंह, अनूप सिंह और पौत्र अभय प्रताप सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि पूर्व प्रधान सुरेश सिंह उर्फ मुन्नू ने अपने बेटे पीयूष व अन्य साथियों के साथ घात लगाकर घटना अंजाम दी। अनूप की पत्नी मनीषा की तहरीर पर पुलिस ने पूर्व प्रधान समेत छह के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्जकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

सात लेखपाल सस्पेंड, पांच संविदा कर्मी पर एफआईआर

गाजीपुर में डीएम की कार्रवाई, सीडीओ के स्टेनो को हटाया

गाजीपुर। गाजीपुर जनपद में आय प्रमाणपत्र जारी करने के नाम पर चल रहे खेल मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। डीएम आर्यका अखौरी ने सात लेखपालों को निलंबित, जखनियां तहसील के पांच संविदा कर्मी ऑपरेटरों पर मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही पांच तहसीलदारों से स्पष्टीकरण मांगा है। इसके अलावा सीडीओ के स्टेनों का तबादला जमानिया के लिए कर दिया है। डीएम ने सदर, जमानिया, जखनियां, सैदपुर तहसील के एक-एक और कासिमाबाद के तीन लेखपाल को निलंबित कर दिया गया है। जबकि जखनियां में पांच संविदा पर तैनात पांच ऑपरेटर के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराने का आदेश दिया है। इसके अलावा संबंधित पांचों तहसीलों के तहसीलदारों से प्रकरण में स्पष्टीकरण मांगा गया है। जबकि सीडीओ संतोष कुमार वैश्य के स्टेनो राधेश्याम यादव का तबादला जमानिया तहसील के लिए कर दिया गया है। क्योंकि जांच में यह भी बात सामने आई कि सीडीओ के स्टेनो की बेटी पूजा की नियुक्ति आंगनबाड़ी पद पर मनिहारी ब्लॉक के चौखड़ी में हो गई।

पीएम मोदी आएंगे... सुरक्षा ऐसी कि परिंदा नहीं मार सकेगा पर

सुरक्षा-सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था के निर्देश, किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहने पाए

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश मनोज कुमार और डीजीपी प्रशांत कुमार पीएम के आगमन से पहले काशी पहुंचें। उन्होंने कमिश्नरी सभागार में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा द्वारा अधिकारियों के समक्ष प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान होने वाले लोकार्पण व शिलान्यास तथा आगमन के संबंध में की गई सभी विभागीय तैयारियों को बताया गया। मंडलायुक्त ने बताया कि सभास्थल पर उचित साफ-सफाई, मोबाइल टॉयलेट, पीने के पानी के उचित प्रबंध, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, सेफ हॉउस, ट्रैफिक मैनेजमेंट व बैरिकेडिंग तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए उचित मेडिकल व्यवस्था की पूरी जानकारी दी दई। उन्होंने बताया की सीएम योगी के निर्देश पर पीएम मोदी के आगमन के मद्देनजर एक सप्ताह तक पूरे शहर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल द्वारा अधिकारियों के समक्ष प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के दृष्टिगत की गई तैयारियों तथा सभास्थल पर यातायात व पार्किंग व्यवस्था की जानकारी दी गई। डीजीपी प्रशांत कुमार द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के सभी चाक-चौबंद प्रबंध करने हेतु निर्देशित किया गया। कहा गया कि किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहने पाए। उन्होंने गर्मी के दृष्टिगत इलेक्ट्रिकल सेफ्टी पर पूरा ध्यान देने तथा आस-पास सभी के वेरिफिकेशन कराने के लिए निर्देशित किया।

गर्मी में न हो कोई असुविधा

मुख्य सचिव ने कहा की पीएम के आगमन के मद्देनजर सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं। सभी लोग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करेंगे। गर्मी के दृष्टिगत पीने के पानी के उचित प्रबंध सभास्थल के सभी कम्पार्टमेंट में करने को कहा। मोबाइल टॉयलेट्स की भी उचित व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने इलेक्ट्रिकल सेफ्टी पर विशेष ध्यान रखने के लिए निर्देशित किया।

काल भैरव व काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन

बैठक के बाद मुख्य सचिव तथा डीजीपी द्वारा काल भैरव व काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन भी किया गया। साथ ही मंदिर परिक्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इसके बाद पुलिस लाइन पहुंचकर पुलिस कर्मियों के लिए बने आवास का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा 50 फैंटम दस्ते को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया गया। मुख्य सचिव तथा डीजीपी द्वारा पुलिस लाइन परिसर में महिलाओं की स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित वातानुकूलित कैंटीन/ जलपान गृह काशी प्रेरणा कैफे का फीता काटकर उद्घाटन किया गया तथा इस अवसर पर मुख्य सचिव द्वारा महिला समूहों से वार्ता भी की गई।

यह रहे मौजूद

बैठक में एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया, जिलाधिकारी एस राजलिंगम, डीआईजी मोहित गुप्ता, अपर पुलिस आयुक्त वाराणसी कमिश्नरेट डॉ. एस चिनप्पा, उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण पुलकित गर्ग, नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्पताल में नर्स का कत्ल... गले की तीन हड्डियां टूटीं

संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद कोतवाली इलाके के टेमा रहमत स्थित संस हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में काम करने वाली नर्स की अस्पताल में हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम में गले की तीन हड्डियां टूटी मिली हैं। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर संचालक रामजी राव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं सीएमओ के निर्देश पर टीम ने अस्पताल सील कर दिया है।

योगी से मिले प्रभु देवा

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

फिल्म कन्नप्पा के निर्माता डॉ. एम मोहन बाबू और प्रभु देवा सहित फिल्म व्यवसाय से जुड़े कई लोगों ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। ये एक शिष्टाचार भेंट थी। सीएम से मुलाकात करने वालों में फिल्म कन्नप्पा के निर्माता डॉ. एम मोहन बाबू, फिल्म कलाकार विष्णु मांचू, प्रभु देवा और विनय माहेश्वरी ने शिष्टाचार भेंट की।

संघ और सरकार मिलकर तैयार करेंगे 2027 का रोडमैप

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

संघ परिवार और सरकार मिलकर विधानसभा चुनाव-2027 का रोडमैप तैयार करेंगे। इसके लिए रोजगार, रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती और किसानों-गरीबों से जुड़े मुद्दों पर खास फोकस होगा। इस संबंध में संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल की मौजूदगी में संघ के आर्थिक समूह के साथ समन्वय बैठक में जनता के फीडबैक के आधार पर सरकार को काम करने का सुझाव दिया गया। निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में संघ के सभी घटक प्रमुखों और सरकार के कई मंत्रियों की मौजूदगी में बैठक हुई। इस दौरान सहकारिता समेत कई विभागों में भर्ती न होने पर चर्चा हुई। संघ ने सरकार को रोजगार की दिशा में तेजी से काम करने और सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती का सुझाव दिया। किसानों को कर्ज से निजात दिलाने और उनकी समस्याएं सुलझाने पर ध्यान देने को कहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव द्वारा करुणा प्रिन्टर्स महाडिक् साहब के बाड़े के पास, निम्बालकर की गोठ नं. 2 कम्पू लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित एवं सिद्धेश्वर नगर आईटीआई कॉलेज के पास झांसी से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, फोन- 0751-4922849, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22048 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।